नई दिल्ली । बुधवार, 13 मई, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष एकादशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :127 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari_news
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम पर लगा...
@ विचार सड़कों पर दम तोड़ती गायें दुध निकाल कर कचरे में...
@ व्यापार देश में बढ़ रहा सोने का आयात, बीते तीन वर्षो ...

नीट का पेपर लीक, परीक्षा रद्द, जांच सीबीआई को: एनटीए ने माना- हम जिम्मेदार

सात मई को मिली थी अनियमितताओं की सूचना, लौटाई जाएगी 23 लाख छात्रों की फीस

एजेंसी ■ नई दिल्ली

पेपर लीक के आरोपों के बीच नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने मंगलवार को NEET (UG) 2026 परीक्षा रद्द कर दी है। यह परीक्षा 3 मई को हुई थी। 22.79 लाख स्टूडेंट्स ने परीक्षा दी थी।

एनटीए डीजी अभिषेक सिंह ने कहा- इस गड़बड़ी के लिए हम जिम्मेदार हैं। परीक्षा दोबारा कराई जाएगी। 6 से 8 दिन में नई तारीख का ऐलान होगा। उधर, केंद्र सरकार ने इस मामले की जांच CBI को सौंप दी है। एजेंसी ने मामले में एफआईआर दर्ज की है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने बताया कि भारत सरकार की मंजूरी मिलने के बाद परीक्षा को रद्द करने का फैसला लिया गया। वहीं शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से

दिल्ली में इस मामले में मीडिया ने सवाल पूछा तो वह बिना कुछ बोले निकल गए।

केरलम से सीकर पहुंचा क्वेश्चन बैंक

NEET का पेपर 'क्वेश्चन बैंक'के जरिए लीक किया गया। इसमें फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के 300 से ज्यादा सवाल थे। ये सभी हाथ से लिखे गए और इनकी हैंडराइटिंग भी एक ही थी। जांच एजेंसी पता लगा रही हैं कि आखिर यह पेपर लीक कहां से हुआ। हालांकि, इसका खुलासा राजस्थान के सीकर से हुआ।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को नीट यूजी परीक्षा से जुड़ी अनियमितताओं की पहली सूचना 7 मई को मिली थी। एनटीए के मुताबिक, उसने प्रश्नपत्रों की सुरक्षा के लिए जीपीएस निगरानी व वॉटरमार्क का इंतजाम किया था। यह परीक्षा 3 मई को आयोजित की गई थी। हालांकि, एनटीए के इंतजामों के बावजूद नीट यूजी परीक्षा के प्रश्न लीक हुए। इसके बाद एनटीए ने जहां एक ओर नीट यूजी परीक्षा रद्द कर दी है, वहीं अब एनटीए छात्रों को पुरानी फीस लौटाएगी। यही नहीं बल्कि दोबारा ली जाने वाली परीक्षा के लिए भी कोई फीस भी नहीं लेगा।

बता दें कि नीट यूजी परीक्षा में करीब 23 लाख छात्र शामिल हुए थे। दरअसल, नीट (यूजी) 2026 की 3 मई को हुई परीक्षा रद्द कर दी गई है और दोबारा परीक्षा कराई जाएगी। दोबारा परीक्षा की नई तारीखें जल्द आधिकारिक रूप से घोषित की जाएंगी।

नीट यूजी पर छात्र संगठनों की नाराजगी

देशभर में 3 मई को आयोजित की गई, मेडिकल की नीट यूजी परीक्षा रद्द कर दी गई है। इसके बाद विभिन्न छात्र संगठन नीट यूजी पेपर लीक व परीक्षा की विश्वसनीयता को लेकर प्रश्न कर रहे हैं।

छात्रों का कहना है कि परीक्षा में इस प्रकार की अनियमितता लाखों छात्रों के लिए बड़ी निराशा बनकर उभरी है। लाखों छात्र बीते पूरे साल से इस परीक्षा की तैयारी में जुटे हुए थे। ऐसे में परीक्षा रद्द होना व प्रश्न लीक होना इन छात्रों व अभिभावकों के लिए मानसिक व आर्थिक रूप से बड़ा झटका है। नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) का कहना है कि उनके निरंतर संघर्ष के बाद सरकार को नीट परीक्षा रद्द करनी पड़ी। लेकिन सिर्फ परीक्षा रद्द कर देने से न्याय पूरा नहीं होगा। जब तक पेपर लीक कराने वाले नेटवर्क, एनटीए की जवाबदेही और इस पूरी मिलीभगत पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक छात्रों की लड़ाई जारी रहेगी।

एलओसी पर घुसपैठ की बड़ी साजिश नाकाम, एक आतंकी ढेर

जम्मू-कश्मीर। पुंछ में भारतीय सेना ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को नाकाम करते हुए एक घुसपैठिए को मार गिराया। सेना ने कृष्णा घाटी सेक्टर में संदिग्ध गतिविधि देखने के बाद यह कार्रवाई की और पूरे इलाके में ऑपरेशनल तत्परता बढ़ा दी है। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के मेंढर के कृष्णा घाटी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास मंगलवार को घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया गया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, एलओसी के पास संदिग्ध गतिविधि देखने के बाद भारतीय सेना के जवानों ने गोलीबारी की। भारतीय सेना के व्हाइट नाइट कोर ने ट्वीट किया कि लगातार निगरानी के आधार पर, आज शाम लगभग 4 बजे नियंत्रण रेखा के पास, पुंछ के कृष्णा घाटी सेक्टर के भीतर लगभग 300 मीटर की दूरी पर संदिग्ध गतिविधि देखी गई।

पाकिस्तान से बातचीत, वीजा सर्विस जारी रखें, खेल और व्यापार भी चलता रहे - दत्तात्रेय होसबाले

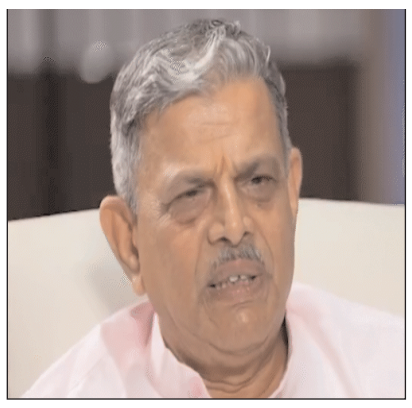

नई दिल्ली। आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने मंगलवार को न्यूज एजेंसी मीडिया को दिए इंटरव्यू में पाकिस्तान, मुस्लिमों और पश्चिम एशिया युद्ध समेत अन्य मुद्दों पर बात की।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि भारत को पाकिस्तान के साथ बातचीत के दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं करने चाहिए। दोनों देशों को एक-दूसरे को वीजा भी देना चाहिए। खेलकूद और व्यापार भी होना चाहिए। लेकिन पुलवामा जैसे हमले का जवाब भी मजबूती से देना होगा।

मीडिया को दिए इंटरव्यू में होसबाले ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच सांस्कृतिक संबंध पुराने हैं और हम एक ही राष्ट्र रहे हैं। राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व पर भरोसा कम होने के कारण पाकिस्तान के खिलाड़ियों, वैज्ञानिकों और सिविल सोसायटी को आगे आना चाहिए।

योग्य महिला करियर बनाना चाहे तो यह क्रूरता या परित्याग नहीं : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया कि एक योग्य महिला का अपने करियर को आगे बढ़ाने, अपने बच्चे के लिए एक स्थिर और सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने का फैसला क्रूरता या परित्याग के रूप में नहीं देखा जा सकता। शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की कि एक महिला दंत चिकित्सक के अपने पेशेवर करियर को आगे बढ़ाने के प्रयास को क्रूरता और परित्याग करार देना फैमली कोर्ट का सामंती दृष्टिकोण है, जो पिछड़ा और अति रूढ़िवादी है।

यह मामला एक अलग रह रहे पति-पत्नी द्वारा दायर की गई याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान सामने आया। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने निचली अदालतों के पिछड़े निष्कर्षों को रद्द करते हुए कहा कि पत्नी की पेशेवर पहचान निहित वैवाहिक वीटो के अधीन नहीं है।

पीठ ने महिला की इस दलील पर भी ध्यान दिया कि वह अब सुलह की कोई उम्मीद नहीं रखती है। इसलिए, अदालत ने निचली अदालतों द्वारा दी गई तलाक की डिक्री को विवाह के टूटने के आधार पर बरकरार रखा, न कि महिला द्वारा क्रूरता या परित्याग के आधार पर।

फैमली कोर्ट की सामंती सोच की आलोचना

सुप्रीम कोर्ट ने फैमली कोर्ट की उस सोच की कड़ी आलोचना की, जिसे गुजरात हाई कोर्ट ने भी बरकरार रखा था। पीठ ने कहा कि 21वीं सदी में भी एक योग्य महिला द्वारा अपने पेशेवर करियर को आगे बढ़ाने और अपने बच्चे के लिए एक सुरक्षित व स्थिर माहौल सुनिश्चित करने के प्रयास को निचली अदालतों द्वारा क्रूरता और परित्याग का कार्य माना गया है।

फैसले में महिला की स्वायत्तता और अधिकार पर जोर

न्यायमूर्ति मेहता ने कहा कि फैमली कोर्ट की टिप्पणियां न केवल कानूनी रूप से अस्थिर हैं बल्कि परेशान करने वाली भी हैं। फैसले में इस बात पर जोर दिया गया कि महिला का अहमदाबाद में अपना डेंटल क्लिनिक स्थापित करने का प्रयास, अपनी अर्जित पेशेवर योग्यता को निष्क्रिय छोड़ने के बजाय, इसलिए अस्वीकार्य नहीं हो सकता क्योंकि यह पति और ससुराल वालों की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं था कि उसे सेना अधिकारी के रूप में पति की तैनाती के कारण दूरस्थ स्थान पर रहना होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि निचली अदालतों की यह सोच पुरानी सामाजिक मान्यताओं पर आधारित प्रतीत होती है कि एक पत्नी की पेशेवर पहचान विवाह में निहित वीटो के अधीन है। अदालत ने स्पष्ट किया कि पत्नी की स्वायत्तता को पति की भौगोलिक और व्यावसायिक मांगों के आगे झुकना नहीं चाहिए।

महाराष्ट्र के सांगली में मंदिर की दीवार ढही, 6 की मौत, 14 घायल

एजेंसी ■ नई दिल्ली

महाराष्ट्र के सांगली में बारिश के कारण मंदिर की दीवार गिरने से बड़ा हादसा हो गया है। इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई है। वहीं 14 लोग घायल बताए जा रहे हैं।

समाचार एजेंसी PTI के मुताबिक, हादसा उस समय हुआ जब इलाके में लगातार तेज बारिश और आंधी का दौर जारी था। अचानक मंदिर की दीवार भरभराकर गिर गई, जिसकी चपेट में कई लोग आ गए।

हादसे के बाद मची अफरा-तफरी

घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और प्रशासन की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

राहत-बचाव कार्य जारी

पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचकर मलबा हटाने के काम में जुटी रहीं। अधिकारियों के मुताबिक लगातार बारिश के कारण दीवार कमजोर हो गई थी, जिसकी वजह से यह हादसा हुआ। फिलहाल प्रशासन पूरे मामले की जांच कर रहा है।

भारत में खुदरा महंगाई दर अप्रैल में 3.48 प्रतिशत रही

आरबीआई ने 2026-27 के लिए देश की खुदरा महंगाई दर 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया

एजेंसी ■ नई दिल्ली।

भारत में खुदरा महंगाई दर अप्रैल में सालाना आधार पर 3.48 प्रतिशत रही है, जो कि मार्च में 3.40 प्रतिशत थी। यह जानकारी सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से मंगलवार को दी गई।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने कहा कि अप्रैल में ग्रामीण क्षेत्र में खुदरा महंगाई दर 3.74 प्रतिशत रही है। वहीं, शहरी क्षेत्र में यह 3.16 प्रतिशत थी।

अप्रैल में खाद्य मंहगाई दर 4.20 प्रतिशत रही है, जो कि मार्च में 3.87 प्रतिशत थी। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य महंगाई दर 4.26 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 4.10 प्रतिशत रही है।

मंत्रालय के मुताबिक, अप्रैल में सालाना आधार पर जिन पांच चीजों के दाम कम हुए हैं, उनमें आलू (-23.69 प्रतिशत), प्याज (-17.67 प्रतिशत), मोटर कार और जीप (-7.12 प्रतिशत), मटर और चना (-6.75 प्रतिशत) और एयर कंडीशनर (-5.06 प्रतिशत) शामिल हैं।

इस दौरान जिन पांच चीजों के दाम में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी दर्ज की गई है, उनमें चांदी की ज्वेलरी (144.34 प्रतिशत), नारियल (44.55 प्रतिशत), सोना/चांदी/प्लेटिनम ज्वेलरी (40.72 प्रतिशत), टमाटर (35.28 प्रतिशत) और फूलगोभी (25.58 प्रतिशत) शामिल हैं।

सरकारी डेटा के मुताबिक, सेगमेंट आधार पर अप्रैल में फूड और बेवरेज (4.01 प्रतिशत), पान तंबाकू और इन्टॉक्सिकेन्ट (4.76 प्रतिशत), कपड़े और जूते (2.80 प्रतिशत), हेल्थ (1.64 प्रतिशत), सूचना और संचार (2.11 प्रतिशत), शैक्षिक सेवाओं (3.15 प्रतिशत) में महंगाई दर रही है।

सरकार ने बताया कि तेलंगाना (5.81 प्रतिशत), आंध्र प्रदेश (4.20 प्रतिशत), तमिलनाडु (4.18 प्रतिशत), कर्नाटक (4.00 प्रतिशत) और राजस्थान (3.77 प्रतिशत) के खुदरा महंगाई में अप्रैल में शीर्ष पर थे।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 2026-27 के लिए देश की खुदरा महंगाई दर 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। इसका कारण रबी की अच्छी फसल से निकट भविष्य में खाद्य आपूर्ति की संभावनाएं बेहतर रहना है।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ??ने कहा, 'वैश्विक ऊर्जा कीमतों में वृद्धि के चलते प्रीमियम पेट्रोल, एलपीजी और औद्योगिक उपयोग के लिए डीजल जैसे कुछ ईंधनों की कीमतों में वृद्धि हुई है। दूसरी ओर, रबी की अच्छी फसल से निकट भविष्य में खाद्य आपूर्ति की संभावनाएं बेहतर हुई हैं, जिससे कुछ राहत मिली है।

सनातन धर्म को खत्म किया जाना चाहिए, यह लोगों को बांटता है -उदयनिधि स्टालिन

एजेंसी ■ चेन्नई

विधानसभा में उदयनिधि की स्पीच के दौरान विजय भी मौजूद थे। हालांकि उन्होंने इस पर कोई रिएक्शन नहीं दिया। तमिलनाडु के पूर्व डिप्टी सीएम उदयनिधि स्टालिन ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि सनातन धर्म को खत्म किया जाना चाहिए। यह लोगों को बांटता है। उन्होंने पहले 2023 में भी सनातन को डेंगू, मलेरिया बताया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मार्च 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाई थी। उदयनिधि ने विजय के शपथ ग्रहण समारोह का मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि तमिलनाडु के पारंपरिक तमिल आह्वान गीत 'तमिल थाई वाझथु' को कार्यक्रम में तीसरे स्थान पर रखा गया, जबकि परंपरा के मुताबिक इसे प्राथमिकता मिलनी चाहिए थी। उदयनिधि ने कहा-

हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। तमिलनाडु में किसी भी सरकारी कार्यक्रम में तमिल थाई वाझथु को पहला स्थान मिलना चाहिए।

राज्य की परंपराओं और अधिकारों की रक्षा को लेकर सतर्क रहना जरूरी है। शासन चलाने में DMK सीनियर बैच है और जरूरत पड़ने पर वह सिखाने के लिए तैयार है।

उदयनिधि स्टालिन
DMK विधायक

दरअसल 10 मई को विजय के शपथ ग्रहण में सबसे पहले वंदे मातरम बजा। फिर जन गण मन बजा। इसके बाद तमिल राज्य गीत बजाया गया था। 2 सितंबर 2023: उदयनिधि ने सनातन धर्म को डेंगू, मलेरिया बताया था उदयनिधि स्टालिन ने 2 सितंबर 2023 को एक कार्यक्रम में सनातन धर्म के खिलाफ बयान दिया था। उदयनिधि ने कहा- सनातन धर्म मच्छर, डेंगू, फीवर, मलेरिया और कोरोना जैसा है, जिनका केवल विरोध नहीं किया जा सकता, बल्कि उन्हें खत्म करना जरूरी होता है। विवाद बढ़ने पर उदयनिधि ने कहा कि मैं हिंदू धर्म नहीं सनातन प्रथा के खिलाफ हूं। तमिलनाडु में पिछले 100 सालों से सनातन धर्म के खिलाफ आवाजें उठ रही हैं। हम अगले 200 सालों तक भी इसके खिलाफ बोलना जारी रखेंगे। अतीत में कई मौकों पर अंबेडकर, पेरियार भी इसके बारे में बोलते रहे हैं।सनातन धर्म के कड़े विरोध के कारण ही महिलाएं घर से बाहर निकल सकीं और सती जैसी सामाजिक कुरीतियां समाप्त हुईं। उन्होंने कहा- वास्तव में, छुआ की स्थापना ही उन सिद्धांतों पर हुई थी जो ऐसी सामाजिक बुराइयों का विरोध करते हैं।

1 जून से लागू हो सकता है भारत-ओमान मुक्त व्यापार समझौता: पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत और ओमान के बीच दिसंबर 2025 में हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) 1 जून 2026 से लागू हो सकता है।

विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार मंत्री ने कहा, 'आज मेरी ओमान की टीम के साथ अच्छी बैठक हुई है और पूरी संभावना है कि ओमान के साथ मुक्त व्यापार समझौता 1 जून 2026 से प्रभावी हो जाएगा।'

ओमान का एक प्रतिनिधिमंडल भारत में व्यापार और निवेश बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करने आया हुआ है। इस एफटीए के लागू होने के बाद भारत के 98 प्रतिशत निर्यात को ओमान में ड्यूटी-फ्री एक्सेस मिलेगा, जिसमें टेक्सटाइल, कृषि उत्पाद और चमड़े से जुड़े सामान शामिल हैं।

इसके बदले भारत ओमान के खजूर, मार्बल और पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर आयात शुल्क कम करेगा।

गोयल ने यहां चिली के विदेश मंत्री के साथ हुई बैठक पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि दोनों देशों की अर्थव्यवस्था के आकार और अवसरों की विविधता के कारण कुछ चुनौतियां मौजूद हैं। उन्होंने कहा, 'हम नए और नवाचार वाले समाधान के जरिए इस अंतर को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। अगर हमें क्रिटिकल मिनरल्स और अन्य महत्वपूर्ण खनन रियायतों को लेकर अच्छा समझौता मिलता है, तो चिली के साथ एफटीए को अंतिम रूप देने की अच्छी संभावना बन सकती है।'

भारत और चिली इस समय 2006 में हुए प्रेफरेंशियल ट्रेड एग्रीमेंट (पीटीए) के दायरे को बढ़ाकर व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) बनाने पर बातचीत कर रहे हैं। इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच सीमित व्यापार को बढ़ावा देना है।

चिली के साथ प्रस्तावित विस्तारित समझौते में डिजिटल सेवाएं, निवेश प्रोत्साहन, एमएसएमई सहयोग और क्रिटिकल मिनरल्स जैसे अतिरिक्त क्षेत्रों को शामिल करने की योजना है।

रिपोर्ट के अनुसार, चिली के पास दुनिया का सबसे बड़ा लिथियम भंडार और विशाल तांबा भंडार है। इससे भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल और सोलर इंडस्ट्री के लिए जरूरी महत्वपूर्ण खनिजों तक पहुंच बनाने में मदद मिल सकती है।

माउंट कार्मेल कॉलेज की आयुषी बनीं विश्व केसरी की साउथ इंडिया हेड

संवाददाता- नई दिल्ली

देश के तेजी से उभरते राष्ट्रीय हिंदी दैनिक विश्व केसरी ने अपने विस्तार अभियान के तहत युवा प्रोफेशनल आयुषी कुमारी को बिजनेस विश्लेषक के पद पर नियुक्त किया है।

आयुषी ने हाल ही में भारत के प्रतिष्ठित माउंट कार्मेल कॉलेज से बी.ए. अर्थशास्त्र (ऑनर्स) की पढ़ाई पूरी की है। मूलत: छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर की निवासी आयुषी अब विश्व केसरी में दक्षिण भारत प्रमुख के रूप में बिजनेस डेस्क की जिम्मेदारी संभालेंगी और उनका कार्यक्षेत्र बेंगलुरु रहेगा।

नई दिल्ली से प्रकाशित विश्व केसरी प्रिंट एवं डिजिटल मीडिया दोनों क्षेत्रों में तेजी से अपनी पहचान बना रहा है।

दिल्ली एवं मध्य भारत में मजबूत उपस्थिति रखने वाला यह राष्ट्रीय दैनिक इस वर्ष रायपुर, मुंबई और बेंगलुरु से भी अपने नए संस्करण शुरू करने की तैयारी में है।

विश्व केसरी वर्तमान में अपने प्रिंट एवं डिजिटल मीडिया विस्तार के लिए अनुभवी पत्रकारों के साथ-साथ मजबूत शैक्षणिक पृष्ठभूमि रखने वाले युवा फ्रेशर्स की भी नियुक्ति कर रहा है। पत्र की आधिकारिक समाचार वेबसाइट विश्वकेसरी.कॉम (vishwakesari.com) पर चौबीसों घंटे ताजा समाचार प्रकाशित किए जाते हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर समाचार वीडियो और विश्लेषण भी यूट्यूब चैनल के माध्यम से रोजाना प्रसारित किए जाते हैं।

विश्व केसरी के पास डिजिटल एवं सोशल मीडिया पेशेवरों की एक मजबूत और अनुभवी टीम है, जो तथ्य-जांच के बाद ही त्वरित एवं विश्वसनीय समाचार पाठकों तक पहुंचाने का कार्य करती है।

हिमाचल प्रदेश में 2023 से 2025 के बीच 86 बादल फटने और 121 अचानक बाढ़ की घटनाएं दर्ज

चंडीगढ़। हिमाचल प्रदेश में 2023 से 2025 के बीच 86 बादल फटने, 234 भूस्खलन और 121 अचानक बाढ़ की घटनाएं हुईं, जिनमें कुल 12,500 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

यह जानकारी यहां हुई एक उच्च स्तरीय बैठक के बाद सामने आई, जिसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने की। बैठक में रेजिलिएंट एक्शन फॉर डेवलपमेंट एंड डिजास्टर रिकवरी, हिमाचल प्रदेश (रेडी-एचपी) की समीक्षा की गई।

मंगलवार को जारी आधिकारिक बयान में मुख्यमंत्री के हवाले से कहा गया कि 'रेडी-एचपी' की कुल लागत 2,687 करोड़ रुपए है। इसे राज्य में आपदा प्रबंधन क्षमता को मजबूत करने और प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल बताया गया है।मुख्यमंत्री ने बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं का जिक्र करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश युवा और नाजुक हिमालयी क्षेत्र में स्थित होने के कारण प्राकृतिक आपदाओं के लिए बहुत संवेदनशील है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि इसका उद्देश्य आपदा से प्रभावित बुनियादी ढांचे जैसे सड़कें, जल आपूर्ति योजनाएं, बिजली व्यवस्था और आजीविका परियोजनाओं को बहाल करना है, साथ ही पूरे राज्य में एक मजबूत और लचीली पुनर्वास प्रणाली विकसित करना है।

उन्होंने कहा कि रेडी-एचपी का लक्ष्य आपदा के बाद मजबूत पुनर्निर्माण को समर्थन देना है। यह परियोजना सार्वजनिक सेवाओं को मजबूत करने, ग्रीन पंचायत जैसी पहलों के माध्यम से रोजगार के अवसर बढ़ाने और जोखिम आधारित सामाजिक सुरक्षा और बीमा व्यवस्था को बेहतर बनाने पर भी ध्यान देगी।

मुख्यमंत्री ने किसानों और बागवानों के लिए मजबूत बुनियादी ढांचा विकसित करने पर जोर दिया, ताकि प्राकृतिक आपदाओं के दौरान उनकी आजीविका सुरक्षित रह सके।

बैठक में मुख्य सचिव संजय गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव (राजस्व) केके. पंत, प्रमुख सचिव (वित्त) देवेश कुमार, सलाहकार (योजना) रविंद्र कुमार, निदेशक (ऊर्जा) राकेश कुमार प्रजापति, निदेशक (ग्रामीण विकास और पंचायती राज) राघव शर्मा, उप परियोजना निदेशक सुरेंद्र माल्टू और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

राजस्थान सीएम ने सरमा को असम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने पर बधाई दी

जयपुर । राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा मंगलवार को गुवाहाटी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में आयोजित असम सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए।

समारोह के दौरान, मुख्यमंत्री शर्मा ने हिमंता बिस्वा सरमा को असम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने पर बधाई दी और नवनियुक्त मंत्रियों को शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में असम की 'डबल इंजन' वाली सरकार समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम करना जारी रखेगी और विकास में नए मानदंड स्थापित करेगी।

अपनी यात्रा के दौरान, मुख्यमंत्री शर्मा ने हिमंता बिस्वा सरमा से मुलाकात की, उन्हें फूलों का गुलदस्ता भेंट किया और असम के मुख्यमंत्री के रूप में पुन: पदभार ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई दी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्रिमंडल के सदस्य, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मंत्री और एनडीए शासित कई राज्यों के जन प्रतिनिधि भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

समारोह के बाद जारी एक बयान में राजस्थान के मुख्यमंत्री ने कहा कि इस ऐतिहासिक अवसर में भाग लेकर उन्हें अत्यंत खुशी और गर्व का अनुभव हुआ।

उन्होंने कहा कि आज गुवाहाटी में आयोजित असम सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेना मेरे लिए अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय रहा।

यह ऐतिहासिक जनादेश जनता के विश्वास और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन के संगठनात्मक नेतृत्व में भाजपा सरकार की जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री शर्मा ने अपने आधिकारिक फेसबुक अकाउंट पर कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा के नेतृत्व में नई सरकार असम के विकास को नई गति प्रदान करेगी और समृद्ध, सुरक्षित और आत्मनिर्भर असम के संकल्प को और मजबूत करेगी। मुख्यमंत्री और संपूर्ण मंत्रिपरिषद को हार्दिक बधाई और उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं।राजस्थान के मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उन्हें विश्वास है कि मुख्यमंत्री सरमा के नेतृत्व में नई सरकार असम के विकास को गति देगी और एक समृद्ध, सुरक्षित और आत्मनिर्भर राज्य के निर्माण के दृष्टिकोण को मजबूत करेगी।उन्होंने असम के संपूर्ण मंत्रिपरिषद को सफल कार्यकाल के लिए बधाई और शुभकामनाएं भी दीं।

मध्य प्रदेश में गेहूं का उत्पादन पहुंचा 365 लाख मीट्रिक टन

भोपाल । मध्य प्रदेश में सिंचाई के साधन बढ़ने के साथ खेती का रकबा बढ़ रहा है तो वहीं उत्पादन में भी इजाफा हो रहा है। इस बार राज्य में 365 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा गेहूं का उत्पादन हुआ है जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है।

गेहूं उत्पादन की बात करें तो मध्य प्रदेश 'गेहूं प्रदेश' बन गया है। देश के कुल गेंहू उत्पादन में मध्य प्रदेश का योगदान 18 प्रतिशत है। इस साल गेंहू उत्पादन 365.11 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गया है। उत्पादकता बढ़कर 3780 किलो प्रति हेक्टेयर हो गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में मध्य प्रदेश के गेहूं की मांग लगातार बनी हुई है। प्राकृतिक मिठास के कारण शरबती और डयूरम गेहूं की मांग जर्मनी, अमेरिका, इटली, यूके, दुबई, साउथ अफ्रीका जैसे देशों में बनी हुई है।

आधिकारिक तौर पर मिली जानकारी के अनुसार, भारत से विदेशों को निर्यात किए जाने वाले गेहूं में मध्य प्रदेश का योगदान 35 से 40 प्रतिशत होता है। प्रदेश के गेहूं को ओमान, यमन, यूएई, साउथ कोरिया, कतर, बांग्लादेश, सउदी अरब, मलेशिया, साउथ अफ्रीका और इंडोनेशिया में पसंद किया जा रहा है।

मध्य प्रदेश का गेहूं ब्रेड, बिस्किट और पास्ता के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है। राज्य में गेहूं उत्पादन की बात करें तो वर्ष 2004-05 में सिर्फ 42 लाख हेक्टेयर में गेहूं होता था, जो आज बढ़कर 96.58 लाख हेक्टेयर हो गया है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव के आग्रह पर गेहूं खरीदी का लक्ष्य 78 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 100 लाख मीट्रिक टन हो गया है। प्रदेश में गेंहू का उपार्जन जारी है। किसानों के लिए उपार्जन केंद्रों में पूरे इंतजाम किए गए हैं। गेहूं उपार्जन 23 मई तक चलेगा। किसानों से 2585 रुपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य एवं राज्य सरकार द्वारा 40 रुपए प्रति क्विंटल बोनस राशि सहित 2625 रुपए प्रति क्विंटल की दर से गेहूं का उपार्जन किया जा रहा है।

बता दें कि मध्य प्रदेश देश का सबसे बड़ा प्रामाणिक बीज उत्पादक राज्य भी है। सहकारी क्षेत्र में बीज उत्पादन में पूरी तरह आत्मनिर्भर हो गया है।

बीज उत्पादन कंपनियों से तीन लाख से ज्यादा किसान जुड़े हैं। ये कंपनियां अब भंडारण विपणन और खाद्य प्रसंस्करण से भी जुड़ रही हैं। फार्मर प्रोड्यूसर कंपनियों को और ज्यादा मजबूत बनाया जा रहा है। इन सभी गतिविधियों से मध्य प्रदेश न केवल गेहूं बल्कि अन्य फसलों के उत्पादन में राष्ट्र में अग्रणी बना हुआ है।

असम सरकार समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए काम करना जारी रखेगी: मंत्री

गुवाहाटी । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अजंता नियोग ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और देश भर के कई मुख्यमंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं की असम की नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थिति भाजपा के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली सरकार को मिले आशीर्वाद और समर्थन को दर्शाती है।

असम में भाजपा के नेतृत्व वाली तीसरी सरकार में मंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए नियोग ने इस दिन को पार्टी और राज्य की जनता के लिए ऐतिहासिक और भावनात्मक बताया।

उन्होंने कहा कि आजादी के लगभग आठ दशकों के बाद, असम के लिए यह गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री मोदी, पार्टी के वरिष्ठ नेता और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली नई सरकार को आशीर्वाद देने के लिए यहां आए। हम सभी बहुत खुश हैं कि कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

हिमंता बिस्वा सरमा की पिछली सरकार में वित्त मंत्री रह चुकीं नियोग, गुवाहाटी के खानापाड़ा में मंगलवार को शपथ ग्रहण करने वाले मंत्रियों में एकमात्र महिला विधायक थीं।

मुख्यमंत्री सरमा के अलावा, केवल चार अन्य मंत्रियों ने शपथ ली। इस समारोह में भाजपा और एनडीए के शीर्ष नेता उपस्थित थे, जिनमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, और एनडीए शासित राज्यों के कई मुख्यमंत्री शामिल थे।

महिलाओं की भागीदारी और सशक्तिकरण पर प्रकाश डालते हुए नियोग ने कहा कि मुख्यमंत्री सरमा के नेतृत्व में असम सरकार ने लगातार महिला-केंद्रित पहलों को मजबूत करने और शासन एवं विकास में महिलाओं के लिए अधिक अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में काम किया है।

बारामूला: नशा विरोधी पदयात्रा में एलजी ने लिया हिस्सा, बोले- ड्रग तस्करों को किसी कीमत पर नहीं छोड़ेंगे

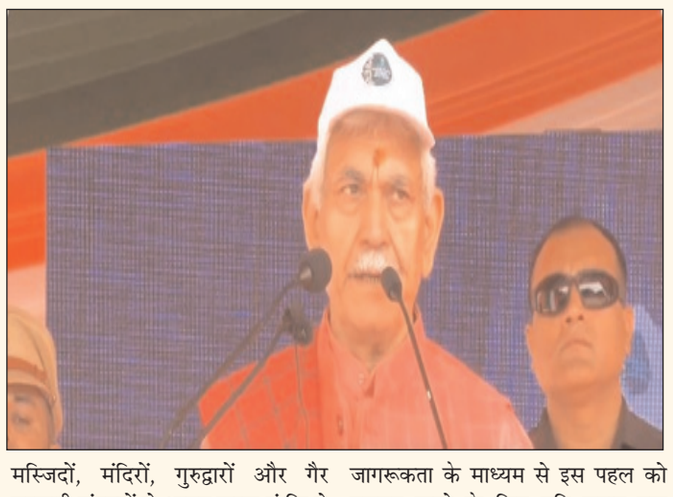

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को बारामूला कस्बे में 'नशा मुक्त जम्मू कश्मीर' अभियान में भाग लिया। उन्होंने नागरिकों से बातचीत की और पदयात्रा में भी हिस्सा लिया।

इस मौके पर एलजी मनोज सिन्हा ने कहा, 'मैं जनता को आश्वस्त करता हूं कि हम ड्रग तस्करों के हर रुपए, हर संपत्ति और हर फर्जी कंपनी का पीछा करेंगे और उन लोगों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाएंगे जो हमारे युवाओं के भविष्य को बर्बाद कर रहे हैं। जनता के समर्थन से प्रेरित यह जन आंदोलन जम्मू-कश्मीर में ऐतिहासिक रिकॉर्ड बना रहा है और किसी भी पिछले सामाजिक अभियान में इतनी व्यापक भागीदारी नहीं देखी गई है।'

उन्होंने 69 दिनों के लिए अभियान के तहत मादक पदार्थों के विरुद्ध सामुदायिक टीकाकरण कार्यक्रम और परिवार सुरक्षा पहल की घोषणा भी की। एलजी सिन्हा ने कहा, 'जिस प्रकार हमने समुदायों को जीवाणुओं या विषाणुओं के विरुद्ध टीकाकरण के लिए प्रशिक्षित किया है, उसी प्रकार हम धार्मिक नेताओं और सामाजिक समूहों के साथ मिलकर प्रत्येक जिले के 5 से 10 उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में मादक पदार्थों के विरुद्ध सामुदायिक टीकाकरण पहल शुरू करेंगे।'

उपराज्यपाल ने कहा, 'मैं विद्यालयों, मस्जिदों, मंदिरों, गुरुद्वारों और गैर सरकारी संगठनों से आग्रह करता हूं कि वे जागरूकता के माध्यम से इस पहल को मजबूत करने के लिए प्रति सप्ताह एक घंटा समर्पित करें। यह एक प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली की तरह काम करते हुए, मादक पदार्थों के जोखिम वाले क्षेत्रों की निगरानी करते हुए उन्हें पूर्णत: नशामुक्त क्षेत्रों में परिवर्तित करके वास्तविक परिणाम देगा।'

उन्होंने आगे कहा कि 'परिवार सुरक्षा पहल' नशे की लत से बचाव के लिए मजबूत पारिवारिक और सामुदायिक संबंधों पर आधारित है।'

उन्होंने कहा, 'अगले 69 दिनों में जम्मू-कश्मीर के हर स्कूल, कॉलेज और पूजा स्थल पर नशे पर साप्ताहिक पारिवारिक संवाद आयोजित किया जाना चाहिए। ये संवाद खुले और ईमानदार होने चाहिए, साथ ही स्थानीय स्तर पर अभियान की समीक्षा भी की जानी चाहिए, ताकि कमियों को पहचाना और दूर किया जा सके। उपराज्यपाल ने कहा कि पिछले 31 दिनों में पूरे जम्मू-कश्मीर में 2,35,000 से अधिक जागरूकता और संपर्क कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। 44,000 से अधिक ओपीडी मरीजों का इलाज किया गया है, लगभग 700 नशीले पदार्थों के तस्करों और विक्रेताओं को गिरफ्तार किया गया है। नशीले पदार्थों की आपूर्ति श्रृंखला के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई है।उन्होंने आगे कहा, 'कार्रवाई में ड्रग कार्टेल के हर वित्तीय लेन-देन को निशाना बनाया गया है और बड़े तस्करों द्वारा ड्रग के पैसों से बनाई गई करोड़ों की संपत्तियां जब्त की गई हैं। जम्मू-कश्मीर डिवीजन में ड्रग तस्करों से जुड़े 300 ड्राइविंग लाइसेंस और 400 से अधिक वाहन पंजीकरण रद्द करने की सिफारिश की गई है।'

उपराज्यपाल ने 'प्रवर्तन एजेंसियों ने भारी मात्रा में ड्रग्स जब्त की हैं। 3,300 से अधिक ड्रग स्टोर का निरीक्षण किया गया और नियमों का उल्लंघन करने पर 150 लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। केंद्र शासित प्रदेश के ड्रग स्टोरों पर अब लगभग 3,000 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। नशीले पदार्थों और मनोरोग पदार्थों की अवैध तस्करी की रोकथाम अधिनियम (पीआईटी-एनडीपीएस अधिनियम) के तहत दो दर्जन से अधिक तस्करों को पकड़ा गया है।

संक्षिप्त खबरें

रायपुर में 'करो या मरो' की जंग

रायपुर । छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में बुधवार को आईपीएल 2026 का 57वां मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स कॉलेज (आरसीबी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच खेला जाएगा। प्लेऑफ़ की दौड़ में बने रहने के लिए केकेआर को इस मैच में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी, जबकि टेबल टॉपर आरसीबी अपनी बादशाहत कायम रखेगी।

रायपुर के क्रिकेट प्रेमियों के लिए यह अंतर्राष्ट्रीय स्तर का साहसिक घर का दृश्य देखने का सबसे बड़ा अवसर है। इस हाई-प्रोफाइल मैच से न केवल छत्तीसगढ़ के पर्यटन और स्थानीय उद्योग को बढ़ावा मिल रहा है, बल्कि राज्य के खेल जगत की वैश्विक पहचान भी मजबूत हो रही है।

रोमांचक मुकाबला: केकेआर के लिए 'करो या मरो' की स्थिति

कोलकाता नाइट राइडर्स ने सीजन की खराब शुरुआत के बाद पिछले चार मैचों में लगातार जीत दर्ज कर शानदार वापसी की है। पिछले मैच में फिन एलन ने 47 गेंदों में 100 बल्लेबाजों के शतक की टीम का स्कोर हासिल किया था। लॉकडाउन में कार्तिक लोक और सुनील नरेन की लोकडाउन आरसीबी के मजबूत बल्लेबाजी क्रम के लिए बड़ी चुनौती।

दूसरी ओर, अंक खिलाड़ियों में शीर्ष पर आरसीबी के पास 11 मैचों में 14 अंक हैं। हालांकि विराट कोहली के पिछले दो मैच खुले नहीं हैं, लेकिन क्रुनाल अनाउंस और देवदत्त पडिक्कल की फॉर्म टीम के लिए राहत की बात है। बायर्न कुमार (21 विकेट) और जोश हेजलवुड की जोड़ी में रायपुर की पिच पर तैयार हैं।

एक्यूवेडर के अनुसार, स्काई सीज़न साफ रहेगा; अधिकतम 42°C और न्यूनतम 26°C रहने का अनुमान है। मैच शाम 7:30 बजे शुरू होगा। केकेआर प्लेऑफ के ड्रीम को संजीवनी देवी जीतें, जबकि हारकर उनका सफर लगभग खत्म हो सकता है। राजपूत की पिच पर स्पिनरों की भूमिका अहम होने की संभावना है।

बंगाल चुनाव के बाद छत्तीसगढ़ में शुरू हुई मिशन 2028 की तैयारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की सियासत में इन दिनों भीषण गर्मी से ज्यादा सियासी पारा चढ़ा हुआ है। इस बीच खबर है कि विष्णुदेव साय सरकार और संगठन में जल्द ही बड़े स्तर पर सर्जरी हो सकती है। रायपुर के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में मंगलवार को ही बैठक में इसी बड़े बदलाव की लॉन्चिंग पैड माना जा रहा है। अंदरखाने खबर उड़ी है कि बंगाल चुनाव के नतीजों के बाद दिल्ली दरबार छत्तीसगढ़ को लेकर कोई बड़ा फैसला सुना सकता है।

रायपुर की बैठक और बड़े चेहरों की मौजूदगी

कहने को तो बीजेपी इसे एक रूटीन मीटिंग बता रही है, लेकिन माजरा कुछ और ही लगता है। इस बैठक में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, पवन साय और खुद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मौजूद रहे। मंगलवार की शाम कोर कमेटी की गुप्त बैठक हुई है। इसके ठीक बाद पदाधिकारियों और कार्यसमिति के सदस्यों के साथ मंथन हुआ। सूत्रों की मानें तो इस बार चर्चा सिर्फ पुरानी समीक्षा की नहीं, बल्कि आने वाले 2028 के रोडमैप और नए चेहरों को फिट करने की है।

क्या बदल जाएंगे डिप्टी सीएम?

सबसे ज्यादा चर्चा डिप्टी सीएम विजय शर्मा और अरुण साव को लेकर है। चर्चा है कि इनमें से किसी एक को दिल्ली बुलाकर राष्ट्रीय संगठन में बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। बीजेपी मैनेजमेंट के माहिर चेहरों को नेशनल टीम में शामिल करना चाहती है। अगर ऐसा हुआ, तो छत्तीसगढ़ को एक 'महिला डिप्टी सीएम' मिल सकती है। इस रेस में लता उसेंडी और रेणुका सिंह का नाम सबसे आगे चल रहा है। पार्टी इस दांव से आदिवासी और महिला वोट बैंक को एक साथ साधने की फिराक में है।

साय कैबिनेट से किसकी होगी छुट्टी?

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की कुर्सी पर कोई खतरा नहीं है, लेकिन उनके मंत्रियों की धड़कनें तेज हैं। परफॉर्मेंस के आधार पर 2 से 4 मंत्रियों की छुट्टी तय मानी जा रही है। बीजेपी अब युवा और आक्रामक चेहरों को मौका देना चाहती है।

इन नए चेहरों पर लग सकती है मुहर

भावना बोहरा- महिला कोटे और युवा चेहरे के तौर पर मजबूत दावेदार। पुरंदर मिश्रा- राजधानी रायपुर और सामाजिक समीकरण के लिहाज से अहम। सुशांत शुक्ला- संगठन में मजबूत पकड़ और आक्रामक छवि। **सरगुजा से महिला चेहरा:** क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने के लिए आदिवासी महिला विधायक की एंट्री संभव।

सिलेंडर ब्लास्ट में एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

दुर्ग। मंगलवार के दो जिलों के कुम्हारी खपरी गांव में स्थित एक मकान में एक ही परिवार के 4 सदस्यों की मौत हो गई, जिसमें तीन बुजुर्गों के साथ एक मासूम भी शामिल है। घटना की सूचना पुलिस और प्रशासनिक कर्मचारियों की टीमों पर बैठक।

घटना के बारे में मिली जानकारी के अनुसार यह मामला कुम्हारी थाना क्षेत्र का है जहां कुम्हारी के खपरी गांव के एक मकान में अचानक गैस विस्फोट के साथ विस्फोट हो गया। विस्फोट का सारांश यह था कि घर में आग तेजी से फैल गई। आग की लपटों ने पूरे मकान को अपनी दुकान में ले लिया। घर के अंदर मौजूद परिवार के सदस्य बाहर निकल नहीं सके और जिंदा जल गए। मृतकों में तीन बड़े और एक करीबी चार साल का बच्चा शामिल है। अनोखे की आवाज में बताया गया है कि क्षेत्र और आग्नेयास्त्रों की कोशिश के आसपास के लोग। लेकिन आग ने विकराल रूप ले लिया था। काफी संकट के बाद घर के अंदर से चार लोगों के शव बरामद हुए।

गैस सिलेंडर विस्फोट में 4 की मौत, स्वास्थ्य मंत्री ने परिजनों से मिलकर जताया

दुर्ग जिले के कुम्हारी स्थित महामाया बस्ती में आज एक दर्दनाक हादसे में गैस सिलेंडर फटने से 4 लोगों की मृत्यु हो गई। इस हृदयविदारक घटना ने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया। घटना की जानकारी मिलते ही छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने तत्काल मृतकों के निवास पर पहुँचकर परिजनों से भेंट की और गहरी संवेदना व्यक्त की। स्वास्थ्य मंत्री ने स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस के साथ मौके पर पहुँचकर घटनास्थल का निरीक्षण भी किया। उन्होंने शोकाकुल परिवारों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। मंत्री जी ने कहा कि यह घटना अत्यंत दुखद है और प्रशासन पीड़ित परिवारों के साथ है। उन्होंने घटना की उचित जाँच कराने एवं प्रभावित परिवारों को शासन की ओर से सहायता दिलाने की बात कही।

सुशासन तिहार शिविर में उमड़ रही लोगों की भीड़

आवास, राशन कार्ड जुड़े आवेदन सबसे ज्यादा

रायपुर। शासन द्वारा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आयोजित किए जा रहे सुशासन तिहार के माध्यम से प्रदेशवासियों की समस्याएं सुनी जा रही हैं। एक मई से शुरू हुए इस अभियान के तहत विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। शिविरों में ऐसी समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया जा रहा है, जिनका समाधान स्थानीय स्तर पर संभव है, जबकि अन्य मामलों को शासन स्तर पर भेजा जा रहा है। अब तक सबसे अधिक आवेदन आवास, राशन कार्ड और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े प्राप्त हुए हैं।

इसी क्रम में मंगलवार को नगर निगम क्षेत्र के चार वार्डों के लिए सरकंडा स्थित पंडित रामदुलारे शासकीय स्कूल में शिविर आयोजित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया और शीघ्र समाधान की मांग की। शिविर में महापौर पूजा विधानी भी शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही सुशासन तिहार का मुख्य उद्देश्य है। इस दौरान हितग्राहियों को राशन कार्ड और सामाजिक सुरक्षा पेंशन स्वीकृति पत्रों का वितरण भी किया गया।

राज्य शासन ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कलेक्टरों को लिखा पत्र

रायपुर। राज्य शासन ने सभी कलेक्टरों को केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा अधिसूचित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 का क्रियान्वयन सभी नगरीय निकायों में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने मंत्रालय से परिपत्र जारी कर कलेक्टरों को स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अन्तर्गत परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए गठित जिला स्तरीय समिति के अध्यक्ष होने के नाते इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा है।

नगरीय प्रशासन विभाग ने कलेक्टरों को अपने जिले के सभी नगर निगमों के आयुक्तों तथा नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों व अन्य संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की वर्तमान स्थिति के सूक्ष्म आकलन के निर्देश दिए हैं। सभी निकायों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सुविधाओं जैसे मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एम.आर.एफ.), कंपोस्टिंग फैसिलिटी, अपशिष्ट प्रसंस्करण एवं पुनर्चक्रण इकाईयाँ, ट्रांसफर स्टेशन, सैनिटरी लैंडफिल तथा लिगेसी वेस्ट डम्प-साइट्स का स्थल निरीक्षण एवं ऑडिट करते हुए उनकी कार्यप्रणाली, तकनीकी और पर्यावरणीय स्थिति के परीक्षण के लिए भी निर्देशित किया गया है।

विभाग ने कलेक्टरों को नगरीय निकायों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन कार्य के लिए स्वीकृत सभी परियोजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए निकायों में क्रियान्वित परियोजनाओं के जियो-टैग्ड फोटोग्राफ्स हर महीने ई-मेल के माध्यम से मंगाकर परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक में जियो-टैग्ड फोटोग्राफ्स का परीक्षण करने को कहा है। इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही बाधाओं का चिन्हांकन कर उनके समयबद्ध निराकरण के निर्देश कलेक्टरों को दिए गए हैं।

फाफाडीह अंडरब्रिज में जलभराव पर विधायक पुरंदर मिश्रा नाराज

समस्या के समाधान को लेकर अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

रायपुर। राजधानी रायपुर में सामने आ रही जलभराव की समस्या को लेकर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक पुरंदर मिश्रा एक्शन मोड में नजर आए। नेशनल हाईवे स्थित डीआरएम ऑफिस के पास फाफाडीह अंडरब्रिज में पिछले कई दिनों से नाले का गंदा पानी भरने और लोगों की आवाजाही प्रभावित होने की शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए विधायक पुरंदर मिश्रा स्वयं मौके पर पहुंचे और पूरे क्षेत्र का निरीक्षण कर हालात का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान सामने आया कि फाफाडीह क्षेत्र के रमन मंदिर छहमुंहा नाले में भारी मात्रा में कचरा और गाद जमा होने से जलनिकासी व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई थी। नालों की सफाई नहीं होने के कारण चुनाभट्टी बस्ती सहित फाफाडीह अंडरब्रिज के आसपास जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई, जिससे आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। मौके पर मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों को विधायक पुरंदर मिश्रा ने तत्काल सफाई अभियान चलाने, नाले की गाद हटाने और जलनिकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि रायपुर की जनता को जलभराव जैसी समस्याओं से राहत दिलाना उनकी प्राथमिकता है और आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि केवल खानापूर्ति नहीं, बल्कि स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए ताकि क्षेत्रवासियों को दोबारा ऐसी स्थिति का सामना न करना पड़े। साथ ही संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी, नालों की नियमित सफाई और जलनिकासी की सतत मॉनिटरिंग के निर्देश भी दिए गए।

विधायक पुरंदर मिश्रा ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान करना ही जनप्रतिनिधि का पहला दायित्व है। उन्होंने कहा कि वे लगातार मैदान में रहकर लोगों की समस्याओं का समाधान कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं और शहर की मूलभूत व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए हर स्तर पर सक्रियता के साथ कार्य किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान रायपुर नगर निगम सभापति सूर्यकांत राठौर, फाफाडीह मंडल अध्यक्ष जितेन्द्र गंडेचा, एमआईसी सदस्य महेन्द्र खोडियार, वार्ड पार्षद खगपति सोनी, पूर्व पार्षद गोपाल सोना सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक एवं वार्डवासी उपस्थित रहे।

रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल द्वारा त्वरित इलाज ने दी खून के सबसे खतरनाक कैंसर को मात

रायपुर। रामकृष्ण केयर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में बीते दिनों ज़िंदगी और मौत के बीच एक बड़ी जंग लड़ी गई। एक 18 साल का युवक बेहद नाजुक हालत में अस्पताल पहुँचा। उसका हीमोग्लोबिन घटकर 3.5 रह गया था, प्लेटलेट्स मात्र 7,000 थे और शरीर के अंदरूनी हिस्सों से गंभीर रक्तस्राव हो रहा था।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उसे तुरंत वेंटिलेटर पर लिया गया। डॉक्टरों ने बिना समय गंवाए इमरजेंसी में ही 'बोन मैरो' जांच की, जिसमें APML (एक्यूट प्रोमायलोसाइटिक ल्यूकेमिया) की पुष्टि हुई। इसे ब्लड कैंसर का सबसे घातक रूप माना जाता है, क्योंकि इसमें मरीज के पास बचने के लिए बहुत कम समय होता है।

इलाज और आधुनिक विज्ञान की जीत

मरीज का इलाज तुरंत आधुनिक और सटीक दवाओं (ATRA और ATO) से शुरू किया गया। उसकी हालत को स्थिर करने के लिए खून और प्लेटलेट्स की भारी जरूरत थी, जिसे टीम ने तत्परता से पूरा किया :- 3 यूनिट सिंगल डोनर प्लेटलेट्स, 4 यूनिट एफ.एफ.पी., 2 यूनिट पी.आर.बी.सी.।

चमत्कारी सुधार का सफर

48 घंटे के भीतर: मरीज को वेंटिलेटर से हटा दिया गया और उसकी स्थिति बिना दवाओं के स्थिर होने लगी।

चौथा दिन: मरीज को आईसीयू (ड्डष्ट) से वार्ड में शि दिया गया।दसवां दिन: मरीज के प्लेटलेट्स खुद बढ़कर 70,000 हो गए और उसे बाहर से खून चढ़ाने की जरूरत बंद हो गई।पंद्रहवां दिन: बोन मैरो की दोबारा जांच की गई, जिसमें कैंसर का कोई अंश नहीं मिला।

एपीएमएल जिसे कभी लाइलाज और जानलेवा माना जाता था, अब सही समय पर इलाज मिलने से 90% से ज्यादा मामलों में पूरी तरह ठीक हो सकता है। हमने सिर्फ बीमारी का इलाज नहीं किया, बल्कि एक 18 साल के युवक को उसका पूरा भविष्य वापस लौटाया है।

— डॉ. रवि जायसवाल
(Oncologist)

डॉ. संदीप दवे ने पूरी मेडिकल टीम को इस सफलता पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि उस मरीज को अपने पैरों पर चलते हुए देखना, जिसने मौत को इतने करीब से देखा हो, हमारे लिए सबसे बड़ी खुशी है।

रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल : हम सिर्फ इलाज नहीं करते, हम ज़िंदगी के लिए लड़ते हैं।

श्री केवट चरित्र कथा जगन्नाथ मंदिर में

रायपुर। शहर के गायत्री नगर स्थित जगन्नाथ मंदिर में आगामी गुरुवार, 14 मई को एक दिवसीय 'श्री केवट चरित्र कथा' का आयोजन किया जा रहा है। कथा में श्रीराम और निषादराज केवट के बीच हुए उस अलौकिक संवाद और भक्ति की पावन कथा का वर्णन किया जाएगा, जिसमें केवट ने प्रभु श्रीराम के चरण पखार कर उन्हें गंगा पार कराई थी।

आयोजक सुरभि जनजागरण सेवा समिति के अध्यक्ष अजय भगत के अनुसार कथा का वाचन पुराण मनीषी परम पूज्य कौशिक महाराज के श्रीमुख से होगा। कार्यक्रम 14 मई गुरुवार को शाम 5 से रात्रि 8 बजे तक जगन्नाथ मंदिर में होगा।

भजन कीर्तन एवं महाआरती

:- समिति के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से बताया कि कथा में केवट के समर्पण, सेवा और भगवान के प्रति निश्छल प्रेम को आज के सामाजिक समरसता के संदर्भ में प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम में भजन-कीर्तन एवं महाआरती भी होगी।

'नर्सिंग सिस्टर' अब कहलाएंगी 'सीनियर नर्सिंग ऑफिसर'

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अंतर्राष्ट्रीय नर्सेस दिवस पर पदनाम परिवर्तन की घोषणा की

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अंतर्राष्ट्रीय नर्सेस दिवस पर राज्य की नर्सों के सम्मान में नर्सिंग संवर्ग के पदनाम परिवर्तन की बड़ी घोषणा की है। इस घोषणा के अनुसार 'नर्सिंग सिस्टर' अब 'सीनियर नर्सिंग ऑफिसर' कहलाएंगी जबकि स्टाफ नर्स का नाम नर्सिंग ऑफिसर होगा।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर में अंतर्राष्ट्रीय नर्सेस दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम के अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने ये घोषणा की है। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नर्सिंग अधिकारी व नर्सिंग छात्र-छात्राओं के साथ अस्पताल के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मरीजों की सेवा में नर्सों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। नर्सें स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ हैं, जो दिन-रात समर्पण भाव से मरीजों की देखभाल कर उन्हें नया जीवन देने का कार्य करती हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सा सेवा में मानवीय संवेदनाओं और सेवा भाव का सबसे बड़ा उदाहरण नर्सिंग स्टाफ प्रस्तुत करता है। उन्होंने कोविड काल में नर्सिंग स्टाफ की सेवाओं को याद करते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी नर्सों ने समर्पण और सेवा भाव के साथ कार्य किया। चिकित्सा सेवा में नर्स माँ के समान होती है। उनका दर्जा माँ के समान उच्च है क्योंकि वे मरीजों की देखभाल परिवार की तरह करती हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। वर्षों से लंबित कई सुविधाओं और व्यवस्थाओं को पूरा किया जा रहा है। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री ने सीनियर नर्सिंग ऑफिसर डॉ. रीना राजपूत, नीलिमा शर्मा, रंजना सिंह ठाकुर, सुमन देवांगन, कोमेश्वरी नवरंगे, प्रगति सतपुते, शीतल सोनी और नमिता डेनियल सहित पूरे नर्सिंग ऑफिसर को बधाई देते हुए उनके कार्यों की सराहना की।

कृषि विश्वविद्यालय का ग्यारहवां दीक्षांत समारोह 15 को

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर का ग्यारहवां दीक्षांत समारोह 15 मई, 2026 को आयोजित किया जाएगा। कृषि महाविद्यालय रायपुर स्थित कृषि मंडपम में प्रात: 11 बजे से आयोजित इस दीक्षांत समारोह में 1 हजार 880 विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की जाएगी। दीक्षांत समारोह राज्यपाल एवं इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति रमेन डेका की अध्यक्षता में आयोजित किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम मौजूद रहेंगे। दीक्षांत समारोह में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के पूर्व निर्देशक डॉ. अशोक कुमार सिंह दीक्षांत भाषण देंगे। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल विद्यार्थियों को दीक्षोपदेश देंगे। दीक्षांत समारोह के दौरान मेधावी विद्यार्थियों को 13 स्वर्ण, 7 रजत एवं 2 कांस्य पदक प्रदान किये जाएंगे। इस दौरान भव्य दीक्षांत शोभायात्रा भी निकाली जाएगी। ग्यारहवें दीक्षांत समारोह में शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में कृषि विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को पदक एवं उपाधियाँ वितरित की जाएँगी। स्नातक कृषि पाठ्यक्रम के 1234 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएँगी। स्नातकोत्तर स्तर पर 518 एवं पी.एचडी. स्तर पर 128 पंजीकृत विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी। दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए अकादमिक परिधान निर्धारित किया गया है। छात्र कोसे रंग अथवा ऑफ वाईट रंग का कुर्ता तथा सफेद पायजामा पहनेंगे, वहीं छात्राएं कोसे रंग या ऑफ वाईट रंग की साड़ी पहनेंगी। दीक्षांत समारोह के अतिथि कोसे रंग का जैकेट पहनेंगे। दीक्षांत समारोह में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, प्रबध मण्डल, विद्या परिषद तथा प्रशासनिक परिषद के सदस्यों सहित विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित समस्त महाविद्यालयों के अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष भी शामिल होंगे।

संक्षिप्त खबरें

बीजापुर में तेंदूपत्ता संग्रहण का आगाज, 5,500 प्रति मानक बोरा की दर से खरीदी शुरू, गुणवत्तापूर्ण पत्तों पर मिलेगा विशेष बोनस

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वनांचल क्षेत्रों में वर्ष 2026 के लिए तेंदूपत्ता संग्रहण का आगाज (शुरुआत) हो चुका है, जो स्थानीय वनवासी और ग्रामीण परिवारों के लिए संग्राहकों के लिए सामाजिक सुरक्षा और प्रोत्साहन का बड़ा अवसरआजीविका का मुख्य जरिया बनता है। पंजीकृत संग्राहक परिवारों को चरण पादुका योजना और बीमा योजना का लाभ मिल रहा है।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में हरा सोना कहे जाने वाले तेंदूपत्ता के संग्रहण का सीजन 2026 आधिकारिक रूप से शुरू हो गया है। जिला यूनियन बीजापुर के अंतर्गत 28 प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों के 582 फड़ों में संग्रहण कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। शासन द्वारा इस वर्ष 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा (5.50 रुपये प्रति गड्डी) की आकर्षक दर निर्धारित की गई है।

संग्राहकों के लिए सामाजिक सुरक्षा और प्रोत्साहन का बड़ा अवसरगुणवत्ता पर विशेष ध्यान, चिकने और साफ पत्तों की अपील

वनोपज सहकारी समितियों ने संग्राहकों से अपील की है कि वे केवल उच्च गुणवत्ता वाले पत्तों का ही संग्रहण करें। चिकने, सपाट, बिना रूंआ वाले और साफ पत्तों की 50-50 की गड्डियां। बहुत छोटे, मोटे, कटे-फटे, कीड़े लगे या दागदार पत्ते स्वीकार नहीं किए जाएंगे। अच्छी गुणवत्ता और अधिक मात्रा में विक्रय करने पर संग्राहकों को पारिश्रमिक के साथ अतिरिक्त बोनस भी दिया जाएगा।

सामाजिक सुरक्षा का सुरक्षा चक्र

500 गड्डी से अधिक संग्रहण करने वाले परिवारों के लिए शासन ने राजमोहिनी देवी तेंदूपत्ता संग्राहक सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत महत्वपूर्ण लाभ सुनिश्चित किए हैं। मुखिया की सामान्य मृत्यु होने पर 2 लाख रूपए और दुर्घटना में मृत्यु होने पर 4 लाख रूपए की सहायता। परिवार के अन्य सदस्य की मृत्यु होने पर 12 हजार रूपए की तत्काल सहायता राशि।

शिक्षा के लिए प्रोत्साहन मेधावी बच्चों को छात्रवृत्ति

तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों के बच्चों के भविष्य को संवारने के लिए शिक्षा प्रोत्साहन योजनाएं भी लागू की गई हैं। 10वीं और 12वीं कक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले एक छात्र और एक छात्रा को विशेष छात्रवृत्ति समिति स्तर पर मेधावी छात्रवृत्ति के रूप में प्रदा की जाती है। उच्च और व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थियों को नियमित छात्रवृत्ति। 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को अलग से शिक्षा प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

बलरामपुर में 4 टीपर जब्त

रायपुर। प्रदेश में खनिजों के अवैध उत्खनन और परिवहन पर रोक लगाने के लिए प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार खनिज विभाग, राजस्व विभाग और स्थानीय प्रशासन की संयुक्त टीमों द्वारा विभिन्न जिलों में औचक निरीक्षण कर अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा रहा है। इसी कड़ी में बलरामपुर जिले के विकासखंड राजपुर अंतर्गत ग्राम धंधापुर क्षेत्र में संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन में संलिप्त 4 टीपर वाहनों को जब्त किया है। कार्रवाई अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम द्वारा की गई।खनिज अधिकारी ने बताया कि औचक निरीक्षण के दौरान ग्राम धंधापुर में बिना वैध अनुमति के रेत का उत्खनन एवं परिवहन किया जा रहा था। जांच में अनियमितता पाए जाने पर टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 4 टीपर वाहनों को जब्त कर बरियों चौकी के सुपुर्द किया। संबंधित प्रकरण में खनिज नियमों के तहत आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध उत्खनन और परिवहन में संलिप्त लोगों के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

अबूझमाड़ में नक्सलियों का छिपाया 1 करोड़ कैश मिला

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ के जंगल में नक्सली डंप से 1 करोड़ कैश मिला है। मंगलवार को अबूझमाड़-महाराष्ट्र बॉर्डर से लगे जंगल में सुरक्षाबलों की टीम सर्च ऑपरेशन पर निकली थी। इस दौरान अलग-अलग इलाकों से बड़ी मात्रा में कैश और नक्सली सामान जमीन पर गढ़ा हुआ मिला, जिसे बरामद किया गया है।

डंप में ड्रुश्वष्ठ बनाने का सामान, हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक सामग्री और दैनिक उपयोग का सामान था। वहीं, कुछ पोस्टर भी मिले हैं, जो नक्सलियों के लीडर के बताए जा रहे हैं। इतनी बड़ी रकम कहां से आई पुलिस इसकी जांच कर रही है।

इतनी बड़ी रकम नक्सलियों तक कैसे पहुंची इसकी जांच की जा रही है। इतनी बड़ी रकम नक्सलियों तक कैसे पहुंची इसकी जांच की जा रही है। डंप में कुछ पोस्टर भी थे, जो नक्सली लीडर के बताए जा रहे हैं। डंप में कुछ पोस्टर भी थे, जो नक्सली लीडर के बताए जा रहे हैं।

जिले में 1 महीने से सर्चिंग अभियान जारी - 'माड़ बचाओ अभियान' के तहत ये कार्रवाई नारायणपुर पुलिस, डीआरजी, एसटीएफ, आईटीबीपी और बीएसएफ की संयुक्त टीम ने की। नारायणपुर स्क्र रोबिनसन गुड़िया ने बताया कि, पिछले एक महीने से जिले में लगातार सर्चिंग और एरिया डोमिनेशन अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान अलग-अलग जगहों पर नक्सलियों के छिपाकर रखे गए हथियार और विस्फोटक सामग्री के डंप का पता चला।

1 साल में 270 हथियार बरामद

एसपी ने बताया कि साल 2025-26 में अब तक जिले में कुल 270 हथियार रिकवर किए जा चुके हैं। पुलिस ने ग्रामीणों से अपील की है कि जंगलों या आसपास किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस और केंद्रीय बलों को दें, ताकि जिले को पूरी तरह नक्सलमुक्त बनाया जा सके।

बिलासपुर के सीपत में गुंडागार्डीः घर में घुसकर प्राणघातक हमला

बिलासपुर । सीपत क्षेत्र में एक मजदूर के घर में डकैती का मामला सामने आया है। घटना के बाद पूरे इलाके में आदिवासियों का दबदबा है। घायल मजदूर की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, क्षेत्र में आयोजित एक हड़ताल के दौरान किसी बात को लेकर विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। उस समय सरपंच की समझ के बाद मामला शांत हो गया था, लेकिन बाबरम ने पुराने विवाद को लेकर देर रात हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि राजकुमार साहूकार ने मजदूरों के घर में घुसकर राजेश पर हमला कर दिया। में राजेश साहू गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनकी हालत खराब हो गई घटना के बाद पीड़ित परिवार ने सीपत थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। वहीं घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया है। लगातार बढ़ रही चाकूबाजी और अस्पतालों की कहानियाँ, जिलों की कानून व्यवस्था पर प्रश्नावली नीचे दी गई हैं।

कोरबा-अमृतसर-बिलासपुर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी-3 कोच की सुविधा

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की बेहतर यात्रा सुविधा और अधिकाधिक यात्रियों को कन्फर्म बर्थ उपलब्ध कराई गई है, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने वाली गाड़ी संख्या 18237/18238 कोरबा-अमृतसर-बिलासपुर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी -3 कोच की सुविधा के रूप में उपलब्ध कराई जा रही है। यह गाड़ी सुविधा संख्या 18237 कोरबा-अमृतसर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस 11 मई से 19 मई तक तथा गाड़ी संख्या 18238 अमृतसर-बिलासपुर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस 13 मई से 21 मई तक उपलब्ध रहेगी। इस सुविधा की दृष्टि से इस गाड़ी में यात्रा करने वाले अधिकाधिक यात्री पर्यटन होंगे।

बालोद में मिट्टी धंसने से 3 मजदूरों की मौत

बालोद के दल्लीराजहरा में सीवरेज प्रोजेक्ट में हादसा

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में मिट्टी धंसने से 3 मजदूरों की दबकर मौत हो गई। मृतकों में 2 पुरुष और एक महिला शामिल है। मंगलवार शाम दल्लीराजहरा में दास पान ठेला चौक के पास यह हादसा हुआ। मजदूर सीवरेज पाइप बिछाने के लिए खुदाई कर रहे थे, तभी अचानक मिट्टी धंस गई और वे 10 फीट गहरे गड्ढे में दब गए।

घटना दल्लीराजहरा क्षेत्र की है। भिलाई स्टील प्लांट (क्र्स्क्) के सीवरेज लाइन प्रोजेक्ट के तहत यह काम हो रहा था। मृतकों की पहचान किशुन कुमार, राकेश कुमार और बैशाखिन के रूप में हुई है। मिट्टी धंसने से मजदूर दब गए। मौके पर ही 3 लोगों की मौत हो गई।

मिट्टी धंसने से मजदूर दब गए। मौके पर ही 3 लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, बीएसपी की सीवरेज लाइन विस्तार प्रोजेक्ट के तहत गहरी खुदाई कर पाइपलाइन बिछाने का काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक मिट्टी भरभराकर ढह गई और गड्ढे के भीतर काम कर रहे मजदूरों को बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिला।

10 फीट गहरे गड्ढे में कर रहे थे काम

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जुट गए। स्थानीय लोगों का आरोप है कि मजदूरों से बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था के 10 फीट गहरे गड्ढे में काम कराया जा रहा था। न तो सुरक्षा बैरिकेडिंग थी और न ही मिट्टी धंसने से बचाव के पर्याप्त इंतजाम किए गए थे।

युवाओं की नहीं हो पा रही शादी, शिकायत पर कार्रवाई नहीं, ग्रामीणों ने चक्काजाम कर दी चेतावनी

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में एक गांव ऐसा है, जहां अवैध शराब बिक्री ने युवाओं के भविष्य पर ताला लगा दिया है। गांव के बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक नशे की चपेट में हैं। हम बात कर रहे हैं कुरूद विकासखंड के ग्राम कल्ले की, जो एक ऐसी समस्या से जूझ रहा है, जिसे सुनकर शासन और प्रशासन दोनों को शर्मसार होना चाहिए।

इस गांव में पिछले 10 सालों से अवैध शराब का धंधा फल फूल रहा है। आलम ये है कि गांव की गलियों में शराब की नदियां बह रही हैं और नशे में धुत लोग सरेआम गाली गलौज और अभद्र व्यवहार करते हैं, लेकिन इस नशे की सबसे बड़ी कीमत गांव के युवक और युवतियां चुका रहे हैं।

कल्ले गांव के माता-पिता की आंखों में चिंता की गहरी लकीरें हैं। वजह ये है कि उनके बच्चों के हाथ पीले नहीं हो पा रहे। जब भी गांव के किसी युवक के लिए रिश्ता लेकर ग्रामीण दूसरे गांव जाते हैं तो सामने से एक ही जवाब मिलता है कि जिस गांव में शराब का तांडव हो वहां हम अपनी बेटी नहीं भेजेंगे। वहीं गांव में लड़के पक्ष के लोग लड़की देखने आते हैं तो लड़के पक्ष के लोग भी यही कहकर लड़की मांगने से साफ इनकार कर देते हैं। स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि लड़कों की उम्र निकलती जा रही है। बदनामी के डर से दूसरे गांव के लोग कल्ले गांव में रिश्ता जोड़ने से कतरा रहे हैं।

शिकायत के बाद भी अब तक नहीं हुई कार्रवाई

बड़ी संख्या में ग्रामीण जिला मुख्यालय पहुंचे और कलेक्टर के दरवाजे पर दस्तक दी। सरपंच, जया संदीप डहरिया, ग्रामीण भागी राम साहू, स्मृति यादव समेत अन्य ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने कई बार शिकायत की, लेकिन पुलिस और आबकारी विभाग ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। ग्रामीणों ने अब आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। ग्रामीणों ने साफ चेतावनी दी है कि अगर इस अवैध शराब के तांडव को नहीं रोका गया तो वे सड़कों पर उतरेंगे, धरना देंगे और चक्काजाम करेंगे। अब सवाल ये उठता है कि क्या प्रशासन अभी भी सोया हुआ है? क्या गांव का भविष्य सिर्फ इसलिए बर्बाद हो जाएगा।

एसपी के पास आवेदन को भेजा जाएगा : अपर कलेक्टर

शादी ब्याह सिर्फ एक रस्म नहीं एक नए जीवन की शुरुआत होती है, लेकिन जब शराब की बोतलें घर बसने से पहले ही रिश्तों को तोड़ दें तो समझ लीजिए कि समाज की नींव खोखली हो रही है।

शव यात्रा प्रदर्शन को लेकर 17 पर एफआईआर

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में गौवंश की हत्या को लेकर युवा कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन अब राजनीतिक विवाद का रूप ले चुका है। शव यात्रा के खिलाफ प्रदर्शन करने के मामले में पुलिस ने भिलाई नेता विधायक यादव, पूर्व नेता गुरु नायडू, युवा कांग्रेस अध्यक्ष प्रांजल तिवारी सहित 17 लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है।

यह प्रकरण भाजपा नेताओं और जिला पंचायत सदस्य अंजू बडैल की लिखित शिकायत के बाद दर्ज किया गया। याचिका में आरोप लगाया गया कि प्रदर्शन के दौरान ब्लास्ट का उल्लंघन किया गया और तोड़फोड़ की कोशिश की गई। इसके बाद पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

क्या था मामला.. ?

असल, बेमेतरा में बड़ी संख्या में गौवंश की मौत का मामला सामने आने के बाद युवा कांग्रेस लगातार सरकार के खिलाफ आंदोलन कर रही है। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि अंधविश्वास और अंधविश्वास के कारण करीब 300 गौवंश की हत्या हुई, लेकिन सरकार ने समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

असली गौवंशों की मौत के मामले में जिला युवा कांग्रेस ने भाजपा के वरिष्ठ नेताओं और गौ सेवा आयोग के प्रदेश अध्यक्ष की शवयात्रा निकाली।

ट्रक संचालकों, सुपरवाइजर एवं ड्राइवरों के लिए सड़क सुरक्षा पर हुई कार्यशाला

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग द्वारा एचआरडी केन्द्र के मुख्य सभागार में ट्रक संचालकों, यूनियन प्रतिनिधियों, सुपरवाइजरों एवं ड्राइवरों के लिए सड़क सुरक्षा विषय पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य संयंत्र परिसर में भारी वाहनों के सुरक्षित एवं अनुशासित संचालन को बढ़ावा देना तथा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के प्रति जागरूकता सुदृढ़ करना था।

कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) देबदत्त सतपथी ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत करते हुए सड़क सुरक्षा को सभी पक्षों की साझा जिम्मेदारी बताया। उन्होंने कहा कि संयंत्र परिसर में 'शून्य सड़क दुर्घटना' का लक्ष्य तभी प्राप्त किया जा सकता है, जब प्रबंधन, वाहन संचालक, सुपरवाइजर एवं यूनियन प्रतिनिधि सामूहिक रूप से सुरक्षा नियमों के पालन के प्रति प्रतिबद्ध हों। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाएं केवल आर्थिक क्षति ही नहीं पहुंचातीं, बल्कि मानव जीवन एवं कार्य संस्कृति पर भी गंभीर प्रभाव डालती हैं।

कार्यशाला में सेवानिवृत्त अधिकारी जीवनलाल ध्रुव, सहायक महाप्रबंधक (सुरक्षा अभियांत्रिकी) अजय टल्लू तथा मुख्य प्रशिक्षक के रूप में सहायक प्रबंधक (सुरक्षा अभियांत्रिकी) अखिल मिश्रा एवं इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग के जूनियर इंजीनियरिंग एसोसिएट अनिल मिश्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात नियमों के पालन तथा भारी वाहन संचालन में सहायक (हेल्पर) की भूमिका पर विस्तृत एवं सार्थक चर्चा की गई।

मुख्य प्रशिक्षक अनिल मिश्रा ने अपने तकनीकी प्रस्तुतीकरण में भारी वाहन संचालन के दौरान ब्लाइंड स्पॉट, ब्लाइंड कॉर्नर, रिवर्सिंग, रात्रिकालीन दृश्यता तथा आपात परिस्थितियों से जुड़े सुरक्षा पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारी वाहनों के सुरक्षित संचालन में हेल्पर की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह रिवर्सिंग के दौरान स्पष्ट संकेत देकर दुर्घटनाओं की संभावना को कम करता है, लोडिंग एवं अनलोडिंग के समय सुरक्षा मानकों की निगरानी करता है तथा सड़क एवं कार्यस्थल पर संभावित खतरों के प्रति चालक को सतर्क करता है।

कार्यक्रम में उपस्थित ट्रक यूनियन के कार्यकारी अध्यक्ष श्री अनिल चौधरी ने सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग की इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु सभी संबंधित पक्षों के बीच समन्वय एवं संवाद आवश्यक है। उन्होंने संयंत्र परिसर में ट्रक संचालन के दौरान आने वाली व्यावहारिक समस्याओं पर भी अपने विचार साझा किए तथा पारस्परिक सहयोग के साथ समाधान की आवश्यकता पर बल दिया।

सुबह काटा तरबूज दोपहर में खाया, रात में चिकन, बच्चे की मौत, 3 बीमार

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में तरबूज और चिकन खाने के बाद 4 बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। इलाज के दौरान एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि 3 बच्चों का अस्पताल में डॉक्टरों की निगरानी में इलाज चल रहा है।

सिविल सर्जन डॉ. कुजूर ने बताया कि, सुबह का कटा हुआ तरबूज काफी देर बाद खाने की वजह से बच्चों को संक्रमण हुआ है। फूड पॉइजनिंग की वजह से बच्चों की हालत बिगड़ी है। घटना सिटी कोतवाली थाना इलाके के ग्राम घुरकोट की है।

जांजगीर जिला अस्पताल में बीमार बच्चे का इलाज चल रहा है। जांजगीर जिला अस्पताल में बीमार बच्चे का इलाज चल रहा है। बीमार तीनों बच्चों की फिलहाल हालत स्थिर है। जानकारी के मुताबिक, एक ही परिवार के पोड़ी दलहा निवासी अखिलेश धीवर (15), अवरीद निवासी श्री धीवर (4), खटोला निवासी पिंटू धीवर (12) और कोटगढ़ निवासी हितेश धीवर (13) अपने परिजनों के साथ घुरकोट आए थे। मामा के घर शादी होने के बाद तीन-चार दिन से रुके हुए थे। रविवार (10 मई) की सुबह तरबूज काटकर रखे थे। जिसे दोपहर के समय चारों ने बच्चों ने खाया। इसके बाद शाम को उन्होंने घर का बना चिकन भी खाया। शाम को अचानक सभी की तबीयत बिगड़ने लगी। अखिलेश धीवर की हालत खराब होने लगी। उसे लगातार उल्टी-दस्त, पेट दर्द और सांस लेने में तकलीफ हुई, जिसके बाद वह बेहोश हो गया। परिजनों ने गांव के ही झोलाछाप डॉक्टर से इलाज करवाकर घर ले गए। सोमवार सुबह उसकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई।

संपादकीय

मौन : अंदर की आवाज को सुनने की चाबी

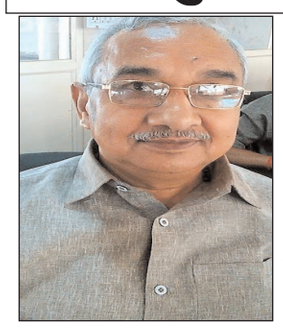

वीरेंद्र बहादुर सिंह

आज का युग अत्यधिक जुड़ाव और निरंतर संवाद का युग है। सुबह आंख खुलने से लेकर रात को सोने तक मनुष्य शब्दों, सूचनाओं, मोबाइल नोटिफिकेशनों और विचारों की निरंतर बौछार के बीच जी रहा है। ऐसे समय में सबसे बड़ी विडंबना यह है कि मनुष्य ने बोलना तो सीख लिया, परंतु शांत रहना भूल गया। जबकि सत्य यह है कि संसार की सबसे गहरी शक्ति शब्दों में नहीं, बल्कि मौन में छिपी होती है।

मौन केवल चुप रहने का नाम नहीं है। यह एक ऐसी आंतरिक अवस्था है, जिसमें शांति, ऊर्जा, आत्मचिंतन और आत्मबोध का अनुभव होता है। दो शब्दों के बीच की खाली जगह जिस प्रकार शब्दों को अर्थ देती है, उसी प्रकार जीवन की भागदौड़ के बीच का मौन जीवन को गहराई और सार्थकता प्रदान करता है।

भारतीय अध्यात्म में मौन का महत्व

भारतीय संस्कृति और अध्यात्म में मौन को अत्यंत पवित्र माना गया है। यहां मौन को केवल वाणी रोक देने तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि इसे आत्ममनन और साधना का माध्यम माना गया है। जो मनन करता है वह 'मुनि' कहलाता है और जो मौन को साध लेता है, वह भीतर से शक्तिशाली बन जाता है।

श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण 'वाङ्मय तप' की चर्चा करते हैं। सत्य, प्रिय और हितकारी वचन बोलना भी तप माना गया है, किंतु मौन उससे भी श्रेष्ठ अवस्था है। भगवान शिव के 'दक्षिणामूर्ति' स्वरूप में वे बिना बोले अपने शिष्यों के प्रश्नों का समाधान करते हैं। यह इस बात का प्रतीक है कि गहरे सत्य शब्दों से नहीं, बल्कि मौन से प्रकट होते हैं।

योगशास्त्र में मौन को 'प्रत्याहार' की प्रक्रिया का महत्वपूर्ण अंग माना गया है। जब व्यक्ति बाहरी संसार से संवाद कम करता है, तब भीतर का संवाद आरंभ होता है। बौद्ध परंपरा, ध्यान और विपश्यना साधना में भी मौन को मन की शुद्धि का माध्यम माना गया है। मौन मन की बिखरी हुई ऊर्जा को बचाकर उसे स्मृति, एकाग्रता और आत्मबोध की दिशा में केंद्रित करता है।

विज्ञान भी मानता है मौन की शक्ति

आधुनिक विज्ञान ने भी अब मौन के महत्व को स्वीकार किया है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि मौन केवल ध्वनि की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि मस्तिष्क के लिए एक प्रकार का 'रीसेट बटन' है। वर्ष 2013 में न्यूरोप्लास्टिसिटी पर हुए एक अध्ययन में पाया गया कि प्रतिदिन कुछ समय मौन में रहने से मस्तिष्क के हिप्पोकैम्पस क्षेत्र में नई कोशिकाओं का विकास होता है। यही भाग स्मरण शक्ति और सीखने की क्षमता से जुड़ा होता है।

लगातार शोर और सूचनाओं का दबाव तनाव, बेचैनी और उच्च रक्तचाप को बढ़ाता है, जबकि कुछ मिनटों का मौन भी शरीर में तनाव हार्मोन 'कोर्टिसोल' के स्तर को कम कर मन को शांत करता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, जब मनुष्य कुछ समय बिना बोले और बिना किसी बाहरी व्यवधान के शांत रहता है, तब मस्तिष्क का 'डिफाल्ट मोड नेटवर्क' सक्रिय होता है, जो रचनात्मकता और आत्मविश्लेषण के लिए जिम्मेदार माना जाता है।

मौन और मानसिक स्वास्थ्य

मनोविज्ञान के अनुसार मौन केवल बाहरी शोर से दूर जाना नहीं, बल्कि भीतर के शोर को भी शांत करना है। मन लगातार विचारों, चिंताओं और कल्पनाओं में उलझा रहता है। ऐसे में मौन मन को विश्राम देता है और व्यक्ति को स्वयं के करीब ले जाता है।

ध्यान में भी मौन सबसे महत्वपूर्ण साधन माना गया है। जब व्यक्ति मौन में बैठता है, तब वह अपनी सांसों, विचारों और भावनाओं को अधिक स्पष्ट रूप से महसूस कर पाता है। यही प्रक्रिया आत्मज्ञान और मानसिक संतुलन की ओर ले जाती है।

आज सोशल मीडिया और डिजिटल सूचनाओं के इस दौर में मनुष्य दुनिया से तो जुड़ गया है, लेकिन स्वयं से दूर होता जा रहा है। ऐसे समय में मौन मनुष्य को अपने भीतर लौटने का अवसर देता है। यही कारण है कि मनोवैज्ञानिक मौन को 'नेचुरल थेरेपी' भी मानते हैं।

जीवन में मौन को कैसे अपनाएं

मौन को जीवन का हिस्सा बनाना कठिन नहीं है। प्रतिदिन कुछ समय बिना मोबाइल, बिना बातचीत और बिना किसी व्यवधान के स्वयं के साथ बिताना एक अच्छी शुरुआत हो सकती है।

प्रतिदिन 10 से 15 मिनट मौन में बैठें। प्रकृति के बीच समय बिताएं। ध्यान और श्वास अभ्यास करें। अनावश्यक बोलने से बचें। दिन में कुछ समय डिजिटल उपकरणों से दूरी बनाएं।

ये छोटी-छोटी आदतें व्यक्ति के भीतर गहरा परिवर्तन ला सकती हैं। मौन कोई खालीपन नहीं है। यह वह अवस्था है, जिसमें शांति, जीवन और असीम शक्ति निवास करती है। धर्म हमें मौन की ओर ले जाता है और विज्ञान इसके मानसिक एवं शारीरिक लाभों को प्रमाणित करता है।

सड़कों पर दम तोड़ती गायें दूध निकाल कर कचरे में मुंह मारने छोड़ रहे लालची मालिक

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत के लगभग हर छोटे-बड़े शहर की एक भयावह तस्वीर अब आम होती जा रही है—कूड़े के ढेर में भोजन तलाशती गायें, प्लास्टिक निगलते बछड़े, सड़कों पर भटकते पशु और गंदगी से जूझती आबादी। एक तरफ समाज गाय को 'माता' कहकर पूजता है, दूसरी तरफ वही गायें भूख, बीमारी और लापरवाही के कारण सड़कों पर दम तोड़ रही हैं। यह केवल सफाई व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संवेदनहीनता और दोहरे चरित्र का जीवंत प्रमाण है।

आज देश के अधिकांश शहरों में सुबह का दृश्य लगभग एक जैसा होता है। दूध निकालने के बाद पशुपालक अपनी गायों को खुला छोड़ देते हैं। ये पशु फिर गलियों, बाजारों और कूड़े के ढेरों में भोजन तलाशते घूमते रहते हैं। सड़ी सब्जियाँ, प्लास्टिक की थैलियाँ, मेडिकल वेस्ट और जहरीला कचरा इनके पेट में जाता है। धीरे-धीरे यही जहर उनकी मौत का कारण बनता है। कई बार ऑपरेशन में गायों के पेट से कई किलो प्लास्टिक निकलता है, लेकिन समाज की संवेदनाएँ फिर भी नहीं जागतीं।

सबसे बड़ा सवाल उन पशुपालकों से है जो पशु को केवल 'दूध देने वाली मशीन' समझते हैं। जब तक गाय से कमाई होती है, तब तक उसकी पूजा होती है, लेकिन जैसे ही वह सड़कों पर छोड़ दी जाती है, उसकी जिम्मेदारी खत्म मान ली जाती है। यह लालच और अमानवीयता का सबसे कुरूप चेहरा है। जिस पशु से घर चलता है, बच्चों की फीस भरती है और परिवार की आय बनती है, उसी को कचरे में मुंह मारने के लिए छोड़ देना किस संस्कृति और किस धर्म का हिस्सा है?

विडंबना यह है कि गाय के नाम पर देश में सबसे ज्यादा भावनाएँ भड़काई जाती हैं। राजनीति से लेकर धार्मिक मंचों तक 'गौ माता' का जयकारा लगाया जाता है। सोशल मीडिया पर लोग गाय को रोटी खिलाते हुए वीडियो डालते हैं और खुद को बड़ा पशु प्रेमी साबित करते हैं। लेकिन यदि सच में गाय के प्रति प्रेम और सम्मान होता, तो शहरों की सड़कों पर कोई गाय भूखी, घायल या प्लास्टिक खाते दिखाई नहीं देती।

आज हालात इतने खराब हो चुके हैं कि शहरों में आवारा पशु केवल अपनी जान ही नहीं गंवा रहे, बल्कि आम लोगों की जान के लिए भी खतरा बनते जा रहे हैं। सड़क दुर्घटनाओं में हर साल हजारों लोग घायल होते हैं। रात के अंधेरे में अचानक सामने आए पशु कई बार जानलेवा हादसों का कारण बनते हैं। लेकिन न प्रशासन गंभीर दिखता है और न समाज।

नगर निगम और स्थानीय प्रशासन समय-समय पर अभियान चलाने की बातें करते हैं, लेकिन समस्या जड़ से कभी हल नहीं होती। कुछ पशु पकड़कर गौशालाओं में भेज दिए जाते हैं, कुछ दिनों तक कार्रवाई दिखाई जाती है और फिर सब पहले जैसा हो जाता है। असल समस्या यह है कि पशुपालकों की जवाबदेही तय ही नहीं की जाती। यदि कोई व्यक्ति अपने पशु को सड़क पर छोड़ता है, तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई क्यों नहीं होती?

यह संकट केवल पशुओं तक सीमित नहीं है। शहरों में फैला कचरा और गंदगी अब सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा बन चुकी है। खुले कूड़े के ढेर मच्छरों, मक्खियों और संक्रमण का घर बनते जा रहे हैं। बारिश में यही कचरा नालियाँ जाम करता है और जलभराव के साथ बीमारियों का संकट पैदा करता है। लेकिन हम सफाई को अब भी केवल सरकारी जिम्मेदारी मानकर अपने कर्तव्यों से बच निकलना चाहते हैं।

भारत 'स्मार्ट सिटी' और आधुनिक विकास के बड़े-बड़े दावे करता है। चमकती सड़कें, बड़े मॉल और ऊँची इमारतें विकास का प्रतीक बन गई हैं। लेकिन असली विकास वह होता है जहाँ इंसान और पशु दोनों सम्मान और सुरक्षा के साथ जी सकें। जिस शहर में गायें कूड़े में भोजन तलाशती हों और लोग उस दृश्य को सामान्य मानकर गुजर जाएँ, वहाँ विकास केवल दिखावा है।

हमारी सबसे बड़ी समस्या यह है कि हमने संवेदनशीलता को प्रदर्शन में बदल दिया है। कैमरे के सामने दया दिखाना आसान है, लेकिन व्यवस्था बदलने की मांग करना कठिन। लोग मंदिरों में दान देते हैं, धार्मिक यात्राएँ करते हैं, गाय के नाम पर बहस करते हैं, लेकिन अपने आसपास फैली गंदगी और पशुओं की बदहाली पर चुप रहते हैं। राजनीति भी इस मुद्दे पर केवल भावनात्मक लाभ उठाती रही है। चुनावों में गाय और धर्म के नाम पर भाषण दिए जाते हैं, लेकिन सड़कों पर मरती गायों के लिए ठोस नीति कहीं दिखाई नहीं देती। गौशालाओं के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च होने के दावे होते हैं, फिर भी शहरों में बेसहारा पशुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। आखिर यह पैसा कहाँ जा रहा है? जवाबदेही कौन तय करेगा?

सबसे दुखद बात यह है कि बच्चों की पीढ़ी अब इस अमानवीय दृश्य की आदी होती जा रही है। रोज़ सड़क पर घायल पशु, कूड़े में भोजन तलाशती गायें और गंदगी का माहौल देखकर संवेदनाएँ धीरे-धीरे मरने लगती हैं। एक समाज जो अपने पशुओं तक के प्रति दयालु नहीं रह पाता, वह इंसानों के प्रति भी लंबे समय तक मानवीय नहीं रह सकता।

समाधान स्पष्ट है, बस इच्छाशक्ति की जरूरत है। सबसे पहले पशुपालकों की जिम्मेदारी तय करनी होगी। हर पशु का पंजीकरण अनिवार्य हो और पशु को सड़क पर छोड़ने पर भारी जुर्माना लगाया जाए। नगर निकायों को आधुनिक कचरा प्रबंधन प्रणाली लागू करनी चाहिए। प्लास्टिक के खुले उपयोग और कचरे के गलत निस्तारण पर सख्ती जरूरी है। गौशालाओं की वास्तविक स्थिति का पारदर्शी ऑडिट होना चाहिए।

साथ ही समाज को भी अपने व्यवहार में बदलाव लाना होगा। सड़क पर कचरा फेंकना, प्लास्टिक खुले में छोड़ना और हर समस्या के लिए केवल सरकार को दोष देना आसान रास्ता है। शहर नागरिक अनुशासन और सामूहिक जिम्मेदारी से बदलते हैं।आज सड़कों पर फैला कचरा और उसमें भोजन तलाशती गायें केवल बदइंतजामी का दृश्य नहीं हैं। यह हमारे समाज के नैतिक पतन का आईना हैं। गायों के नाम पर शोर बहुत है, लेकिन उनकी वास्तविक पीड़ा पर खामोशी उससे भी बड़ी है। जब तक यह दोहरी मानसिकता खत्म नहीं होगी, तब तक न शहर सच में स्वच्छ होंगे, न पशु सुरक्षित होंगे और न ही हमारा समाज संवेदनशील कहलाने योग्य बचेगा।

श्रद्धांजलि

'हिन्दी चेतना' के प्राणपुरुष थे श्याम त्रिपाठी

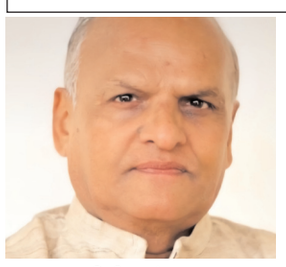

गिरीश पंकज

कनाडा में रहने वाले परम हिंदी सेवी और हिंदी चेतना जैसी साहित्यिक पत्रिका के प्रधान संपादक श्याम त्रिपाठी जी (10 मई 2026 को) नहीं रहे. वह 88 वर्ष के थे.उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुरेखा त्रिपाठी ने नोएडा निवासी साहित्यकार और हिंदी चेतना के वर्तमान संपादक रामेश्वर कांबोज हिमांशु

को यह हृदयविदारक सूचना दी. नि:संदेह हम सबके लिए यह शोक-संतप्त करने वाला क्षण है। 'हिमांशु' जी को मैंने फ़ौरन फोन लगाया. उन्होंने बताया कि 'हिन्दी चेतना' कनाडा की वह पत्रिका रही, जो 28 वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। यह विदेश से निरन्तर प्रकाशित होने वाली सबसे अग्रणी त्रैमासिक पत्रिका है, जिसके अब तक 110 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। हिन्दी की पूरे विश्व में ध्वजा फहराने वाले आदरणीय अग्रज का अभाव हिन्दी-जगत् की सबसे बड़ी क्षति है। त्रिपाठी जी के निधन का संदेश जब मिला, तो सच कहूँ, मैं हिल गया.पीड़ा हुई. विदेश से निकलने वाली 'हिंदी चेतना' ने साहित्य जगत में अपनी विशेष पहचान बना ली थी. मेरा परम सौभाग्य रहा कि सन 2007 में जब न्यूयार्क में विश्व हिंदी सम्मेलन हुआ था, तो तीन दिन लगातार त्रिपाठी जी से भेंट होती रही. हिंदी साहित्य और हिंदी के भविष्य को लेकर कुछ न कुछ बातें भी होती रहीं. फिर स्वदेश लौटने के बाद ईमेल के जरिए उनके साथ विचारों का आदान-प्रदान होता रहा. उन्होंने बड़े प्रेम के साथ मेरी अनेक रचनाएँ प्रकाशित की. एक बार तो हिमांशु जी के कहने पर मुझे व्यंग्य विशेषांक का अतिथि संपादक भी बनाया था.उसका कुछ मानदेय भी भेज दिया था. अपनी अस्वस्थता के चलते उन्होंने गत वर्ष रामेश्वर कांबोज जी को संपादन का दायित्व दे दिया था. रामेश्वर जी कुछ वर्षों से निरंतर उन्हें संपादकीय सलाह दे रहे थे. विदेश में रहते हुए साहित्यिक पत्रकारिता की ज्योति जलाए रखने वाले त्रिपाठी जी का जाना साहित्यिक पत्रकारिता जगत की एक अपूर्ण क्षति है.

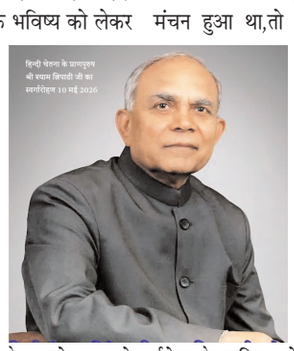

हिन्दी प्रचार और प्रसार के हेतु उन्होंने अनेक विराट कवि सम्मेलनों का आयोजन करवाया. रामेश्वर काम्बोज हिमांशु जी के सौजन्य से दो साल पहले जब कनाडा में मेरे एक व्यंग्य नाटक का मंचन हुआ था,तो त्रिपाठी जी काफी प्रसन्न हुए थे. ई मेल कर मुझे बधाई दी थी. जब मुझे उत्तर प्रदेश सरकार ने ढाई लाख रकी राशि वाला 'साहित्य भूषण' सम्मान प्रदान किया था,तब उन्होंने ईमेल के जरिए मुझे हार्दिक बधाई दी थी. उन्होंने लिखा, 'बहुत सारी बधाई आपको. ईश्वर आपको यश प्रदान करे.श्याम ' .जब मैंने हिंदी चेतना के व्यंग्य विशेषांक का अतिथि संपादन करके उन्हें मैटर भेजा तो फिर उनका ईमेल आया, 'गिरीश जी, गर्व है आप पर! जो अपने वचन के पक्के हैं. रघुकुल रीत सदा चली आई , प्राण जाए पर वचन न जाई.' नव वर्ष पर भी उनका संदेश मिला था, ' पंकज जी नमस्कार,नया वर्ष आप सभी के लिए खुशियों का संसार लेकर आये. सभी स्वस्थ और सुखी रहें.' मेरे प्रति उनके मन में अपार स्नेह का भाव था. एक दशक पहले जब पहली बार मैंने उन्हें अपना व्यंग्य भेजा, तो उनका स्नेहिल ई मेल मिला कि ''आप के व्यंग्य का स्वागत है । आप जैसे सच्चे साहित्यकारों के कारण ही यह विधा जीवित है । आपकी शुभकामनाओं के लिए हृदय से धन्यवाद । आप को भी सपरिवार नववर्ष सुख और शांतिमय हो और आप व्यंग्य को हिमालय की एवरेस्ट पर पहुंचा दें-श्याम.' उनकी तमाम शुभकामनाएं अब मेरी धरोहर हैं.

त्रिपाठी जी की पत्रिका 'हिंदी चेतना' से मैं पूर्व परिचित था. उनके लेखन को भी मैं जानता था. मुझे जब यह भी पता चला था कि वह विश्व हिंदी सम्मेलन में भाग लेने आए हुए हैं तो मैं उनकी तलाश करने लगा. और उनसे भेंट हो ही गई. विश्व हिंदी सम्मेलन के दौरान उनसे जो आत्मीय रिश्ता कायम हुआ।

प्रेरक प्रसंग

मन की शांति चाहिए तो भक्ति निस्वार्थ भाव से ही करनी चाहिए

पूजा करते समय अधिकतर लोग भगवान से सुख-सुविधाओं से जुड़ी पाने की कामना करते हैं। पूजा के बदले भगवान से कुछ न कुछ मांगा जाता है। इस तरह की भक्ति करने के बाद जब मनोकामनाएं पूरी नहीं होती हैं तो मन अशांत हो जाता है। मन की शांति चाहिए तो भक्ति निस्वार्थ भाव से ही करनी चाहिए। ये बात एक लोक कथा से समझ सकते हैं।

एक प्रचलित लोक कथा के अनुसार पुराने समय में एक राजा ने अपने राज्य में घोषणा कर दी कि अगले दिन जो भी व्यक्ति मेरे महल की जिस चीज पर हाथ रख देगा, वह उस की हो जाएगी।

राजा की घोषणा सुनकर प्रजा खुश थी। सभी राजा की अलग-अलग कीमती चीजों को पाना चाहते थे। अगले दिन जैसे ही सुबह हुई राजा के महल में प्रजा की भीड़ लग गई। कुछ लोग सोने-चांदी के बर्तन लेने की कोशिश कर रहे थे, तो कुछ लोग हीरे-मोती के आभूषण लेने लगे।

राजा दूर अपने सिंहासन पर बैठकर ये नजारा देख रहे थे। उनकी प्रजा महल की चीजों को पाने के लिए दौड़भाग कर रही थी। तभी एक व्यक्ति राजा की ओर बढ़ रह था। वह राजा के पास पहुंचा और उसने राजा पर हाथ रख दिया। अब राजा उस व्यक्ति का हो गया यानी राजा की सारी चीजों का मालिक वह बन गया।

राजा ने पूरी प्रजा को समान अवसर दिया था, लेकिन सिर्फ एक व्यक्ति विद्वान था, जिसने राजा को ही अपना बना लिया।

व्यंग्य केसरी

हारे नेता का दर्द न जाने कोय

सतीश उपाध्याय

चुनाव में पराजित प्रत्याशी की स्थिति बड़ी विचित्र किस्म की होती है। कल तक जो व्यक्ति 'भावी मुख्यमंत्री' या 'क्षेत्र का भाग्यविधाता' बना घूम रहा था, वह परिणाम आते ही अचानक 'पूर्व प्रत्याशी' के उस मलबे में तब्दील हो जाता है, जिसे लोग अब पहचानते तक नहीं। जो भी उसे देखता है तो यही कहता है, 'बेचारा हार गया. सोचता था जीतने के बाद फूलों का हार पहन लूंगा लेकिन अब केवल 'हार' पहनकर घूम रिया है. '.

?चुनाव परिणाम आने के बाद पराजित प्रत्याशी की हालत उस फटे हुए गुब्बारे जैसी होती है, जिसे कोई बच्चा भी अब हवा भरने लायक नहीं समझता। कल तक जो समर्थक 'भैया संघर्ष करो, हम तुम्हारे साथ हैं' के नारे लगाकर मुफ्त की चाय और समोसे डकार रहे थे, वे अब विजयी प्रत्याशी के घर की तरफ मालाएं लेकर दौड़ चुके होते हैं।

पराजित व्यक्ति कभी नहीं मानता कि जनता ने उसे नकारा है। उसका सीधा तर्क होता है—'ईवीएम (EVM) में गड़बड़ी थी!' उसे लगता है कि उसकी लोकप्रियता तो 'सूर्य' की तरह चमक रही थी, बस विरोधियों ने लोकतंत्र के इस सूर्य को 'हैकिंग' के राहु से ग्रसित कर दिया। अगर ईवीएम ठीक होती, तो उसके घर के बाहर आज जश्न हो रहा होता, न कि मोहल्ले के आवारा कुत्तों की सभा।

हारने के बाद प्रत्याशी अचानक दार्शनिक हो जाता है। वह सोफे पर पसर कर अपने बचे-खुचे चार वफादारों से कहता है, 'दरअसल, जनता अभी विकास को समझने के लिए तैयार नहीं है। मैंने तो उन्हें स्वर्ग का नक्शा दिखाया था, पर उन्हें तो वही पुरानी नाली और खड़ंजा ही पसंद आया। मेरी गलती यही थी कि मैं समय से बहुत आगे की सोच रहा था।'

हार का सबसे बड़ा दर्द 'दिल' में नहीं, 'जेब' में होता है। वह हिसाब लगाने बैठता है कि कितने क्विंटल लड्डू खिलाए, कितनी गाड़ियां दौड़ाईं और कितने 'पैकेट' रात के अंधेरे में बांटे। उसे अफ़सोस इस बात का नहीं होता कि वह हार गया, बल्कि दुख इस बात का होता है कि जिन लोगों ने 'पनीर' खाया, उन्होंने वोट पड़ोसी के 'पत्ते' पर दे दिया।

कुछ 'परम मित्र' सांत्वना देने आते हैं और जले पर नमक छिड़कते हुए कहते हैं— 'अरे भाई साहब, आप तो बस पाँच हजार वोटों से ही तो हारे हैं, अगली बार पक्का जीतेंगे।' अब प्रत्याशी को कौन समझाए कि ये वोट नहीं, बल्कि झापड़ हैं, जो जनता ने बड़े प्यार से उसकी महत्वाकांक्षा पर जड़े हैं।

चुनाव में पराजित व्यक्ति दरअसल लोकतंत्र का वह 'कचरा' है जिसे व्यवस्था री-सायकल करने के लिए फिर से पांच साल के लिए 'वेटिंग लिस्ट' में डाल देती है। वह फिर से सफेद कुर्ता सिलवाता है और अगले पांच साल तक इसी उम्मीद में जीता है कि अगली बार जनता की 'बुद्धि' फिर से भ्रष्ट होगी और वह 'माननीय' बन जाएगा।

इतिहास

12 मई का इतिहास नर्सिंग दिवस और वैश्विक आपदाओं से भरा है। आज का प्रमुख दिन अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस (फ्लोरेंस नाइटिंगेल का जन्मदिन) है। 2008 में चीन के सिचुआन में भयानक भूकंप आया था, जिसमें लगभग 90,000 लोगों की जान गई थी।आज के इतिहास की मुख्य घटनाएं (12 मई):1846: आधुनिक नर्सिंग की संस्थापक फ्लोरेंस नाइटिंगेल का जन्म।1857: भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों (सिपाहियों) ने दिल्ली पर कब्जा किया।1949: सोवियत संघ ने बर्लिन की नाकाबंदी समाप्त की। 1960: इज़रायली एजेंटों ने अर्जेंटीना में एडॉल्फ आइचमन को पकड़ा। 2008: चीन में सिचुआन भूकंप में लगभग 90,000 लोगों की मौत। 2015: फिलाडेल्फिया में ट्रेन पटरी से उतरने से 8 लोगों की मौत। 2022: म्यांमार में मोन्तांग पिन नरसंहार में सेना ने 37 ग्रामीणों को मार डाला।

देश में बढ़ रहा सोने का आयात, बीते तीन वर्षों में दोगुना हुआ

नई दिल्ली। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से देश के नागरिकों से अगले एक वर्ष गैर-जरूरी सोना न खरीदने की अपील की गई है। इसके पीछे की एक वजह सोने का आयात बिल लगातार बढ़ना है, जिसका भुगतान बहुमूल्य विदेशी मुद्रा किया जा रहा है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत का सोने का आयात बीते तीन वर्षों में बढ़कर दोगुना से अधिक हो गया है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 71.98 अरब डॉलर के सोने का आयात किया था, वित्त वर्ष 2022-23 में यह आंकड़ा 35 अरब डॉलर था।

वहीं, भारत ने वित्त वर्ष 2023-24 में 58 अरब डॉलर और वित्त वर्ष 2023-24 में 45.54 अरब डॉलर के सोने का आयात किया था।

भारत के आयात बिल में सोना, कच्चे तेल के बाद दूसरा सबसे बड़ा कंपोनेंट था। वित्त वर्ष 26 में भारत का आयात बिल 775 अरब डॉलर का था। इसमें से देश ने सोने पर करीब 72 अरब डॉलर खर्च किए थे।

सोने के बढ़ते आयात के कारण देश के चालू खाते घाटे (सीएडी) भी लगातार बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के मुताबिक, 2026 में इसके 84 अरब डॉलर पर रहने का अनुमान है, जो कि जीडीपी का 2 प्रतिशत होगा।

ऐसे में अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद लोग सोने की खरीद को कम करते हैं तो इससे सीएडी पर दबाव कम हो सकता है।

साथ ही रुपए के अवमूल्य में कमी आ सकती है।

रविवार को सिकंदराबाद में रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने नागरिकों से अगले एक वर्ष तक गैर-जरूरी सोने की खरीदारी से बचने की अपील की थी, जिससे भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कम हो सके।

उन्होंने कहा, 'वर्तमान परिस्थितियों में, विदेशी मुद्रा बचाना देश के लिए महत्वपूर्ण हो गया है।'

आयातित ईंधन पर भारत की निर्भरता का जिक्र करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने ईंधन की बचत, अनावश्यक खर्चों में कटौती और भारत में बनने वाली चीजों की खपत को प्राथमिकता देने जैसे उपायों को आवश्यक बताया। साथ ही उन्होंने गैर-जरूरी सोने की खरीद को एक साल तक टालने की अपील की।

आरबीआई ने मुंबई के सर्वोदय को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस किया रद्द, खराब वित्तीय स्थिति के चलते लिया फैसला

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मुंबई स्थित सर्वोदय को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड का बैंकिंग लाइसेंस रद्द कर दिया है। केंद्रीय बैंक ने मंगलवार को बताया कि यह कार्रवाई बैंक की कमजोर वित्तीय स्थिति, पर्याप्त पूंजी की कमी और भविष्य में कमाई की खराब संभावनाओं को देखते हुए की है। यह फैसला 12 मई को कारोबार बंद होने के बाद से प्रभावी हो गया।

आरबीआई ने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि बैंक बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट के नियमों का पालन करने में विफल रहा और मौजूदा स्थिति में उसका संचालन जारी रखना जमाकर्ताओं के हित में नहीं था। लाइसेंस रद्द होने के बाद बैंक को तुरंत प्रभाव से सभी बैंकिंग सेवाएं बंद करने का निर्देश दिया गया है, जिसमें जमा स्वीकार करना और ग्राहकों को पैसे लौटाना भी शामिल है।

आरबीआई ने महाराष्ट्र के सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार को बैंक को बंद करने की प्रक्रिया शुरू करने और एक लिक्विडेटर नियुक्त करने का निर्देश दिया है। लिक्विडेटर बैंक की संपत्तियों और देनदारियों का निपटान करेगा।

केंद्रीय बैंक के अनुसार, मौजूदा वित्तीय स्थिति में बैंक अपने जमाकर्ताओं का पूरा पैसा लौटाने की स्थिति में नहीं है। हालांकि, जिन खाताधारकों की जमा राशि 5 लाख रुपए तक है, उनका पैसा डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉर्पोरेशन (डीआईसीजीसी) के तहत वापस मिलेगा। आरबीआई ने बताया कि बैंक के लगभग 98.36 प्रतिशत जमाकर्ता ऐसे हैं, जिन्हें डीआईसीजीसी के जरिए उनकी पूरी जमा राशि वापस मिल जाएगी।

31 मार्च 2026 तक डीआईसीजीसी बैंक के ग्राहकों को बीमित जमा राशि के रूप में करीब 26.72 करोड़ रुपए का भुगतान पहले ही कर चुका है।

हाल के वर्षों में आरबीआई वित्तीय रूप से कमजोर शहरी सहकारी बैंकों पर लगातार सख्ती बढ़ा रहा है। केंद्रीय बैंक का फोकस जमाकर्ताओं के हितों की सुरक्षा और बैंकों में बेहतर प्रशासन सुनिश्चित करने पर है। इससे पहले, अप्रैल में केंद्रीय बैंक ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड का लाइसेंस रद्द कर दिया था। आरबीआई ने कहा था कि बैंक ने अपने लाइसेंस से संबंधित जरूरी नियमों का पालन नहीं किया।

वैश्विक तेल संकट के बीच भारत के इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल ने मचाई धूम, बायोफ्यूल रणनीति की दुनिया भर में चर्चा: रिपोर्ट

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट संकट के चलते वैश्विक सप्लाई में आई रुकावट और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच एथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल तेजी से भविष्य के टिकाऊ ईंधन के रूप में उभर रहा है। 'द टाइम्स कुवैत' की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत इस क्षेत्र में दुनिया की सबसे सफल और सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली बायोफ्यूल कहानियों में शामिल हो गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की लंबी अवधि की एथेनॉल ब्लेंडिंग रणनीति का बड़ा फायदा मिला है। इससे दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था भारत को होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने से पैदा हुए तेल सप्लाई संकट के असर को कम करने में मदद मिली है, जिसने वैश्विक बाजारों को प्रभावित किया है।

रिपोर्ट में बताया गया कि भारत ने 2003 में केवल 5 प्रतिशत एथेनॉल ब्लेंडिंग लक्ष्य से शुरुआत की थी। इसके बाद देश ने बायोफ्यूल की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए और अब पेट्रोल में लगभग 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण हासिल कर लिया है, वह भी तय समय से पहले। अब भारत ई85 पेट्रोल यानी 85 प्रतिशत एथेनॉल वाले ईंधन और मल्टीपल एथेनॉल मिश्रण पर चलने वाले फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों के लिए ई100 ईंधन की तैयारी कर रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, 2014 तक भारत में औसत एथेनॉल ब्लेंडिंग स्तर केवल 1.53 प्रतिशत था। हालांकि, लगातार सरकारी समर्थन, डिस्टिलरी क्षमता में निवेश और लंबी अवधि की योजना ने आज के तेज विस्तार की मजबूत नींव तैयार की।

रिपोर्ट में कहा गया कि इस अभियान का सबसे बड़ा मोड़ 2018 में आया, जब राष्ट्रीय बायोफ्यूल नीति लागू की गई। इससे कार्यक्रम का दायरा काफी बढ़ गया।

इसके तहत एथेनॉल उत्पादन को केवल गन्ने के शीरे तक सीमित न रखकर खराब खाद्यान्न, अतिरिक्त चावल, मक्का और कृषि अवशेषों तक बढ़ाया गया। इससे पानी की अधिक खपत करने वाले गन्ने पर निर्भरता कम हुई और उत्तर एवं मध्य भारत के अनाज उत्पादक क्षेत्रों को भी एथेनॉल अर्थव्यवस्था से जोड़ा गया।

रिपोर्ट में कहा गया कि जो पहल शुरुआत में केवल कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए पर्यावरणीय अभियान के रूप में शुरू हुई थी, वह अब ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक मजबूती और ग्रामीण विकास की व्यापक राष्ट्रीय रणनीति बन चुकी है।

मौजूदा सरकार गरीबों, किसानों और उद्योगों के हित में काम कर रही है: मनसुख मांडविया

मुंबई । केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को कहा कि सरकार की आर्थिक विकास नीति गरीबों, किसानों, उद्योगों और श्रमिकों के हितों में संतुलन बनाने पर केंद्रित है।

उन्होंने कहा कि भारत के दीर्घकालिक विकास के लिए उद्योग और श्रमिकों का साथ-साथ आगे बढ़ना बेहद जरूरी है।

'सीआईआई एनुअल बिजनेस समिट 2026' में आयोजित 'नेक्स्ट-जनरेशन लेबर रिफॉर्म्स' विषय पर विशेष सत्र को संबोधित करते हुए मांडविया ने कहा कि सरकार ऐसा विकास मॉडल तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो उद्योगों के अनुकूल होने के साथ-साथ श्रमिकों के हितों का भी ध्यान रखे।

उन्होंने कहा, 'हमारी सरकार गरीबों और किसानों के हित में काम करने वाली सरकार है, लेकिन यह उद्योगों के अनुकूल भी है।'

मंत्री ने आगे कहा, 'जरूरी है कि हम उद्योग समर्थक और श्रमिक समर्थक दोनों सोच के साथ आगे बढ़ें। उद्योग और श्रमिकों को एक-दूसरे से जुड़कर साझा भविष्य की ओर बढ़ना होगा।'

केंद्रीय मंत्री मांडविया ने आगे कहा कि देश में टिकाऊ आर्थिक विकास तभी संभव है, जब उद्योगों की प्रगति और श्रमिकों का विकास साथ-साथ हो।

सम्मेलन के दौरान भारत की कार्यशक्ति की बदलती भूमिका और 'विकसित भारत' के लक्ष्य पर भी चर्चा हुई।

एक अन्य सत्र में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि भारत के कामकाजी वर्ग की बढ़ती खरीद क्षमता घरेलू मांग और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के विकास में बड़ी भूमिका निभा सकती है।

उन्होंने कहा, 'भारतीय कामकाजी वर्ग की बेहतर होती खरीद क्षमता घरेलू खपत को बढ़ाएगी, जिससे मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को मजबूती मिलेगी और भारत विकसित व आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा।'

सम्मेलन में उद्योग जगत के नेताओं ने कहा कि बदलते वैश्विक माहौल में भारत को आर्थिक बदलाव के अगले चरण के लिए तैयार रहना होगा।

मध्य पूर्व में जारी तनाव के चलते बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार; सेंसेक्स 1,456 अंक टूटा

मुंबई । पश्चिम एशिया में जारी तनावों के बीच नकारात्मक वैश्विक संकेतों के चलते लगातार दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट देखने को मिली और प्रमुख बेंचमार्क निफ्टी 50 और सेंसेक्स करीब 2 प्रतिशत तक गिर गए।

इस दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,456.04 अंकों यानी 1.92 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74,559.24 पर बंद हुआ, तो वहीं एनएसई निफ्टी50 436.30 अंक (1.83 प्रतिशत) गिरकर 23,379.55 पर पहुंच गया।

दिन के दौरान सेंसेक्स 79 पर खुलकर 1,450 अंकों से ज्यादा यानी करीब 2 प्रतिशत गिरकर 74,449.50 के दिन के निचले स्तर पर आ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 23,722.60 पर खुलकर दिन के दौरान करीब 2 प्रतिशत गिरकर 23,348.40 के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया।

व्यापक बाजारों का प्रदर्शन प्रमुख बेंचमार्कों से ज्यादा खराब रहा। निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 3.17 प्रतिशत तो निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 2.54 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

सेक्टरवार देखें तो निफ्टी आईटी और निफ्टी रियल्टी में सबसे ज्यादा 3-4 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी मीडिया का प्रदर्शन भी खराब रहा, जिनमें 2 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली। वहीं, निफ्टी मेटल और निफ्टी ऑयल एंड गैस का प्रदर्शन अन्य सेक्टर्स से बेहतर रहा।

निफ्टी 50 पैक में सिर्फ 4 शेयर, जिनमें ओएनजीसी में सबसे ज्यादा 4.70 प्रतिशत, हिंडाल्कों में 1.86 प्रतिशत, एसबीआई में 0.26 प्रतिशत और भारती एयरटेल में 0.17 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, ही हरे निशान में बंद हुए। बाकी सभी शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। टॉप लूजर्स की लिस्ट में श्रीराम फाइनेंस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, टीसीएस और टाइटन के शेयर शामिल रहे, जिनमें 3 से 4 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई।

इस दौरान, बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के 467.5 लाख करोड़ रुपए से घटकर 456.3 लाख करोड़ रुपए हो गया, जिससे निवेशकों को करीब 11.2 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

बाजार में यह गिरावट अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान, जिसमें उन्होंने कहा कि ईरान के साथ एक महीने से चल रहा युद्धविराम 'बहुत नाजुक स्थिति' में है, क्योंकि ईरान ने एक 'अस्वीकार्य' प्रस्ताव पेश किया है, के चलते आई। साथ ही एक रिपोर्ट के अनुसार, युद्धविराम की स्थिति अभी भी कमजोर है, जिसके चलते निवेशकों के बीच जोखिम की भावना में भी गिरावट आई है और बाजार में बिकवाली हावी रही। विशेषज्ञों का कहना है कि ऊंची तेल कीमतें और डॉलर की मजबूती आने वाले समय में वैश्विक महंगाई को बढ़ा सकती हैं।

सीएसआईआर ने 13 स्वदेशी प्रौद्योगिकियों को उद्योगों को ट्रांसफर किया : केंद्र

नई दिल्ली। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद के रुड़की स्थित केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान ((सीएसआईआर-सीबीआरआई) ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर आयोजित एक समारोह में उद्योगों और स्टार्टअप्स को 13 स्वदेशी प्रौद्योगिकियां हस्तांतरित कीं। यह जानकारी मंगलवार को जारी आधिकारिक बयान में दी गई।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के बयान में कहा कि हस्तांतरित प्रौद्योगिकियों में अग्नि सुरक्षा, टिकाऊ निर्माण, अवसंरचना संरक्षण, ऊर्जा दक्षता और उन्नत निर्माण सामग्री शामिल हैं।

हस्तांतरित की गई प्रमुख प्रौद्योगिकियों में लकड़ी और लकड़ी के विकल्प की सतहों के लिए अग्निरोधी पारदर्शी इंट्यूमेसेंट कोटिंग; आरसीसी संरचनाओं के संरक्षण के लिए आईपीएन कोटिंग तकनीक; कम कार्बन फुटप्रिंट वाली ईंट निर्माण तकनीक; हाइब्रिड सौर-सहायता प्राप्त हीट पंप प्रणाली और दीवार संरक्षण के लिए पूर्वनिर्मित उच्च-शक्ति स्टील कॉर्ड सुदृढ़ीकरण तकनीक शामिल हैं।

सीएसआईआर-सीबीआरआई के निदेशक प्रोफेसर कुमार ने कहा कि ये हस्तांतरण भारत के अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र की बढ़ती ताकत को दर्शाते हैं और आत्मनिर्भर भारत, सतत अवसंरचना और प्रौद्योगिकी-आधारित विकास के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाएंगे। मंत्रालय ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान 'सीएसआईआर स्मार्ट विलेज इनिशिएटिव' पर एक वीडियो और सीएसआईआर-सीबीआरआई की वार्षिक रिपोर्ट 2025-26 भी जारी की गई, जिसमें ग्रामीण विकास और सतत प्रौद्योगिकियों में सीएसआईआर के योगदान को दर्शाया गया है। सीएसआईआर की महानिदेशक और डीएसआईआर की सचिव डॉ. एन. कलैसेल्वी ने कहा कि विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी-आधारित विकास भारत के एक विकसित राष्ट्र बनने की यात्रा में प्रमुख चालक के रूप में उभर रहे हैं। कलाइसेल्वी ने कहा कि सीएसआईआर प्रयोगशालाओं द्वारा विकसित स्वदेशी प्रौद्योगिकियों का उद्योगों को हस्तांतरण राष्ट्रीय नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत कर रहा है ।

हॉर्मुज स्ट्रेट के खुलने के बाद भी 100 डॉलर की रेंज में रह सकता है कच्चा तेल : रिपोर्ट

नई दिल्ली। कच्चे तेल की कीमत आने वाले समय में 100 डॉलर प्रति बैरल की निचली रेंज में रह सकती है। इसकी वजह पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण आपूर्ति श्रृंखला में रुकावटें आना है। यह जानकारी जेपी मॉर्गन द्वारा जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

निवेश बैंक ने कहा कि आने वाले हफ्तों में हॉर्मुज स्ट्रेट के खुलने के बाद भी बाकी बचे वर्ष में कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल की निचली रेंज में रह सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, शिपिंग, ??रिफाइनरी संचालन और टैंकरों की उपलब्धता में व्यवधान से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं पर दबाव बना रहने की संभावना है, जिससे कीमतों में तेज सुधार नहीं हो पाएगा।

वैश्विक ब्रोकरेज फर्म ने अनुमान लगाया है कि 2026 में ब्रेंट क्रूड की औसत कीमत लगभग 97 डॉलर प्रति बैरल रह सकती है, जिससे संकेत मिलता है कि ऊर्जा बाजारों को मध्यम अवधि में आपूर्ति की कमी का सामना करना पड़ सकता है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि केवल हॉर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने से बाजार में तुरंत स्थिरता नहीं आएगी। इसकी कच्चे तेल के परिवहन नेटवर्क में लॉजिस्टिक्स संबंधी चुनौतियां कई महीनों तक बनी रहने की संभावना है। अमेरिका-ईरान संघर्ष जारी रहने से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी है। मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड करीब एक प्रतिशत बढ़कर 105 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर कारोबार कर रहा था।

यह उछाल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा वाशिंगटन के शांति प्रस्ताव पर ईरान की प्रतिक्रिया की आलोचना करने के बाद आया, जिससे क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक तेल प्रवाह पर इसके प्रभाव को लेकर नई चिंताएं पैदा हुईं। वहीं, वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड एक प्रतिशत की मजबूती के साथ 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच गया है। इसके अलावा, रिपोर्टों के मुताबिक, अप्रैल में ओपेक द्वारा कच्चे तेल का उत्पादन 830,000 बैरल प्रति दिन घटकर 20.04 मिलियन बैरल प्रति दिन हो गया।

कश्मीरी लाल जाकिर : बंटवारे के दर्द और पीड़ा को शब्दों में समेटने वाले कलमकार

नई दिल्ली। कश्मीर की पीड़ा, बंटवारे के घाव और समाज की असमानताओं को अपनी कलम के जरिए बयां करने वाले साहित्यकार थे कश्मीरी लाल जाकिर। शायर से लेखक बने जाकिर साहब ने अपनी रचनाओं में सिर्फ कहानियों को ही शामिल नहीं किया, बल्कि उस दौर की सामाजिक, राजनीतिक और मानवीय पीड़ा को भी दर्ज किया जो आज भी पाठकों को सोचने पर मजबूर करती है।

कश्मीरी लाल जाकिर का जन्म 7 अप्रैल 1919 को पश्चिमी पंजाब के बेगाबनियान गांव में हुआ था, जो आज पाकिस्तान में है। बंटवारे की विभीषिका को करीब से देखने वाले जाकिर साहब की शुरुआती शिक्षा पुंछ और श्रीनगर में हुई। बाद में उन्होंने पंजाब यूनिवर्सिटी से बीए और एमए की डिग्री हासिल की। उन्होंने लेखन को अपना जीवन समर्पित कर दिया।

उनकी लेखनी में समाज सुधार की गहरी चेतना थी। उन्होंने प्रौढ़ शिक्षा, मजदूरों की शिक्षा, पर्यावरण और जनसंख्या नियंत्रण जैसे विषयों पर लगभग 80 किताबें लिखीं। उनकी प्रमुख रचनाओं में 'खजुराहो की एक रात', 'हथेली पर सूरज', 'अंगूठे का निशान', 'उदास शाम के आखिरी लम्हें' और 'जाकिर की तीन कहानियां' शामिल हैं। उन्होंने कहानियों और नाटकों के अलावा शायरी से भी अपनी शुरुआत की थी।बंटवारे के बाद कश्मीर में हुई हिंसा और घाटी की दर्दनाक स्थिति ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया। उन्होंने अपनी कई रचनाओं में इस दर्द को समेटा। 'जब कश्मीर जल रहा था', 'खून फिर खून है' और 'एक लड़की भटकी हुई' जैसी कहानियां उसी पीड़ा की अभिव्यक्ति हैं। उनकी लेखनी में सामाजिक मुद्दों जैसे दहेज प्रथा, बंधुआ मजदूरी, महिला सशक्तीकरण और राष्ट्रीय एकता पर भी गहरी चिंता दिखती है।

देश के लिए अक्सर कलम के जरिए योगदान देने वाले जाकिर साहब अक्सर कहा करते थे कि अगर वे लेखक न बनते तो देश सेवा के लिए सेना में भर्ती हो जाते।

जाकिर साहब ने सिर्फ लिखा नहीं, बल्कि समाज के लिए काम भी किया। वह हरियाणा उर्दू अकादमी के सचिव रहे और भारत सरकार के कई कार्यक्रमों से जुड़े रहे। उन्होंने चंडीगढ़ की एक झुग्गी बस्ती को गोद लेकर प्रौढ़ शिक्षा का अभियान चलाया। बेरोजगार युवाओं को करियर गाइडेंस और आत्मनिर्भर बनाने में मदद की। वह 'श्रमिक विद्यापीठ' के अध्यक्ष भी रहे, जहां से उन्होंने युवाओं को रोजगार संबंधी सहायता प्रदान की।

साहित्यिक और सामाजिक सेवाओं के लिए उन्हें कई सम्मान मिले। 1986 में उन्हें गालिब सम्मान, 1991 में राष्ट्रीय नेहरू शिक्षा सम्मान और 2006 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से नवाजा। हरियाणा सरकार ने भी उन्हें सम्मान दिया। उनकी कई किताबें हिंदी, उर्दू और अंग्रेजी के अलावा विदेशी भाषाओं में भी अनुवादित हुईं।

दिल की धड़कन कैंसर के खिलाफ बनती है 'सुरक्षा कवच', स्टडी में चौंकाने वाला खुलासा

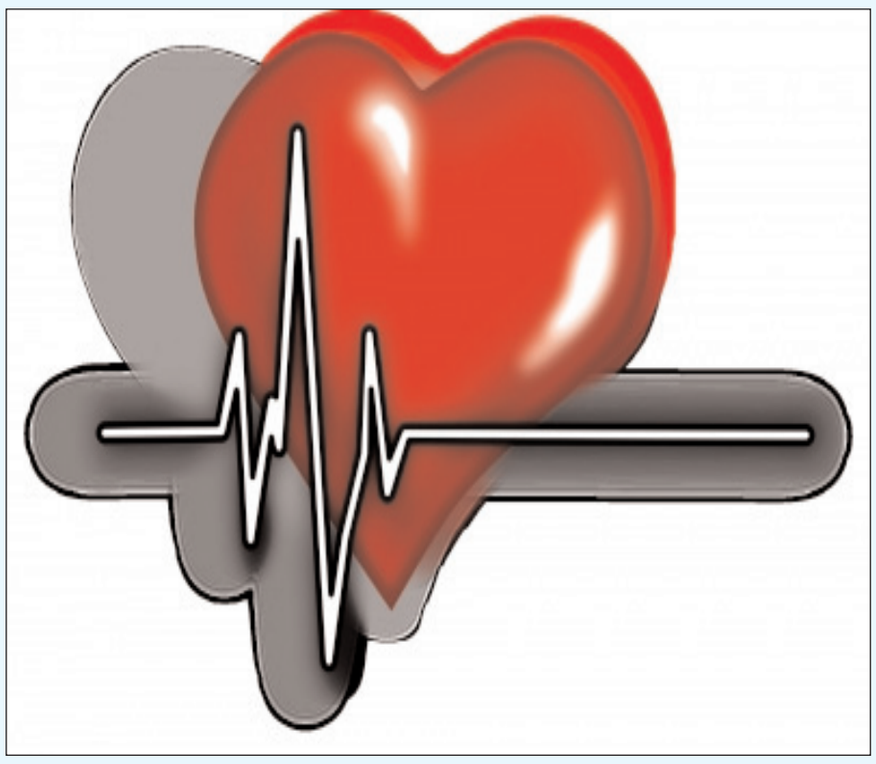

नई दिल्ली। शरीर के विभिन्न अंगों में कैंसर प्रकोप की खबरें हम आए दिन पढ़ते सुनते हैं लेकिन दिल के कैंसर को लेकर चर्चा कम होती है। ऐसा आखिर क्यों? एक नवीनतम अध्ययन ने इस पर रोशनी डाली है। जिससे सवाल उठता है कि क्या दिल की लगातार धड़कन ही उसे कैंसर से बचाती है?

प्रतिष्ठित जर्नल साइंस में प्रकाशित एक नई स्टडी ने इस सवाल का दिलचस्प जवाब दिया है। शोध के मुताबिक, दिल की धड़कन से पैदा होने वाला मैकेनिकल दबाव कैंसर कोशिकाओं के बढ़ने को रोक सकता है—कम से कम चूहों पर किए गए प्रयोगों में ऐसा देखा गया है।

वैज्ञानिकों के अनुसार, शरीर के लगभग हर अंग में ट्यूमर विकसित हो सकता है, लेकिन दिल में कैंसर के मामले बेहद दुर्लभ होते हैं। इंसानों में प्राथमिक कार्डियक ट्यूमर (जो सीधे दिल में शुरू होते हैं) 1 फीसदी से भी कम पोस्टमॉर्टम में पाए गए हैं। वहीं, सेकेंडरी ट्यूमर (जो शरीर के अन्य हिस्सों से फैलकर दिल तक पहुंचते हैं) करीब 18 फीसदी मामलों में देखे गए हैं।

अब तक यह स्पष्ट नहीं था कि दिल में कैंसर इतना कम क्यों होता है। जेम्स चोंग, जो यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी से जुड़े हैं, कहते हैं कि यह नई स्टडी इस रहस्य को समझाने के लिए 'मजबूत और विश्वसनीय आधार' प्रस्तुत करती है।

इस शोध का नेतृत्व सेरेना जाखिना और उनकी टीम ने 'यूनिवर्सिटी ऑफ ट्री-ए-स्ते' (इटली स्थित) में किया। वैज्ञानिकों ने जेनेटिकली मॉडिफाइड चूहों पर एक अनोखा प्रयोग किया। उन्होंने चूहों के शरीर के बाहर—गर्दन पर—एक अतिरिक्त दिल प्रत्यारोपित किया। यह 'बाहरी' दिल खून की सप्लाई तो प्राप्त कर रहा था, लेकिन धड़क नहीं रहा था।

इसके बाद शोधकर्ताओं ने इन चूहों के 'नॉर्मल' (धड़कते) दिल और 'बाहरी' (स्थिर) दिल दोनों में कैंसर कोशिकाएं इंजेक्ट कीं। दो हफ्तों के भीतर, स्थिर दिल में कैंसर कोशिकाएं तेजी से बढ़ीं और ज्यादातर स्वस्थ कोशिकाओं की जगह ले ली। इसके विपरीत, धड़कते दिल में केवल लगभग 20 फीसदी ऊतकों पर ही कैंसर का असर हुआ। शोध यहीं नहीं रुका। वैज्ञानिकों ने लैब में चूहे के दिल की कोशिकाओं से कृत्रिम हृदय ऊतक (इंजीनियर्ड हार्ट टिश्यू) भी तैयार किया। इस ऊतक को कैल्शियम आयन के संपर्क में लाने पर ही वह धड़कता था—ठीक वैसे ही जैसे शरीर के भीतर दिल काम करता है।

जब इस ऊतक में फेफड़ों के कैंसर की कोशिकाएं डाली गईं, तो पाया गया कि स्थिर (नॉन-बीटिंग) ऊतक में कैंसर तेजी से फैलता है और अधिक जगह घेर लेता है। वहीं, धड़कते ऊतक में कैंसर कोशिकाएं सीमित रहीं और केवल बाहरी परतों में क्लस्टर बनाकर रह गईं।

यह शोध इस ओर इशारा करता है कि दिल की लगातार गति और उससे उत्पन्न दबाव कैंसर कोशिकाओं के लिए प्रतिकूल वातावरण बनाते हैं, जिससे उनका विकास रुक जाता है या धीमा पड़ जाता है।

हालांकि, वैज्ञानिकों का कहना है कि यह अध्ययन अभी शुरुआती चरण में है और इसे सीधे इंसानों पर लागू करने से पहले और शोध की जरूरत है। फिर भी, यह खोज भविष्य में कैंसर उपचार के नए तरीकों का रास्ता खोल सकती है—जहां मैकेनिकल फोर्स या टिश्यू मूवमेंट का इस्तेमाल कर कैंसर की वृद्धि को नियंत्रित किया जा सके।

असित सेनः जिस अनोखी डायलॉग डिलीवरी से मिली हिंदी सिनेमा में पहचान, बोलने का वह स्टाइल उनके नौकर का था

मुंबई। जब भी पुराने दौर की हिंदी कॉमेडी फिल्मों की बात होती है, तो असित सेन का जिक्र जरूर होता है। उनकी आवाज और बेहद धीमी रफ्तार में बोले गए डायलॉग्स लोगों को खूब हंसाते थे। खास बात यह थी कि उनका यह अंदाज किसी एक्टिंग क्लास से नहीं आया था, बल्कि उनके बचपन की एक छोटी सी याद से पैदा हुआ था।

बहुत कम लोग जानते हैं कि असित सेन ने अपनी मशहूर धीमी डायलॉग डिलीवरी अपने एक नौकर से सीखी थी, जो बेहद धीरे-धीरे बात करता था। बाद में यही अंदाज उनकी सबसे बड़ी पहचान बन गया और उन्होंने इसी स्टाइल से हिंदी सिनेमा में अलग जगह बना ली।

असित सेन का जन्म 13 मई 1917 को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में एक बंगाली परिवार में हुआ था। उनका परिवार पश्चिम बंगाल के बर्दवान से गोरखपुर आकर बस गया था। बचपन से ही असित सेन का मन कला और फोटोग्राफी में लगता था। उनके पिता अलग-अलग कारोबार करते थे, लेकिन असित को कैमरे के साथ समय बिताना ज्यादा पसंद था। वह छोटी उम्र में ही लोगों की तस्वीरें खींचने लगे थे। बाद में उन्होंने गोरखपुर में 'सेन फोटो स्टूडियो' नाम से अपना स्टूडियो भी शुरू किया था।

युवावस्था में असित सेन कोलकाता पहुंचे। उन्होंने परिवार वालों से कहा कि वह पढ़ाई करने जा रहे हैं, लेकिन असल में उनका सपना फिल्मों और थिएटर की दुनिया को करीब से देखने का था। वहां उन्होंने नाटकों में अभिनय करना शुरू किया। इसी दौरान उनकी मुलाकात मशहूर निर्देशक बिमल रॉय से हुई। बिमल रॉय उस समय भारतीय सिनेमा के

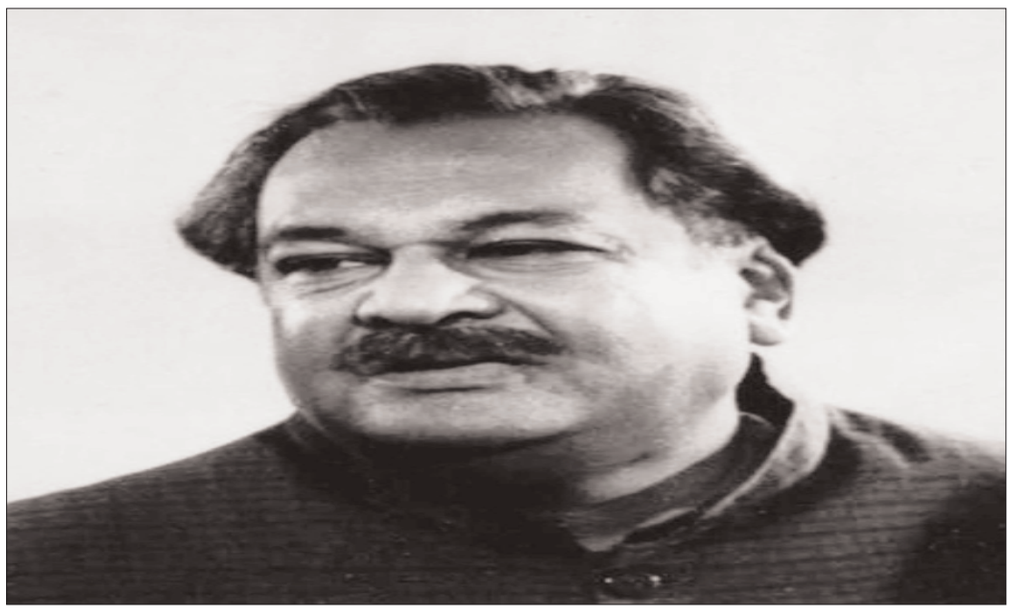

सबसे सम्मानित फिल्मकारों में गिने जाते थे। असित सेन की प्रतिभा देखकर उन्होंने उन्हें अपने साथ काम करने का मौका दिया।

शुरुआत में असित सेन फिल्मों में कैमरे और प्रोडक्शन से जुड़े काम करते थे, लेकिन धीरे-धीरे उन्हें छोटे अभिनय रोल मिलने लगे। फिल्मों में असली पहचान उन्हें तब मिली, जब उन्होंने अपने डायलॉग्स बोलने का एक अलग तरीका अपनाया। कहा जाता है कि बचपन में उनके घर में एक नौकर था, जो बहुत धीरे-धीरे बोलता था। असित सेन को उसका अंदाज हमेशा याद रहा। बाद में जब उन्हें फिल्मों में कॉमेडी रोल मिलने लगे, तो उन्होंने उसी शैली को अपनाया।

उनकी धीमी आवाज और रुक-रुक कर बोले गए डायलॉग्स लोगों को इतने पसंद आए कि यही उनकी खास पहचान बन गई। फिल्म 'बीस साल बाद' में उनका 'गोपीचंद जासूस' वाला किरदार सुपरहिट साबित हुआ।

असित सेन ने अपने लंबे करियर में करीब 250 फिल्मों में काम किया। 'आराधना', 'आनंद', 'अमर प्रेम', 'बॉम्बे टू गोवा', 'भूत बंगला', 'ब्रह्मचारी', 'मेरा गांव मेरा देश' और 'पूरब और पश्चिम' जैसी फिल्मों में उनके किरदार आज भी याद किए जाते हैं। उन्होंने अभिनय के अलावा 'परिवार' और 'अपराधी कौन' जैसी फिल्मों का निर्देशन भी किया। उस दौर में उन्हें 'हास्य सम्राट' कहा जाता था। बड़े-बड़े सितारे भी उनके साथ काम करना पसंद करते थे। असित सेन की निजी जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव आए। उनकी पत्नी मुकुल सेन उनके बेहद करीब थीं। जब उनकी पत्नी का निधन हुआ।

आर्टेमिस II में एस्ट्रोनॉट्स साथ में 'खिलौना' क्यों ले गए हैं? 50 लाख से ज्यादा नाम ले जाने वाले 'राइज' के बारे में कितना जानते हैं आप?

नई दिल्ली। नासा का आर्टेमिस II मिशन से जुड़े चार अंतरिक्ष यात्री ओरियन अंतरिक्ष यान में सवार होकर चंद्रमा की ओर रवाना हो चुके हैं यह दल चंद्रमा के पास से गुजरेगा और बिना उतरे वापस लौट आएगा। 1972 के बाद इस पहले मानवयुक्त चंद्र मिशन में छोटा सा मुलायम खिलौना अंतरिक्ष यात्रियों की मदद के लिए उनके साथ यान में गया है। इसका नाम है 'राइज', जो पूरे विश्व के लाखों लोगों की भावनाओं और सपनों को चंद्रमा पर साथ ले जाने वाले मिशन का मैसकॉट (शुभंकर) भी है। आर्टेमिस II 2 अप्रैल को लांच हुआ था।

दरअसल 'राइज' एक जीरो-ग्रेविटी इंडिकेटर (शून्य गुरुत्वाकर्षण संकेतक) है। अंतरिक्षयात्री मिशन पर जीरो-ग्रेविटी इंडिकेटर को यह जानने के लिए अपने साथ ले जाते हैं कि कैप्सूल कब अंतरिक्ष में पहुंच गया है। जब स्पेसक्राफ्ट पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण शक्ति से बाहर निकल जाता है, तो ये इंडिकेटर हवा में तैरने लगता है तो पता चल जाता है कि अब अंतरिक्ष यान निर्वात में है। इन वस्तुओं का अक्सर गहरा प्रतीकात्मक अर्थ होता है और इनका चयन सावधानीपूर्वक विचार-विमर्श के बाद किया जाता है।

28 मार्च को आर्टेमिस II के अंतरिक्ष यात्रियों ने राइज का परिचय दुनिया से कराया था और इसका महत्व बताया। इसका चयन 50 से अधिक देशों से प्राप्त हजारों प्रविष्टियों में से किया गया था। हालांकि नासा को कैलिफोर्निया के माउंटेन व्यू शहर के तीसरी कक्षा के छात्र लुकास (8) की डिजाइन पसंद आई। यह डिजाइन अपोलो 8 मिशन के प्रसिद्ध 'अर्थराइज' पल के लिए सम्मान है, जिसमें पहली बार अंतरिक्ष से पृथ्वी का उदय (अर्थराइज) देखा गया था।

लुकास का यह डिजाइन नासा के 'मून मैसकॉट डिजाइन चैलेंज' में चुना गया था। इस चैलेंज में 50 से ज्यादा देशों से 2,600 से अधिक एंट्रीज आई थीं, जिनमें स्कूली बच्चों की डिजाइन भी शामिल थे। राइज को नासा के गॉडर्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर (मैरीलैंड) की थर्मल ब्लैंकेट लैब में विशेष रूप से बनाया गया है। यह बहुत हल्का और सॉफ्ट है, ताकि अंतरिक्ष में आसानी से तैर सके।

इस आर्टेमिस 2 मिशन में चांद का चक्कर लगाने के लिए साथ जाने वाले राइज की एक और खास बात यह है कि इसके अंदर एक एसडी कार्ड रखा गया है, जिसमें दुनिया भर के लोगों के 56,47,889 नाम दर्ज हैं। ये नाम 'सेंड योर नेम विद आर्टेमिस' अभियान के तहत इकट्ठा किए गए थे। इस तरह राइज न सिर्फ एक खिलौना है, बल्कि पूरी मानवता की उम्मीद और एकजुटता का प्रतीक भी बन गया है।

आर्टेमिस II मिशन के चारों अंतरिक्ष यात्री रीड वाइजमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और जेरेमी हान्सन राइज को अपने साथ चांद की यात्रा पर ले गए हैं। जहां क्रिस्टीना कोच चंद्रमा मिशन का हिस्सा बनने वाली पहली महिला होंगी, वहीं ग्लोवर चंद्र मिशन पर उड़ान भरने वाली पहली अश्वेत व्यक्ति हैं।

अपने मिशन के दौरान सभी मिलकर उच्च विकिरण वाले क्षेत्रों में कई प्रयोग करेंगे, ताकि पौधों और मानव स्वास्थ्य पर शोध को आगे बढ़ाया जा सके।

ज्ञान मुखर्जी और फणी मजूमदार से बारीकियां सीखने वाले निर्देशक, जिन्होंने दीं 'कश्मीर की कली', 'अमर प्रेम' और 'आनंद'

मुंबई। आनंद, कश्मीर की कली, अमर प्रेम, हावड़ा ब्रिज और अमानुष ... ये कुछ ऐसी फिल्में हैं, जो सिनेमा जगत के लिए अमर हो गईं। ज्ञान मुखर्जी और फणी मजूमदार जैसे दिग्गज फिल्मकारों से सिनेमा की बारीकियां सीखने वाले शक्ति सामंत ने फिल्म इंडस्ट्री को ऐसी कई यादगार फिल्में दीं, जो आज भी दर्शकों के दिलों में बसती हैं।

'कश्मीर की कली', 'अमर प्रेम', 'आनंद', 'आश्रम', 'आराधना' और 'अनुराग' जैसी फिल्मों के जरिए शक्ति सामंत ने रोमांस, संगीत और भावनाओं का अनोखा मेल पेश किया।

शक्ति सामंत हिंदी सिनेमा के एक बेहद सफल निर्माता और निर्देशक थे। उन्होंने न सिर्फ व्यावसायिक सफलता हासिल की, बल्कि अपनी फिल्मों के माध्यम से समाज में सकारात्मक जागृति फैलाने का भी प्रयास किया। उनकी फिल्मों में संस्कार और सरोकार दोनों ही तत्व खूबसूरती से दिखते थे।

13 जनवरी 1926 को पश्चिम बंगाल के बर्धमान जिले में जन्मे शक्ति सामंत की शुरुआती पढ़ाई देहरादून में हुई। उन्होंने 1944 में कोलकाता विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। फिल्मों में अभिनय करने का सपना लेकर वे मुंबई आए, लेकिन शुरू में उन्हें दापोली के एक स्कूल में शिक्षक की नौकरी मिली। कुछ समय बाद वे फिल्म जगत में कदम रखे।

साल 1948 में शक्ति सामंत ने 'सुनहरे दिन' फिल्म के निर्देशक सतीश निगम के सहायक के रूप में काम करना शुरू किया। इसके बाद उन्होंने ज्ञान मुखर्जी और फणी मजूमदार जैसे उस समय के नामचीन फिल्मकारों के साथ काम किया और फिल्म निर्माण व निर्देशन की बारीकियां सीखीं। इन दिग्गजों से मिले अनुभव ने उन्हें एक बेहतर फिल्मकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साल 1954 में शक्ति सामंत को अपनी पहली फिल्म 'बहू' निर्देशित करने का मौका मिला। फिल्म में करण दीवान, उषा किरण, प्राण, जॉनी वॉकर और महमूद जैसे कलाकार थे। संगीत हेमंत कुमार ने दिया था। 'बहू' के बाद उन्होंने 'हिल स्टेशन', 'शेरू', 'डिटेक्टिव' और 'इंस्पेक्टर' जैसी फिल्में निर्देशित कीं। साल 1957 में शक्ति सामंत ने अपना खुद का प्रोडक्शन बैनर 'श्री शक्ति फिल्म्स' शुरू किया। इस बैनर की पहली फिल्म 'हावड़ा ब्रिज' थी, जो एक मर्डर मिस्ट्री थी। इसमें अशोक कुमार और मधुबाला मुख्य भूमिका में थे। संगीत ओपी नैयर ने दिया था। अपने पूरे करियर में शक्ति सामंत ने कुल 43 फिल्में निर्देशित कीं, जिनमें 37 हिंदी और 6 बांग्ला फिल्में शामिल थीं। उन्होंने 'अमानुष' फिल्म को हिंदी और बांग्ला दोनों भाषाओं में बनाया। उनकी फिल्मों में 'जाली नोट', 'चाइना टाउन', 'कश्मीर की कली', 'सावन की घटा', 'कटी पतंग', 'पगला कहीं का', 'एन इवनिंग इन पेरिस', 'अजनबी', 'महबूबा', 'अनुरोध', 'आनंद आश्रम' और 'अमर प्रेम' जैसी फिल्में आज भी क्लासिक मानी जाती हैं। शक्ति सामंत सिर्फ फिल्में बनाने तक सीमित नहीं रहे। उन्होंने पांच साल तक मोशन पिक्चर्स प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में सेवा की।

भारत की पहली प्लेबैक सिंगरः जिनकी गायकी के सख्त खिलाफ थे पिता

मुंबई। हिंदी सिनेमा के शुरुआती दौर में जब प्लेबैक सिंगिंग अपनी पहचान बना रही थी, उस समय एक ऐसी आवाज उभरी जिसने संगीत की दुनिया को नई दिशा दी। यह कहानी है भारत की पहली प्लेबैक सिंगर मानी जाने वाली शमशाद बेगम की।

23 अप्रैल को शमशाद बेगम की पुण्यतिथि है। वह एक ऐसी गायिका थीं, जिसने अपनी अनोखी आवाज से लाखों दिलों पर राज किया, जिनकी चंचल और सरल गायकी हर महफिल की जान बन जाती थी। खास बात यह है कि उनके पिता उनकी गायकी के सख्त खिलाफ थे, लेकिन कुछ शर्तों के साथ उन्हें घर से बाहर निकलकर गाने की इजाजत मिली।

14 अप्रैल 1919 को पंजाब के अमृतसर में जन्मीं शमशाद बेगम एक पारंपरिक मुस्लिम परिवार से ताल्लुक रखती थीं। उनके पिता नहीं चाहते थे कि वह सार्वजनिक रूप से गाएं, लेकिन परिवार और परिचितों के समझाने पर उन्होंने एक शर्त रखी कि शमशाद कभी अपनी तस्वीर नहीं खिंचवाएंगी। शमशाद ने इस शर्त को स्वीकार किया और इसी के साथ उनके करियर की शुरुआत हुई।

दिलचस्प बात यह रही कि उन्होंने खुद भी अपनी सूरत को लेकर झिझक महसूस की और जीवनभर तस्वीरों से दूरी बनाए रखी। स्कूल के दिनों में ही उनकी प्रतिभा सामने आ गई थी, उन्हें स्कूल का हेड सिंगर बनाया गया। धीरे-धीरे वह शादी-ब्याह और पारिवारिक आयोजनों में गाने लगीं। उनकी इसी लगन ने उन्हें आगे बढ़ाया और उन्होंने पेशावर रेडियो

पर गाने का मौका हासिल किया। संगीतकार गुलाम हैदर ने बहुत कम उम्र में उनकी प्रतिभा को पहचाना और उन्हें पहला बड़ा मौका दिया।

इसके बाद शमशाद बेगम ने 1941 में फिल्म 'खजांची' से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा। उनकी आवाज ने जल्द ही लोगों का दिल जीत लिया और वह उस दौर की सबसे लोकप्रिय गायिकाओं में शामिल हो गईं।

उन्होंने संगीतकार सी. रामचंद्र के साथ फिल्म 'शहनाई' में हिंदी सिनेमा का शुरुआती वेस्टर्न स्टाइल गीत गाया, जिसने उन्हें नई पहचान दिलाई। 1952 में आई फिल्म 'बहार' का गीत 'सैयां दिल में आना रे' आज भी उतना ही लोकप्रिय है। उन्होंने उस दौर के कई सफल संगीतकारों के साथ काम किया, जिनमें ओ.पी. नैयर और नौशाद शामिल हैं। ओ.पी. नैयर ने उनकी आवाज की तुलना मंदिर की घंटियों से की थी। उनके गाए गीत जैसे 'कभी आर कभी पार', 'कहीं पे निगाहें कहीं पे निशाना' और 'लेके पहला पहला प्यार' आज भी सदाबहार माने जाते हैं।

दिलचस्प बात यह है कि लता मंगेशकर, आशा भोसले और गीता दत्त जैसी गायिकाओं के दौर में भी शमशाद बेगम ने अपनी अलग पहचान बनाए रखी। उनके योगदान को देखते हुए भारत सरकार ने उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया।

उर्वशी रौतेला ने अपनाया करियर का अलग नजरिया, बोलीं- अब दिखावा नहीं, सिर्फ अर्थपूर्ण वाली फिल्मों की तलाश

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने अब अपने करियर को लेकर एक अलग नजरिया अपनाया है। आईएएनएस को दिए गए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि इस समय उनके लिए सबसे जरूरी चीज दिखना या लोगों से तारीफ पाना नहीं है, बल्कि ऐसे काम करना है जिनका असली मतलब हो और जिनमें भावनाएं जुड़ी हों।

आईएएनएस से बात करते हुए उर्वशी ने कहा, ''शुरुआत में हर कलाकार के लिए पहचान मिलना बहुत जरूरी होता है, लेकिन सिर्फ पहचान ही सब कुछ नहीं होती। अगर किसी काम में सच्चाई और भावना नहीं होगी, तो वह लंबे समय तक लोगों के दिल में नहीं रह सकता। मेरा मानना है कि असली सफलता वही है, जो समय के साथ भी बनी रहे और दर्शकों को अंदर तक छू जाए। उन्होंने कहा, 'अब करियर में दिखावा नहीं चाहिए। अब मैं ऐसी फिल्मों की तलाश में हूं, जो दर्शकों को कोई कोई संदेश दे और जागरुक करने का काम करें।

बता दें कि उर्वशी रौतेला ने अपने फिल्मी सफर की शुरुआत साल 2013 में फिल्म 'सिंह साहब द ग्रेट' से की थी। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेता सनी देओल नजर आए थे। यह उनकी पहली बड़ी फिल्म थी, जिसने उन्हें बॉलीवुड में पहचान दिलाई। इसके बाद वह कई फिल्मों में अलग-अलग किरदारों में नजर आईं।

अब वह 'इंस्पेक्टर अविनाश सीजन 2' को लेकर चर्चाओं में है। इस फिल्म में वह पूनम मिश्रा के किरदार में नजर आएंगी।

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए उर्वशी ने कहा, ''इस सीजन में मेरा किरदार सिर्फ एक सपोर्टिव पत्नी का नहीं है, बल्कि एक ऐसे इंसान का है, जो अंदर ही अंदर बहुत कुछ झेल रहा है। इस बार मेरे किरदार की सबसे बड़ी भावना 'साइलेंस में सर्वाइवल' (चुप्पी में छिपा संघर्ष) है, यानी ऐसा किरदार, जो बिना शोर किए, बिना अपनी भावनाओं को बाहर दिखाए, परिस्थितियों से लड़ता रहता है और खुद को संभालने की कोशिश करता है।

सिद्धार्थ शुक्ला के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं होने का विशाल आदित्य सिंह को आज भी है मलाल

मुंबई। अभिनेता विशाल आदित्य सिंह ने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में दिवंगत एक्टर सिद्धार्थ शुक्ला को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि सिद्धार्थ के निधन के बाद एक बात का अफसोस उन्हें आज भी परेशान करता है कि वे सिद्धार्थ शुक्ला के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो पाए थे और वह उस दर्द से अब तक पूरी तरह निकल नहीं पाए हैं। मीडिया से बात करते हुए विशाल आदित्य सिंह ने कहा, ''सिद्धार्थ शुक्ला का जब निधन हुआ, वह उस वक्त अपने करियर और जिंदगी के सबसे अच्छे दौर में थे। वह जो भी बात कहते थे या जिस चीज के लिए खड़े होते थे, उसमें एक अलग ही सच्चाई और समझ दिखाई देती थी। उन्होंने कहा कि सिद्धार्थ शुक्ला अलग ही स्तर के इंसान थे और उनकी सोच भी बाकी लोगों से काफी अलग थी। सिद्धार्थ ने अपने काम, अपने व्यवहार और अपने आत्मविश्वास से लोगों पर गहरा असर छोड़ा था। विशाल आदित्य सिंह ने कहा, 'सिद्धार्थ शुक्ला के अंतिम संस्कार में मैं शामिल नहीं हो पाया था और यही बात मुझे आज भी परेशान करती है। जब कोई इंसान आपके दिल के बहुत करीब होता है, तो उससे आखिरी बार मिलना बहुत जरूरी होता है। मैं यह मौका गंवा दिया और इस बात का मुझे काफी अफसोस है। अगर मैं अंतिम संस्कार में शामिल होता, तो मुझे अंदर से थोड़ी शांति जरूर मिलती।'

विशाल ने सिद्धार्थ शुक्ला को याद करते हुए कहा, 'जितना मैं उन्हें जानता था, उसके आधार पर मैं भरोसे के साथ कह सकता हूं कि सिद्धार्थ ने अपनी जिंदगी पूरी तरह खुलकर जी थी। वह उन लोगों में से थे जो जिंदगी को पूरी तरह महसूस करते थे और हर पल को अपने अंदाज में जीते थे। मुझे नहीं लगता है कि वह इस दुनिया से किसी बड़े पछतावे के साथ गए होंगे, क्योंकि उन्होंने अपनी जिंदगी को पूरी ईमानदारी और आत्मविश्वास के साथ जीया था।'

अपने निजी अनुभव साझा करते हुए विशाल आदित्य सिंह ने कहा, 'हाल ही में मेरे एक अंकल का निधन हुआ था। इस बार मैं अंतिम संस्कार में शामिल हुआ और उन्होंने महसूस किया कि किसी अपने की अंतिम यात्रा में शामिल होना इंसान को मानसिक तौर पर एक तरह का संतोष देता है। सिद्धार्थ शुक्ला के अंतिम संस्कार में न जा पाना जीवन का एक बड़ा अफसोस बन गया है।

पंजाबी म्यूजिक में महिलाओं के चित्रण पर बोले रैपर किंग, हर जॉनर को एक ही सोच से आंकना गलत

मुंबई। सिंगर-रैपर किंग अर्पण कुमार चंदेल ने पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं को एक चीज की तरह दिखाने के लंबे समय से चले आ रहे मुद्दे पर अपने विचार साझा किए। आईएएनएस के साथ एक खास बातचीत में उन्होंने कहा कि समय बदलता रहता है। लिहाजा, म्यूजिक को एक ही इंडस्ट्री या जॉनर के दायरे में नहीं बांधना चाहिए। उन्होंने लोगों से गुजारिश की कि म्यूजिक को व्यक्तिगत कला के रूप में देखें।

जब उनसे पूछा गया कि पंजाबी गानों पर अक्सर यह आरोप क्यों लगता है कि इनमें औरतों के बारे में गलत सोच रखी जाती है या उन्हें गलत तरीके से दिखाया जाता है तो रैपर किंग ने लोगों से गुजारिश करते हुए कहा कि वे म्यूजिक को एक ऐसी कला के तौर पर देखें जो हर किसी के लिए अलग होती है, न कि किसी एक इंडस्ट्री को किसी एक ही सोच के दायरे में बांध दें।

किंग ने कहा, 'क्या आपने भोजपुरी गाने सुने हैं? क्या आपने बॉलीवुड गाने सुने हैं? बड़े होते हुए लोगों ने असल में कितना म्यूजिक सुना है? मेरा मानना है कि म्यूजिक एक बहुत ही निजी चीज है।'

सिंगर ने समझाया कि कलाकार समय, अपने अनुभवों और अपने आस-पास के माहौल के साथ बदलते रहते हैं। उनके मुताबिक, म्यूजिक का कॉन्सेप्ट अक्सर जिंदगी के अलग-अलग दौर और निजी यात्राओं को दिखाता है।

मां श्वेता तिवारी नहीं देती करियर में दखल, फैसले हमेशा अपने दिल से लेती हूं : पलक तिवारी

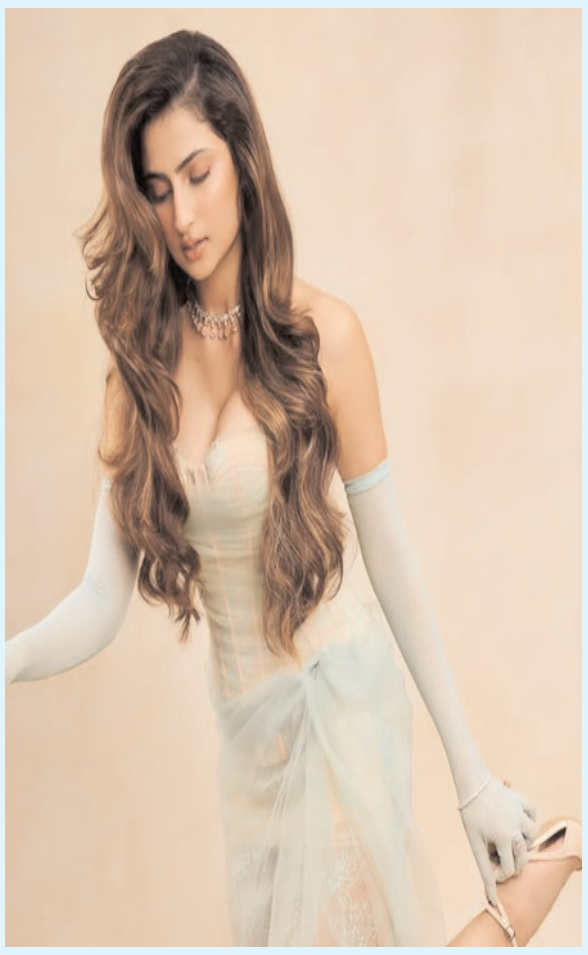

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस पलक तिवारी लगातार अपने करियर को लेकर चर्चा में रहती हैं। इन दिनों वह अपनी वेब सीरीज 'लुक्खे' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच आईएएनएस के साथ बातचीत में उन्होंने अपनी मां और टीवी की मशहूर अभिनेत्री श्वेता तिवारी के साथ बॉन्ड को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि मां ने उनके करियर में कभी भी दखल नहीं दिया। उन्होंने जो भी अब तक फैसले लिए हैं, खुद और दिल से लिए हैं।

मीडिया से बात करते हुए पलक तिवारी ने कहा, 'मेरी और मेरी मां की जिंदगी पूरी तरह अलग दौर और अनुभवों से गुजरी है, जिसके चलते हम दोनों के सोचने का तरीका अलग है। कहानियों को समझने का नजरिया भी अलग है। एक कलाकार के तौर पर हर व्यक्ति का अपना एक अलग सफर होता है, और उसी सफर के अनुभव उसके फैसलों को प्रभावित करते हैं। मेरी मां ने जिस समय और माहौल में काम किया, वह आज के समय से बहुत अलग था, इसलिए हम दोनों के दृष्टिकोण भी अलग हैं।'

पलक ने कहा, ''मेरी मां कभी भी मेरे करियर में दखल नहीं देतीं। वह सिर्फ मार्गदर्शन करती हैं, लेकिन किसी भी तरह का दबाव नहीं डालतीं। उन्होंने हमेशा से मुझे स्वतंत्र रूप से सोचने और फैसले लेने के लिए प्रेरित किया है। उनका मानना है कि कलाकार को अपने फैसले खुद लेने चाहिए, क्योंकि वही उसके करियर को सही दिशा देते हैं।''

इंटरव्यू के दौरान पलक ने बताया, ''मां हमेशा मुझसे यही पूछती हैं कि जो प्रोजेक्ट मैं चुन रही हूं, क्या वह सच में मेरे दिल को पसंद है या नहीं। वह मुझे किसी भी प्रोजेक्ट के लिए मजबूर नहीं करतीं, बल्कि यह समझने की कोशिश करती हैं कि क्या वह काम पलक के लिए सही है या नहीं।''

पलक ने आगे कहा, ''मां ने हमेशा मुझे यह सलाह दी है कि मैं अपने दिल की आवाज को सुनूं। एक कलाकार के लिए सबसे जरूरी चीज यही है कि वह अपने काम से भावनात्मक रूप से जुड़ा हो। अगर कहानी या किरदार अंदर से महसूस नहीं होता, तो उसे करना सिर्फ एक काम बनकर रह जाता है, जबकि अभिनय का असली मजा तभी आता है, जब वह दिल से जुड़ा हो।

नर्स बनाना चाहती थीं सनी लियोनी, पुरानी पहचान से पीछा छुड़ाकर बनीं बॉलीवुड की बड़ी स्टार

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी ने फिल्मों, गानों और रियलिटी शोज के जरिए करोड़ों लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई है। हालांकि, उनकी जिंदगी का सफर बिल्कुल भी आसान नहीं रहा। एक समय ऐसा भी था, जब लोग उन्हें सिर्फ उनकी पुरानी पहचान से देखते थे, लेकिन सनी ने मेहनत और धैर्य के दम पर बॉलीवुड में अपनी जगह पक्की की। चमक-दमक की दुनिया में आने से पहले सनी का सपना नर्स बनने का था। वह मेडिकल फील्ड में जाकर लोगों की मदद करना चाहती थीं, लेकिन किस्मत उन्हें एक बिल्कुल अलग रास्ते पर ले गई।

सनी लियोनी का असली नाम करनजीत कौर वोहरा है। उनका जन्म 13 मई 1981 को कनाडा के ओंटारियो में एक सिख पंजाबी परिवार में हुआ था। बचपन में सनी काफी शरारती स्वभाव की थीं। उन्हें खेलकूद में काफी रुचि थी। परिवार ने उन्हें अच्छी शिक्षा दी और हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। बहुत कम उम्र से ही सनी लोगों की सेवा करना चाहती थीं। इसी वजह से उन्होंने नर्सिंग की पढ़ाई में रुचि दिखाई और मेडिकल फील्ड में करियर बनाने का सपना देखा। वह गरीब और जरूरतमंद लोगों की मदद करना चाहती थीं।

हालांकि जिंदगी ने उनके लिए कुछ और ही तय कर रखा था। परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए सनी ने कम उम्र में काम करना शुरू कर दिया। उन्होंने एक जर्मन बेकरी में वेट्रेस की नौकरी की। इसके अलावा, टैक्स और रिटायरमेंट फर्म में भी काम किया। इसी दौरान उनकी जिंदगी धीरे-धीरे ग्लैमर इंडस्ट्री की ओर बढ़ने लगी। मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखने के बाद उन्हें नई पहचान मिलने लगी। बाद में उन्होंने एडल्ट इंडस्ट्री में काम किया। इस दौरान उन्हें आलोचनाओं और तानों का सामना भी करना पड़ा। पुरानी चीजें सब छोड़कर सनी नई पहचान बनाना चाहती थी। इसके लिए उन्होंने भारत का रूख किया और पहली बार रियलिटी शो 'बिग बॉस' में नजर आईं। इस शो ने उन्हें भारतीय दर्शकों के बीच नई पहचान दिलाई। शो के दौरान ही मशहूर फिल्ममेकर महेश भट्ट ने उन्हें फिल्म 'जिस्म 2' का ऑफर दिया। यही फिल्म उनके बॉलीवुड करियर की शुरुआत बनी। इसके बाद उन्होंने 'रागिनी एमएमएस 2', 'एक पहेली लीला', 'मस्तीजादे' और कई दूसरी फिल्मों में काम किया। फिल्मों के अलावा, उन्होंने टीवी शो 'एमटीवी स्प्लिट्सविला' को भी होस्ट किया और अपनी अलग पहचान बनाई।

सनी की निजी जिंदगी भी काफी चर्चा में रही। उन्होंने डेनियल वेबर से शादी की और दोनों आज खुशहाल जिंदगी जी रहे हैं। दोनों ने एक बेटी निशा को गोद लिया और बाद में सरोगेसी के जरिए दो बेटों के माता-पिता बने। सनी अक्सर अपने परिवार के साथ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करती रहती हैं।

'धुरंधर' की भी शुरुआत में खूब हुई आलोचना, सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव पर बोले आयुष्मान खुराना

मुंबई। अभिनेता आयुष्मान खुराना अपनी अपकमिंग फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। इस बीच प्रमोशन में जुटे अभिनेता ने फिल्मों पर सोशल मीडिया के पड़ने वाले असर को लेकर अपनी राय व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आजकल ट्रेलर या टीजर रिलीज होते ही लोग आलोचना शुरू कर देते हैं, लेकिन अच्छी फिल्में हमेशा लोगों का दिल जीत लेती हैं।

आयुष्मान खुराना ने आईएएनएस से बातचीत में अभिनेता रणवीर सिंह और आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' का उदाहरण देते हुए कहा कि इसके फर्स्ट लुक और ट्रेलर को शुरुआत में काफी नकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिली थीं, लेकिन फिल्म रिलीज होने के बाद इसने लाखों दर्शकों का दिल जीत लिया।

आयुष्मान ने कहा, ''हर एक्टर अपने करियर की शुरुआत में एक 'हनीमून पीरियड' से गुजरता है। आपको सबका प्यार मिलता है। लेकिन, कुछ सालों बाद, जब आप अपने करियर के शिखर पर पहुंच जाते हैं, तो आलोचना भी मिलती है। लेकिन लोग अंडरडॉग यानी संघर्षरत व्यक्ति का साथ देते हैं। जब आप संघर्ष से पार पा जाते हैं तो लोग आलोचना करने लगते हैं।''

उन्होंने आगे समझाया कि हम ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां सभी से प्यार एक जैसा नहीं मिल सकता। पहले भी आलोचना होती थी, लेकिन अब सोशल मीडिया की वजह से वह सार्वजनिक हो गई है। पहले हम ऐसी बातें चाय की दुकान, सैलून या कोने में सुनते थे, अब सोशल मीडिया पर खुलकर चर्चा होती है। ''धुरंधर'' के बारे में बात करते हुए आयुष्मान खुराना ने कहा, ''मुझे पर्सनली 'धुरंधर' का ट्रेलर बहुत पसंद आया था, लेकिन उसके आसपास बहुत ज्यादा नकारात्मकता थी।

भारत में 14 और 15 मई को 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन

नई दिल्ली। भारत इस साल 18वें 'ब्रिक्स शिखर सम्मेलन- 2026' की मेजबानी कर रहा है। शिखर सम्मेलन का आयोजन 14 और 15 मई को होगा। इससे पहले 17वें ब्रिक्स समिट का आयोजन ब्राजील ने रियो डी जेनेरियो में किया था। विदेश मंत्रालय ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के शेड्यूल से संबंधित जानकारी साझा की है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, गुरुवार, 14 मई, को सुबह 10 बजे विदेश मंत्रियों का आगमन भारत मंडपम में होगा। इसके बाद 10.30 बजे पहले सेशन की शुरुआत होगी। फिर दिन के 1 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ 'सेवा तीर्थ' में सभी मंत्रियों की संयुक्त मुलाकात होगी।

इसके बाद 3 बजकर 10 मिनट पर दूसरे सेशन की शुरुआत होगी। फिर शाम 7 बजे विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की तरफ से भारत मंडपम में ही डिनर का आयोजन किया जाएगा। समिट के अगले दिन 15 मई को सुबह 10 बजे तीसरे सेशन की शुरुआत होगी।

इससे पहले 13वां ब्रिक्स समिट 9 सितंबर 2021 को भारत में हुआ था। इसका थीम 'ब्रिक्स 15: कंटिन्यूटी, कंसोलिडेशन और कंसेंसस के लिए इंट्रा-ब्रिक्स सहयोग' था। नेताओं ने नई दिल्ली डिक्लेरेशन को अपनाया, जिसने ब्रिक्स की 15वीं सालगिरह को मार्क किया और मल्टीलेटरल सिस्टम में सुधार, काउंटर-टेररिज्म को-ऑपरेशन, एसडीजी को पाने के लिए डिजिटल टूल्स का इस्तेमाल करने और लोगों के बीच लेन-देन को बढ़ाने पर जोर दिया। भारत ने ब्रिक्स के काम करने के तरीकों को आसान बनाया, बातचीत को आसान और ज्यादा एक्सेसिबल बनाया और डिजिटल स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन और पहली जल मंत्रियों की बैठक जैसे नए मंत्री स्तर के ट्रैक शुरू किए।

बैठक में ब्राजील, रूस, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथोपिया, और इंडोनेशिया के विदेश मंत्रियों के शामिल होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, संयुक्त अरब अमिरात की ओर से उप-विदेश मंत्री स्तर का प्रतिनिधित्व होने की उम्मीद है। ईरान की ओर से भी उप-विदेश मंत्री स्तर का प्रतिनिधिमंडल भेजे जाने की संभावना जताई जा रही है, जबकि चीन के शेरपा प्रतिनिधिमंडल के शामिल होने की उम्मीद है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बैठक 14 और 15 मई को आयोजित हो सकती है और इसमें वैश्विक दक्षिण, बहुपक्षीय सहयोग, आर्थिक साझेदारी, क्षेत्रीय सुरक्षा और मौजूदा भू-राजनीतिक तनावों जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है।

चीन दौरे से पहले ट्रंप ने जताई 'अच्छी चीजें' होने की उम्मीद

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 13 से 15 मई तक चीन के दौरे पर रहने वाले हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस दौरे पर ईरान के साथ ताजा हालात पर भी चर्चा हो सकती है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ने उम्मीद जताई है कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ मुलाकात अच्छी रहेगी।

राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा, 'मैं चीन के अपने दौरे का बहुत इंतजार कर रहा हूं, यह एक शानदार देश है, जहां के नेता राष्ट्रपति शी हैं, जिनका सभी सम्मान करते हैं। दोनों देशों के लिए बहुत अच्छी चीजें होंगी!'

बता दें, अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ अमेरिका के कई बड़ी बिजनेस हस्तियां भी इस दौरे पर पहुंचने वाली हैं। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप के साथ बड़ी अमेरिकी कंपनियों के 17 बड़े कॉर्पोरेट एग्जीक्यूटिव भी होंगे।

ट्रंप स्थानीय समयानुसार, मंगलवार को वाशिंगटन से निकलेंगे। राष्ट्रपति ट्रंप के डेलिगेशन में एप्पल के सीईओ टिम कुक और टेस्ला और स्पेसएक्स के चीफ एलन मस्क के साथ-साथ ब्लैकरॉक, ब्लैकस्टोन, बोइंग, कारगिल, सिटी, सिस्को, कोहेरेंट, जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) एयरोस्पेस, गोल्डमैन सैक्स, इलुमिना, मास्टरकार्ड, मेटा, माइक्रोन, क्वालकॉम और वीजा के सीनियर एग्जीक्यूटिव शामिल होंगे।

व्हाइट हाउस की लिस्ट में शामिल एग्जीक्यूटिव के तौर पर ब्लैकरॉक के लैरी फिंक, ब्लैकस्टोन के स्टीफन श्वार्जमैन, बोइंग की केली ऑर्टबर्ग, कारगिल के ब्रायन साइक्स, सिटी की जेन फ्रेजर, सिस्को के चक रॉबिंस, कोहेरेंट के जिम एंडरसन, जीई एयरोस्पेस के एच. लॉरेंस कल्प, गोल्डमैन सैक्स के डेविड सोलोमन, इलुमिना के जैकब थायसेन, मास्टरकार्ड के माइकल मिबैक, मेटा की डिना पॉवेल मैककॉर्मिक, माइक्रोन के संजय मेहरोत्रा, क्वालकॉम के क्रिस्टियानो अमोन और वीजी के रयान मैकइनर्नी शामिल हैं।

इससे पहले सोमवार को मीडिया से बातचीत के दौरान ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति की जमकर सराहना की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि उनकी जल्द होने वाली चीन यात्रा में ताइवान और ऊर्जा सुरक्षा सबसे बड़े मुद्दे होंगे। ट्रंप ने कहा कि उनकी सरकार अब चीन के साथ 'बहुत अच्छा काम' कर रही है।

संक्षिप्त खबर

अगर दोबारा हमला हुआ तो 90 प्रतिशत यूरेनियम संवर्धन करेंगे : ईरान

तेहरान। पश्चिम एशिया संकट फिर गहराने लगा है। अमेरिका के प्रस्तावों का ईरान की ओर से दिया जवाब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पसंद नहीं आया तो तल्ख बयानों की झड़ी लग गई। इस बीच ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर उस पर दोबारा हमला किया गया तो वह यूरेनियम संवर्धन की दर 90 प्रतिशत कर देगा।

ईरानी संसद की कमीशन के प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई ने दावा किया कि इस विकल्प पर संसद में समीक्षा की जाएगी। उन्होंने 90 प्रतिशत संवर्धन की बात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की। यूरेनियम को 90 प्रतिशत तक समृद्ध करना हथियार स्तर का संवर्धन माना जाता है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के मुताबिक ईरान पहले ही 60 प्रतिशत तक यूरेनियम संवर्धन कर चुका है, जो वेपन ग्रेड के काफी करीब माना जाता है। आईएईए की रिपोर्ट के अनुसार ईरान ने हाल के वर्षों में 60 फीसदी शुद्धता तक यूरेनियम संवर्धन तेज किया है। इस बीच अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का बयान भी बढ़ते तनाव और टकराव की तस्दीक करता है। उन्होंने कहा है कि ईरान में बड़े पैमाने पर मिलिट्री एक्शन के दोबारा होने की पूरी आशंका है।

ट्रंप के पहले चरण के दौरान नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर रहे एच.आर. मैकमास्टर का अनुमान है कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान फिर से शुरू होगा। सीएनएन के एक शो में उनसे ट्रंप के उस बयान को लेकर सवाल किया गया था जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान के साथ सीजफायर 'लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर है।' यानी ये अत्यंत कमजोर स्थिति में है।

सुर्खियों में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की टिप्पणी भी है। जिन्होंने एक टीवी साक्षात्कार में कहा कि ईरान के साथ युद्ध तब तक जारी रहेगा जब तक देश के पास बहुत ज्यादा संवर्धित यूरेनियम का भंडार है।

उन्होंने अमेरिकी चैनल सीबीएस के प्रोग्राम 60 मिनट्स में कहा, 'यह खत्म नहीं हुआ है, क्योंकि अभी भी परमाणु पदार्थ, यानी एनरिच्ड यूरेनियम, उनके पास है जिसे ईरान से बाहर ले जाना है। अभी भी एनरिचमेंट साइट्स हैं जिन्हें खत्म करना है।' यह पूछे जाने पर कि इसे कैसे हटाया जाना चाहिए, नेतन्याहू ने कहा, 'आप अंदर प्रवेश करते हैं और इसे बाहर निकाल लाते हैं।'

मालदीव की विदेश मंत्री एडम का भारत दौरा, द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने पर जोर

नई दिल्ली। मालदीव गणराज्य की विदेश मंत्री इरुथिशम एडम तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर मंगलवार को भारत पहुंचेंगी। तय कार्यक्रमानुसार उनकी मुलाकात अपने भारतीय समकक्ष एस जयशंकर और वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल संग प्रस्तावित है।

भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से जारी रिलीज के अनुसार, एडम 12-14 मई तक भारत में होंगी। वो मंगलवार शाम 5 बजकर 20 मिनट पर इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर पहुंचेंगी।

बुधवार शाम 4 बजे हैदराबाद हाउस में उनकी विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात होगी। इसके बाद इसी दिन यानी 13 मई को वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ वाणिज्य भवन में अहम बैठक होगी।

मालदीव के विदेश मंत्रालय ने भी इसे लेकर एक बयान जारी किया है। जिसके मुताबिक पदभार संभालने के बाद यह उनकी पहली आधिकारिक यात्रा है। उन्हें भारत आने का न्योता विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दिया था। यात्रा का उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाना है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, इस दौरे के दौरान, इरुथिशाम जयशंकर के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगी, जिससे मंत्रियों को द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सहयोग की समीक्षा करने और आपसी हितों के खास मुद्दों पर चर्चा करने का मौका मिलेगा।

इरुथिशम के साथ विदेश मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव डॉ. इब्राहिम जुहुरी और सहायक निदेशक अमीनाथ गुरैशा भी आएंगे। मालदीव भारत को अपना सबसे करीबी सहयोगी मानता है। दोनों देश मजबूत सांस्कृतिक, आर्थिक और सामाजिक रिश्तों से जुड़े हैं।

2024 में शुरुआती तनाव के बाद मालदीव ने अपने रिश्तों को सहज बनाने की पूरी कोशिश की है। राष्ट्रपति मुइज्जू प्रशासन ने भारत के साथ द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। मुइज्जू दो बार भारत के आधिकारिक दौरे पर गए हैं, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मालदीव के स्वतंत्रता दिवस समारोह में 2025 में भाग लिया था।

हाल ही में विदेश मंत्री बनीं इरुथिशम को लंबा राजनयिक अनुभव है। इससे पहले वो यूनाइटेड किंगडम में मालदीव की उच्चायुक्त रह चुकी हैं।

'ईरानी विमान' वाले दावे से पाकिस्तान का इनकार

इस्लामाबाद। अमेरिकी मीडिया के एक रिपोर्ट ने अमेरिका और ईरान के बीच सुलह कराने में पाकिस्तान की भूमिका पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया है। अमेरिकी मीडिया में दावा किया गया है कि ईरान का विमान पाकिस्तान के एयरबेस में रखा गया था। शायद ऐसा ईरानी विमान को अमेरिकी हमले से बचाने के लिए किया गया। हालांकि, इस मामले पर पाकिस्तान की ओर से भी बयान सामने आया है। पाकिस्तान ने सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट को खारिज कर दिया है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय की तरफ से ईरानी विमान को लेकर सीबीएस की रिपोर्ट पर कहा, 'पाकिस्तान नूर खान एयरबेस पर ईरानी एयरक्राफ्ट की मौजूदगी के बारे में सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट को गुमराह करने वाला और सनसनीखेज बताते हुए पूरी तरह से खारिज करता है। इस तरह के अंदाजे वाले दावे क्षेत्र में स्थिरता और शांति के लिए चल रही कोशिशों को कमजोर करने की मंशा से किए गए लगते हैं।' बयान में आगे कहा गया, 'सीजफायर के बाद और इस्लामाबाद में बातचीत के शुरुआती दौर के दौरान, वार्ता प्रक्रिया से जुड़े कूटनीतिक अधिकारियों, सुरक्षा टीमों और सरकारी कर्मचारियों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए ईरान और अमेरिका से कई एयरक्राफ्ट पाकिस्तान पहुंचे। अगले दौर की बातचीत की उम्मीद में कुछ एयरक्राफ्ट और सपोर्ट स्टाफ कुछ समय के लिए पाकिस्तान में ही रुके रहे।' पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि हालांकि औपचारिक बातचीत अभी तक दोबारा शुरू नहीं हुई है, लेकिन वरिष्ठ स्तर पर कूटनीतिक संपर्क जारी हैं।

थाईलैंड घूमने गए पांच भारतीयों में से चार अचानक हुए बेहोश, एक की मौत

नई दिल्ली। थाईलैंड के फुकेट से एक अजीबोगरीब घटना सामने आई है। थाइलैंड में घूमने गए चार भारतीय नागरिक एक कैफे में भोजन के दौरान अचानक बेहोश हो गए। इस रहस्यमयी घटना में एक भारतीय पर्यटक की दुखद मृत्यु हो गई है, जबकि तीन अन्य का अस्पताल में उपचार चल रहा है। थाईलैंड स्थित भारतीय दूतावास ने मामले की गंभीरता को देखते हुए इस घटना की पुष्टि की है और आवश्यक जानकारी साझा की है।

थाईलैंड में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'दूतावास थाई अधिकारियों के संपर्क में है और उस घटना पर करीब से नजर रख रहा है जिसमें 9 मई 2026 को फुकेट में चार भारतीय पर्यटक बेहोश हो गए थे और बाद में उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था।' भारतीय दूतावास ने कहा कि उनमें से एक युवा भारतीय पर्यटक की मौत पर हमारी गहरी संवेदनाएं। दूतावास के अधिकारी इस दुख की घड़ी में हर तरह की मदद देने के लिए मृतक के परिवार के संपर्क में हैं। हम संबंधित थाई अधिकारियों के संपर्क में हैं जो इस घटना की जांच कर रहे हैं और दूसरों की स्वास्थ्य की स्थिति पर भी नजर रख रहे हैं। बैंकॉक पोस्ट की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, पुलिस ने पुष्टि की है कि शनिवार सुबह फुकेट के एक कैफे में रहस्यमय तरीके से बेहोश होने के बाद 26 साल के एक भारतीय पर्यटक की मौत हो गई और तीन अन्य अभी भी हॉस्पिटल में हैं। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, यह घटना कथू जिले के कमला बीच इलाके में हुई। एक मशहूर कैफे में चार विदेशी पर्यटकों के बेहोश होने के बाद इमरजेंसी में मदद के लिए बुलाया गया।

पाकिस्तानः खैबर पख्तूनख्वा में हुए धमाके में दो पुलिसकर्मियों समेत सात की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में इन दिनों पुलिसकर्मियों को निशाना बनाकर हमला करने के मामले में तेजी देखने को मिल रही है। स्थानीय मीडिया ने लोकल पुलिस से मिली जानकारी के हवाले से बताया कि मंगलवार को पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के लक्की मरवत जिले की सेराई नौरंग तहसील में हुए एक धमाके में दो पुलिसकर्मियों समेत कम से कम सात लोग मारे गए।

पाकिस्तानी मीडिया डॉन ने लक्की मरवत जिले के पुलिस प्रवक्ता के हवाले से बताया कि इस घटना में 23 और लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह साफ नहीं है कि इलाके में विस्फोटक ले जा रहा रिक्शा खड़ा था या किसी सुसाइड बॉम्बर ने उसे उड़ा दिया।

बम डिस्पोजल स्क्वॉड के एक्सपर्ट ब्लास्ट की वजह का पता लगाने में लगे हुए हैं, जबकि मृतकों के शव को तहसील हेडक्वार्टर हॉस्पिटल ले जाया गया है, जबकि कुछ घायलों को बन्नू के हॉस्पिटल में ले जाया गया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आए वीडियो में ब्लास्ट में कई दुकानें और तीन पहिए वाली गाड़ी क्षतिग्रस्त दिखे। पुलिस अधिकारी ने कहा कि घटना की जगह पर बड़ी संख्या में पुलिस पहुंची। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, टीम ने इलाके को घेर लिया और सबूत इकट्ठा किए। यह घटना रविवार सुबह बन्नू में एक चेकपॉइंट पर हुए आत्मघाती हमले में कम से कम 15 पुलिसवालों के मारे जाने के बाद हुई।

इत्तेहाद-उल-मुजाहिदीन पाकिस्तान (आईएमपी) नाम के एक उग्रवादी समूह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए उस बम धमाके की जिम्मेदारी ली।

रिपोर्ट्स के अनुसार, शनिवार और रविवार की रात के बीच, हथियारबंद ग्रुप ने बन्नू में फतेह खेल पुलिस चेकपॉइंट में विस्फोटक से लदी गाड़ी घुसा दी, जिससे जबरदस्त धमाके के बाद स्ट्रक्चर मलबे में बदल गया।

पुलिस के मुताबिक, धमाके के बाद मिलिटेंट ने कई तरफ से अंधाधुंध फायरिंग की, जिससे घंटों भारी गोलीबारी हुई और धमाके हुए। इस धमाके से पूरे इलाके में दहशत फैल गई।

बन्नू रीजनल पुलिस ऑफिसर (आरपीओ) सज्जाद खान ने कहा कि हमले के दौरान चेकपॉइंट पर कुल 18 पुलिसवाले तैनात थे। पाकिस्तानी डेली एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने पुलिस अधिकारी के हवाले से कहा, 'उनमें से 15 मौके पर ही शहीद हो गए, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए।'

धमाके से आस-पास की रिहायशी इमारतों और दूसरी चीजों को भी बहुत नुकसान हुआ।

भारत और होंडुरास ने कला, योग और सांस्कृतिक एक्सचेंज में सहयोग बढ़ाने पर की चर्चा

तेगुसिगाल्पा। भारत के विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने मंगलवार को होंडुरास के संस्कृति, कला और विरासत सचिव यासर हंडाल कारकामो के साथ मीटिंग की। मीटिंग के दौरान दोनों नेताओं ने लोगों के बीच संबंध गहरे करने के साथ कला, योग, स्वास्थ्य, सिनेमा और संस्कृति एक्सचेंज में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

विदेश राज्य मंत्री मार्गेरिटा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, 'होंडुरास के संस्कृति, कला और विरासत सचिव यासर हंडाल कारकामो से मिलकर खुशी हुई। लोगों के बीच संबंध मजबूत करने और कला, योग, स्वास्थ्य, सिनेमा और संस्कृति एक्सचेंज में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई।'

सोमवार को, मार्गेरिटा द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के मकसद से एक आधिकारिक दौरे पर होंडुरास पहुंचीं। इसके बाद एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'होंडुरास पहुंच गया, यह जनवरी 2026 में होंडुरास में चुनाव और नई सरकार बनने के बाद भारत से पहला मंत्री स्तरीय दौरा है। भारत और होंडुरास के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के मकसद से होने वाली उच्च-स्तरीय बैठक का इंतजार है।' एमओएस मार्गेरिटा कोस्टा रिका का अपना दौरा खत्म करने के बाद होंडुरास पहुंचे। वहां उन्होंने कोस्टा रिका की नई चुनी गई राष्ट्रीय लॉरा फर्नांडीज के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया। कई मंत्रियों से मुलाकात की और भारतीय समुदाय से बातचीत की।

इजरायल ने ईरान संघर्ष के दौरान यूएई को आयरन डोम बैटरी भेजी : अमेरिकी राजदूत

तेल अवीव। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत माइक वॉल्ट्ज ने माना कि इजरायल ने यूएई को अपनी सुरक्षा पुख्ता करने के लिए आयरन डोम' मिसाइल रक्षा प्रणाली की बैटरियां और कुछ कर्मी भेजे थे।

वॉल्ट्ज ने सोमवार को यह टिप्पणी की थी, जिसे इजरायली अखबार 'इजरायल हयोम' ने प्रमुखता से छापा। वॉल्टेज के हवाले से लिखा कि 'हमने देखा कि यूएई ने इजरायल द्वारा उपलब्ध कराए गए आयरन डोम का उपयोग किया।'

वहीं, इस बात की पुष्टि इजरायल में अमेरिकी राजदूत माइक हकबी ने भी एक कार्यक्रम में की।

उन्होंने तेल अवीव सम्मेलन में कहा, 'मैं संयुक्त अरब अमीरात की सराहना करना चाहूंगा, जो अब्राहम समझौते का पहला सदस्य है। इसके लाभ देखे। इजरायल ने उन्हें आयरन डोम बैटरियां और उन्हें संचालित करने के लिए कर्मी भेजे।' इन बयानों से इजरायल और यूएई के बीच बढ़ते रक्षा सहयोग के संकेत मिलते हैं। हकबी ने यह भी कहा कि वह 'बहुत आशावादी' हैं कि मध्य पूर्व के अलावा विभिन्न देश जल्द ही अब्राहम समझौते में शामिल होंगे। यह 2020 का वह कूटनीतिक समझौता है जिसमें बहरीन और यूएई ने इजरायल को औपचारिक मान्यता दी थी। ये बयान ऐसे समय में आया है जब संयुक्त अरब अमीरात ने ईरान पर गुप्त सैन्य हमले किए। यह दावा वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में किया गया, जिसके मुताबिक अप्रैल में ईरान के लावान द्वीप स्थित ऑयल रिफाइनरी को निशाना बनाया गया था, जिससे वहां बड़ी आग लगी और उत्पादन लंबे समय तक प्रभावित रहा। हमला अप्रैल की शुरुआत में हुआ, उसी समय जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप संघर्ष विराम की घोषणा कर रहे थे। ईरान ने उस समय कहा था, ' रिफाइनरी दुश्मन के हमले में क्षतिग्रस्त हुई है।' इसके बाद तेहरान ने यूएई और कुवैत पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए थे।

एलजी टीएस संधू ने दिल्ली के पहले एंटी-नारकोटिक्स पुलिस स्टेशन को दी मंजूरी

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल टीएस संधू ने मंगलवार को राजधानी के पहले समर्पित एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) पुलिस स्टेशन को मंजूरी देते हुए वर्ष 2027 तक 'ड्रग-फ्री दिल्ली' का सामूहिक लक्ष्य निर्धारित किया।

एक अधिकारी ने बताया कि उपराज्यपाल ने मंगलवार को 72 करोड़ रुपए कीमत के 1,700 किलोग्राम जब्त मादक पदार्थों को नष्ट करने की प्रक्रिया शुरू करते हुए दो बड़े फैसलों की घोषणा की। एलजी संधू ने कहा, 'आज सुबह, मैं भी जहांगीरपुरी में जब्त नशीले पदार्थों को नष्ट करने की प्रक्रिया में शामिल हुआ। यह नशीले पदार्थों और संगठित अपराध के खिलाफ एक कड़ा संदेश है। उपराज्यपाल ने युवाओं से यह भी अपील की कि वे नशे से दूर रहें और एक उद्देश्यपूर्ण जीवन जीएं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, 'मैं युवाओं से आग्रह करता हूं कि वे साथियों के दबाव के बजाय अपने जीवन के उद्देश्य को चुनें। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि राष्ट्रीय राजधानी में नशीले पदार्थों के लिए कोई बाजार, कोई पनाहगाह और कोई स्वीकार्यता न हो।' संधू ने कहा कि दिल्ली पुलिस राष्ट्रीय राजधानी में नशीले पदार्थों के पूरे तंत्र को खत्म करने की दिशा में एक निर्णायक कदम उठा रही है। उन्होंने एक पोस्ट में कहा, 'पीएम मोदी के विजन और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संकल्प से प्रेरित होकर हमने 2027 तक 'नशामुक्त दिल्ली' का एक साझा लक्ष्य तय किया है।'

एलजी संधू ने कहा, 'इस मिशन को मजबूत करने के लिए मुझे दिल्ली के पहले डेडिकेटेड एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) पुलिस स्टेशन को मंजूरी देने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। हमारी रणनीति का मुख्य जोर नशीले पदार्थों के तस्करों की आर्थिक कमर तोड़ने पर है, साथ ही 'नशा नॉट कूल' जैसी पहलों के जरिए समुदाय में जागरूकता फैलाने को भी प्राथमिकता दी जा रही है।'

इससे पहले, एलजी ने दिल्ली पुलिस के एक कार्यक्रम की अध्यक्षता की, जिसमें कानून लागू करने वाली एजेंसियों द्वारा राष्ट्रीय राजधानी में गिरफ्तार किए गए झपटमारों और चोरों से बरामद किए गए 12,600 से ज्यादा फोन उनके असली मालिकों को लौटाए गए।

ओडीओपी-सीएफसी को जनभागीदारी से जोड़ने पर यूपी सरकार का जोर

लखनऊ। प्रदेश में पारंपरिक उद्योगों, हस्तशिल्प, बुनकरी और सूक्ष्म उद्यमों को नई मजबूती देने के लिए योगी सरकार लगातार प्रयासरत है। सरकार की मंशा है कि ओडीओपी योजना के तहत स्थापित कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) केवल सीमित लोगों तक न रहकर अधिक से अधिक कारीगरों, बुनकरों और सूक्ष्म उद्यमियों को आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षण और विपणन सुविधाओं से जोड़ें।

इसी उद्देश्य से मंगलवार को प्रदेश में संचालित 16 सीएफसी परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में कहा गया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई सीएफसी में सीमित लाभार्थियों की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया है कि योजनाओं का लाभ केवल कुछ सदस्यों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। इसी उद्देश्य से सीएफसी परियोजनाओं में 90 प्रतिशत तक सरकारी अनुदान और 10 प्रतिशत उद्यमियों का योगदान रखा गया है, ताकि छोटे उद्यमियों को आधुनिक मशीनरी, डिजाइन, परीक्षण, स्किल ट्रेनिंग और कॉमन टूल्स जैसी सुविधाएं सुलभ हो सकें। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान ने समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएफसी को जनहित से जोड़ते हुए व्यापक प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग इन सुविधाओं का लाभ उठा सकें। इसके लिए मोबाइल संदेश, पम्पलेट, उद्योग बंधु बैठकों और मीडिया माध्यमों का उपयोग करने को कहा गया। साथ ही सभी सीएफसी में 'सिटीजन चार्टर' प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए, जिससे लोगों को उपलब्ध सुविधाओं की स्पष्ट जानकारी मिल सके।

संक्षिप्त खबर

पश्चिम बंगाल में राशन से आटा हटाने का आदेश

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नवनियुक्त खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री अशोक कीर्तनिया ने मंगलवार को राज्य में राशन सामग्री की सूची से गेहूं के आटे (होल व्हीट फ्लोर) को हटाने का आदेश दिया। उन्होंने दावा किया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में सबसे ज्यादा घोटाले और भ्रष्टाचार आटे की सप्लाई में हो रहे हैं।

आईएएनएस से बातचीत में मंत्री किर्तानिया ने कहा कि जनता नई सरकार को काम करने के लिए एक सप्ताह का समय दे, जिसके बाद सरकार की कार्ययोजना स्पष्ट हो जाएगी। उन्होंने कहा, 'पार्टी (भाजपा) ने हमें बहुत बड़ी जिम्मेदारी दी है। पार्टी का मानना है कि बंगाल में सबसे बड़े घोटाले खाद्य और शिक्षा विभाग में हुए हैं।' किर्तानिया ने कहा कि उन्हें खाद्य विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है और वे पार्टी के भरोसे को बनाए रखने के लिए पूरी कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा, 'अब बहुत हो चुका। आगे कोई घोटाला नहीं होने दिया जाएगा।' उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी तरह के भ्रष्टाचार या घोटाले में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। मंत्री ने कहा, 'चाहे कोई अधिकारी हो या मिल मालिक, अगर कोई गलत काम में शामिल पाया गया तो उसे माफ नहीं किया जाएगा।'

खाद्य मंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में खाद्य विभाग का सबसे बड़ा घोटाला आटे को लेकर हो रहा है। उन्होंने बताया कि उन्होंने संबंधित अधिकारियों को राशन सूची से गेहूं का आटा हटाने के निर्देश दे दिए हैं।

हालांकि, अधिकारियों ने उन्हें बताया कि ऐसा करने से सरकार को नुकसान उठाना पड़ सकता है, क्योंकि बड़ी मात्रा में आटा पहले से स्टॉक में मौजूद है।

इस पर मंत्री ने स्पष्ट किया कि 'जितना आटा पहले से गेहूं पिसवाकर तैयार किया जा चुका है, केवल उसी का वितरण किया जाएगा। उसके बाद पश्चिम बंगाल के राशन में आटा शामिल नहीं रहेगा।'

इधर, राज्य के एक अन्य नवनियुक्त मंत्री दिलीप घोष ने मंगलवार को आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के अधिकांश नेता भ्रष्टाचार में शामिल हैं। यह बयान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा पूर्व मंत्री सुजीत बोस की नगरपालिका भर्ती भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तारी के एक दिन बाद आया है।

गौरतलब है कि पिछले सप्ताह भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के पहले भाजपा मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। उनके साथ पांच अन्य विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली थी।

पॉक्सो मामले में अंतरिम जमानत के लिए तेलंगाना हाईकोर्ट पहुंचे केंद्रीय मंत्री बंदी संजय के बेटे

हैदराबाद। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार के बेटे बंदी भागीरथ ने पॉक्सो मामले में अंतरिम जमानत की मांग करते हुए तेलंगाना हाईकोर्ट का रुख किया है। गर्मी की छुट्टियां चल रही हैं, इसलिए यह याचिका अवकाशकालीन पीठ के समक्ष दाखिल की गई है। इस पर 14 मई को सुनवाई होगी।

8 मई को साइबराबाद कमिश्नरेट के पेट बशीराबाद पुलिस स्टेशन में बंदी भागीरथ के खिलाफ पॉक्सो कानून के तहत मामला दर्ज किया गया था। उन पर 17 वर्षीय लड़की के यौन उत्पीड़न का आरोप है।

पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने पॉक्सो एक्ट की धारा 11 और 12 तथा भारतीय न्याय संहिता की धारा 74 और 75 के तहत मामला दर्ज किया। इससे पहले 25 वर्षीय भागीरथ ने करीमनगर के टाउन पुलिस स्टेशन में लड़की और उसके माता-पिता के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि लड़की और उसके परिवार ने उन्हें हनी ट्रैप में फंसाने की कोशिश की और पुलिस में शिकायत दर्ज न कराने के बदले 5 करोड़ रुपए मांगे। उनकी शिकायत पर पुलिस ने लड़की और उसके माता-पिता के खिलाफ जबरन वसूली, आपराधिक धमकी, आपराधिक साजिश और साझा मंशा से जुड़े विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। बंदी संजय ने अपने बेटे पर लगे आरोपों से इनकार किया है। उनका कहना है कि राजनीतिक विरोधी उनकी छवि खराब करने के लिए झूठे आरोप लगा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को पुलिस महानिदेशक सी.वी. आनंद को बंदी भागीरथ के खिलाफ दर्ज पॉक्सो मामले की तुरंत जांच शुरू करने का निर्देश दिया। डीजीपी को इस मामले की व्यापक जांच के लिए विशेष टीमें गठित करने को कहा गया। मामला नाबालिग लड़की के कथित यौन उत्पीड़न से जुड़ा है। मुख्यमंत्री ने डीजीपी से यह भी सवाल किया कि 8 मई को शिकायत दर्ज होने के बावजूद कार्रवाई में देरी क्यों हुई? मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद साइबराबाद पुलिस आयुक्त ने डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस रितिराज को मामले की जांच की व्यक्तिगत निगरानी करने को कहा।

टीवीके ने किसी भी फंक्शन पर सार्वजनिक जगहों पर बैनर-होर्डिंग न लगाने की हिदायत दी

चेन्नई। तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के जनरल सेक्रेटरी और मंत्री एन. आनंद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बयान जारी कर पार्टी कैडर को जन्मदिन या पारिवारिक फंक्शन के दौरान सार्वजनिक जगहों पर बैनर, होर्डिंग या फ्लेक्स बोर्ड न लगाने की हिदायत दी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी गतिविधि से जनता को परेशानी नहीं होनी चाहिए या ट्रैफिक में रुकावट नहीं आनी चाहिए।

पार्टी मुख्यालय से जारी एक बयान में आनंद ने कहा कि टीवीके की स्थापना तमिलनाडु के लोगों की भलाई के लिए काम करने के एकमात्र मकसद से की गई थी और कैडर को याद दिलाया कि मुख्यमंत्री और पार्टी अध्यक्ष विजय ने लोगों का भरोसा जीतने के बाद उन्हें एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से जिम्मेदारी से पेश आने और सड़कों, भीड़भाड़ वाली पब्लिक जगहों या ऐसी जगहों पर बैनर लगाने या सेलिब्रेशन में शामिल होने से सख्ती से बचने की अपील की, जिनसे ट्रैफिक में रुकावट आ सकती है। बयान में आगे चेतावनी दी गई कि बैनर, सेलिब्रेशन या इसी तरह की एक्टिविटी से जनता को परेशानी पहुंचाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, यह घोषणा पार्टी अध्यक्ष की मंजूरी से की गई थी। बता दें कि तमिलनाडु में पहली डीएमके और एआईएडीएमके के अलावा कोई अन्य पार्टी का सीएम बना है। विजय ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने सीएम पद की शपथ लेने के बाद कहा था कि आज मुझे तमिलनाडु की मौजूदा हालत के बारे में बात करनी है।

राहुल गांधी की बैठक के बाद केसी वेणुगोपाल का नाम लगभग तय!

केरल। केरल में मुख्यमंत्री पद की दौड़ में केसी वेणुगोपाल सबसे आगे निकल गए हैं, जिन्हें राहुल गांधी के साथ हुई अहम बैठक के बाद पार्टी के अधिकांश वरिष्ठ नेताओं का समर्थन मिला है। अंतिम निर्णय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और सोनिया गांधी की चर्चा के बाद लिया जाएगा, जिससे राज्य में जारी राजनीतिक अनिश्चितता समाप्त हो सकती है।

केरल के मुख्यमंत्री पद की दौड़ में अब सिर्फ तीन नेता ही मैदान में बचे हैं। हालांकि, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की पार्टी के कई नेताओं के साथ हुई अहम बैठक के बाद केसी वेणुगोपाल की संभावनाओं को बड़ा बल मिला है। गांधी ने सोनिया गांधी के जनपथ स्थित 10वें आवास पर केरल के कई पार्टी नेताओं से मुलाकात की, जिनमें पूर्व राज्य इकाई प्रमुख, कार्यकारी अध्यक्ष और अन्य प्रमुख नेता शामिल थे। इस बैठक में केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एम एम हसन, के सुधाकरन और मुरलीधरन, केरल कांग्रेस अनुशासन समिति के प्रमुख थिरुवनचूर राधाकृष्णन, साथ ही कार्यकारी अध्यक्ष शफी परम्बिल, ए पी अनिल कुमार और पी सी विश्वनाथ भी उपस्थित थे।

हिंदुस्तान टाइम्स के अनुसार, केरल कांग्रेस के पांच पूर्व अध्यक्षों और केपीसीसी के तीन कार्यकारी अध्यक्षों में से सात ने वेणुगोपाल को केरल के अगले मुख्यमंत्री के रूप में समर्थन दिया है।

साइबर अपराध पर सख्ती: म्यूल अकाउंट्स की पहचान के लिए सरकार ने उठाया बड़ा कदम

नई दिल्ली। साइबर अपराध रोकने के लिए म्यूल अकाउंट की पहचान की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। गृह मंत्री अमित शाह ने बताया कि म्यूल अकाउंट्स की तेजी से पहचान के लिए आज भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने रिजर्व बैंक इनोवेशन हब के साथ एक समझौता किया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए एक पोस्ट में गृह मंत्री अमित शाह ने लिखा कि मोदी सरकार साइबर सुरक्षित भारत बनाने के लिए लगातार काम कर रही है।

उन्होंने लिखा कि साइबर अपराध रोकने में म्यूल अकाउंट्स बड़ी बाधा हैं। गृह मंत्रालय के तहत भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने रिजर्व बैंक इनोवेशन हब के साथ एक समझौता किया, जिससे साइबर धोखाधड़ी से लड़ने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की ताकत का इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस पहल के तहत भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र की संदिग्ध खातों की सूची का डाटा एआई आधारित फ्रॉड डिटेक्शन सिस्टम में डाला जाएगा, जिससे छिपे हुए म्यूल अकाउंट्स की तेजी से पहचान कर उन्हें बंद किया जा सकेगा। यह कदम नागरिकों को साइबर अपराध से बचाने के लिए अगली पीढ़ी की सुरक्षा ढाल के रूप में काम करेगा।

देश में साइबर अपराध तेजी से बढ़ी रहा है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में तेजी से बढ़ते डिजिटल विस्तार के मुकाबले साइबर सुरक्षा की तैयारियां पीछे रह गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, रैनसमवेयर, फिशिंग, डाटा चोरी और साइबर जासूसी के मामलों में तेज बढ़ोतरी हुई है, जिससे महत्वपूर्ण ढांचे, वित्तीय सिस्टम और आम नागरिकों को खतरा पैदा हो रहा है।

इंडिया नैरेटिव की रिपोर्ट में साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की कमी की ओर ध्यान दिलाया गया और सुझाव दिया गया कि विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों को अपने मुख्य पाठ्यक्रम में साइबर सुरक्षा को शामिल करना चाहिए और विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम बढ़ाने चाहिए।

रिपोर्ट में कहा गया कि डिजिटल पेमेंट से जुड़ी वित्तीय धोखाधड़ी अब आम होती जा रही है। सरकारी वेबसाइट्स, स्वास्थ्य डाटा बेस और यहां तक कि बिजली से जुड़ी व्यवस्थाओं पर भी साइबर हमलों की कोशिशें हुई हैं।

दिल्ली में लोगों को लौटाए गए 12,600 चोरी हुए मोबाइल, एलजी ने 'ऑपरेशन विश्वास' की सराहना की

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल टीएस संधू ने मंगलवार को प्रौद्योगिकी-सक्षम पुलिसिंग का एक शानदार उदाहरण देते हुए दिल्ली पुलिस के एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया, जिसमें शहर भर में गिरफ्तार किए गए झपटमारों और चोरों से बरामद किए गए 12,600 से अधिक मोबाइल फोन उनके मूल मालिकों को लौटाए गए।

एलजी टीएस संधू ने पुलिस द्वारा मोबाइल फोन लौटाकर लोगों के चेहरों पर लाई गई मुस्कान की सराहना करते हुए कहा, 'मुझे जानकारी मिली है कि इस साल दिल्ली पुलिस ने लगभग 16,000 डिवाइस बरामद किए हैं, जिनकी रिकवरी दर 74 प्रतिशत है। आज सभी जिलों में एक साथ 12,600 से अधिक मोबाइल फोन सौंपे जा रहे हैं। ये आंकड़े तकनीक-आधारित पुलिसिंग की ताकत को दर्शाती हैं।' दिल्ली पुलिस द्वारा गुम हुए, चोरी हुए या छीने गए मोबाइल फोन का पता लगाने और उन्हें उनके असली मालिकों को लौटाने के उद्देश्य से चलाई जा रही 'ऑपरेशन विश्वास' की सराहना करते हुए एलजी ने नागरिकों से अपराध का मुकाबला करने में कानून प्रवर्तकों का साथ देने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा, केवल तकनीक से ऐसे परिणाम नहीं मिल सकते। बरामद किए गए हर मोबाइल फोन के पीछे पुलिस कर्मियों की कड़ी मेहनत होती है, कांस्टेबल सुरागों का पीछा करते हैं, अधिकारी सत्यापन का समन्वय करते हैं, तकनीकी टीमें इनपुट का विश्लेषण करती हैं और जिला इकाइयां गतिविधियों पर नजर रखती हैं।

ओडिशा : बेलपहाड़ हत्या मामले के मुख्य आरोपी पुलिस मुठभेड़ में घायल

भुवनेश्वर। ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले के बेलपहाड़ में हुए हत्या मामले के दो मुख्य आरोपी पुलिस के साथ मुठभेड़ में घायल हो गए। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि आरोपियों को पकड़ने के दौरान दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी हुई, जिसमें आरोपियों के पैर में गोली लगी।

झारसुगुड़ा के पुलिस अधीक्षक जीआर राघवेंद्र ने मीडिया को बताया कि बेलपहाड़ हत्या मामले में शामिल अपराधियों के खिलाफ पुलिस ने कड़ी कार्रवाई की है।

उन्होंने कहा, 'कल इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। मंगलवार सुबह सूचना मिली कि दो मुख्य आरोपी कार्लाखामन यूपी स्कूल के पास सगुआन जंगल में छिपे हुए हैं। सूचना मिलते ही बेलपहाड़ पुलिस मौके पर पहुंची। कार्रवाई के दौरान आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने नियंत्रित जवाबी फायरिंग की, जिसमें सुनील महानंद उर्फ तब्बू और चंद बंछोर घायल हो गए।'

एसपी राघवेंद्र ने बताया कि चंद बंछोर के खिलाफ संबलपुर जिले के बुर्ला थाने में चोरी और दंगा समेत तीन मामले दर्ज हैं, जबकि सुनील महानंद पर पॉक्सो एक्ट, चोरी और डकैती की कोशिश सहित सात मामले लंबित हैं। घायल दोनों आरोपियों को पहले नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, बाद में उन्हें झारसुगुड़ा जिला मुख्यालय अस्पताल रेफर किया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद पुलिस उन्हें औपचारिक रूप से गिरफ्तार करेगी। जानकारी के मुताबिक, मुख्य आरोपी चंद बंछोर और सुनील महानंद रविवार को अपने रिश्तेदार रिंकी बंछोर के घर आए थे। वहां से वे प्रदीप बंछोर और पुष्पा बंछोर के साथ किराए की चारपहिया गाड़ी से संबलपुर के बुर्ला लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी गाड़ी कथित तौर पर आकाश साहू और राहुल महतो की बाइक से टकरा गई, जिसके बाद दोनों पक्षों में विवाद हो गया। आरोप है कि गुस्से में आकर चंद और सुनील ने गाड़ी से धारदार हथियार निकाला और दोनों युवकों पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल राहुल महतो को पास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, आकाश साहू को इलाज के लिए झारसुगुड़ा जिला मुख्यालय अस्पताल भेजा गया। घटना के बाद पुलिस ने प्रदीप बंछोर, पुष्पा बंछोर और चालक चूड़ामणि कलेट को हिरासत में ले लिया था, जबकि मुख्य आरोपी चंद और सुनील फरार चल रहे थे।

एस्ट्रोनॉट्स की सेहत में भोजन और व्यायाम की अहम भूमिका, जानें जीरो ग्रैविटी के प्रभाव

नई दिल्ली। अंतरिक्ष में लंबे मिशनों के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों की शारीरिक और मानसिक सेहत बनाए रखना स्पेस एजेंसिज के लिए सबसे बड़ी चुनौती होती है। माइक्रोग्रेविटी के कारण शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने में भोजन, पोषण और रोजाना व्यायाम सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा इन पहलुओं को विशेष रूप से तैयार कार्यक्रमों के जरिए प्रबंधित करता है ताकि एस्ट्रोनॉट्स मिशन के दौरान स्वस्थ और फिट रहें। अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य को बनाए रखने में पोषण की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मिशन से पहले, दौरान और बाद में भी सही पोषण उन्हें बेहतर प्रदर्शन करने में मदद करता है। स्पेस स्टेशन पर भोजन न सिर्फ शारीरिक जरूरत पूरी करता है बल्कि मनोवैज्ञानिक और सामाजिक रूप से भी महत्व रखता है। नासा की स्पेस फूड सिस्टम्स लेबोरेटरी (ह्यूस्टन) के विशेषज्ञ पौष्टिक और स्वादिष्ट खाद्य पदार्थ तैयार करते हैं। अंतरिक्ष यात्रियों को अपने पसंदीदा व्यंजन चुनने का विकल्प भी दिया जाता है।लंबे मिशन में यह मनोबल बनाए रखने में सहायक सिद्ध होता है। नासा के पोषण विशेषज्ञ अंतरिक्ष यात्रियों की जरूरत के अनुसार विटामिन, खनिज और कैलोरी का सही संतुलन तय करते हैं। प्रत्येक यात्री रोजाना एक टैबलेट आधारित ऐप के जरिए अपना पूरा आहार लॉग करता है। इस डेटा की साप्ताहिक समीक्षा की जाती है। साथ ही मिशन से पहले, दौरान और बाद में रक्त व मूत्र के नमूनों का विश्लेषण कर शरीर की प्रतिक्रिया का अध्ययन किया जाता है। इससे पता चलता है कि सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण, विकिरण और अन्य कारकों में शरीर कैसे अनुकूलित हो रहा है।

अब सवाल है कि एस्ट्रोनॉट्स के लिए व्यायाम क्यों जरूरी है? वैज्ञानिक बताते हैं कि सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण न होने से हड्डियां कमजोर होने लगती हैं, मांसपेशियां सिकुड़ती हैं और हृदय संबंधी स्वास्थ्य प्रभावित होता है। इन प्रभावों से बचने के लिए अंतरिक्ष स्टेशन पर हर यात्री को प्रतिदिन ढाई घंटे व्यायाम करना अनिवार्य है। यह व्यायाम कार्यक्रम मांसपेशियों की शक्ति, हड्डियों की घनत्व, एरोबिक क्षमता और संवेदी-मोटर स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए तैयार किया जाता है।

स्टेशन पर उपलब्ध मुख्य उपकरणों में शामिल हैं: - एआरईडी यानी एडवांस्ड रेसिस्टिव एक्सरसाइज डिवाइस, टी2 ट्रेडमिल - चलने और दौड़ने के लिए और सीईवीआईएस यानी साइकिल एर्गोमीटर - हृदय स्वास्थ्य के लिए। नासा के फ्लाई सर्जन प्रत्येक यात्री की व्यक्तिगत स्थिति के अनुसार आहार और फिटनेस दिनचर्या तय करते हैं क्योंकि हर व्यक्ति का शरीर अंतरिक्ष प्रभावों पर अलग-अलग प्रतिक्रिया देता है। शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए भी एस्ट्रोनॉट्स को परिवार से संपर्क, वीडियो कॉल, क्रू केयर पैकेज और जरूरत पड़ने पर मनोवैज्ञानिक सहायता उपलब्ध कराने की सुविधा मिलती है।

कंधों में अकड़न, पीठ-कूल्हे में दर्द, या खराब पोस्चर का अस्थमा से कनेक्शन, गोमुखासन से सुधरेगी सेहत

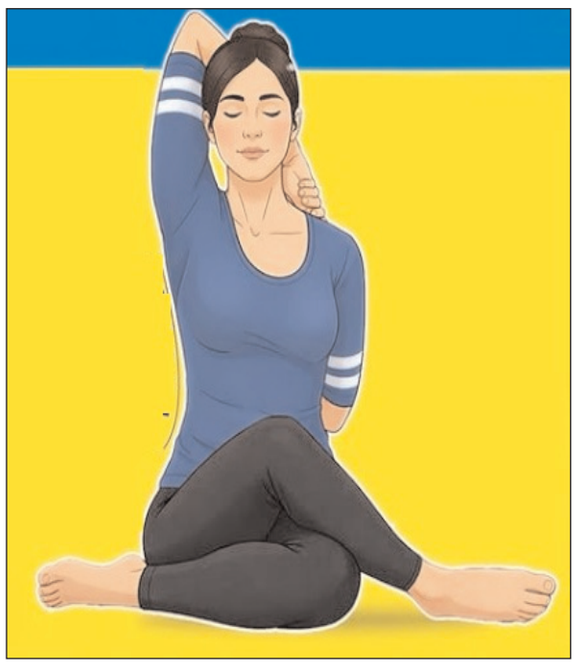

नई दिल्ली । आधुनिक जीवनशैली में लंबे समय तक बैठे रहने, कम शारीरिक गतिविधि और तनाव के कारण कई स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो रही हैं। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने इन समस्याओं के समाधान के लिए गोमुखासन की सलाह दी है। मंत्रालय के अनुसार, सांस लेने में दिक्कत, कंधों में अकड़न, शरीर की खराब पोस्चर और शरीर के निचले हिस्से में समस्याओं का संबंध अस्थमा से हो सकता है।

मंत्रालय के अनुसार, बेचैनी समेत अन्य परेशानियां अक्सर मांसपेशियों में खिंचाव, तनाव और गतिशीलता की कमी के कारण होती हैं। आपका अस्थमा, कंधों में अकड़न, पीठ में कमजोरी, कूल्हे में दर्द या खराब पोस्चर भी टाइट मसल्स और कम मूवमेंट से जुड़ा हो सकता है। ऐसे में इन समस्याओं को दूर करने और शरीर को संतुलित रखने के लिए आयुष मंत्रालय गोमुखासन के नियमित अभ्यास की सलाह देता है।

आयुष मंत्रालय विश्व योग दिवस की तैयारियों के तहत आम लोगों को ऐसे सरल और प्रभावी योगासनों के बारे में जानकारी दे रहा है, जिन्हें घर पर आसानी से किया जा सकता है। गोमुखासन उन लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है जो डेस्क जॉब करते हैं या लंबे समय तक एक ही मुद्रा में रहते हैं।

गोमुखासन छाती को खोलने, कंधों और कूल्हों को अच्छी तरह स्ट्रेच करने व रीढ़ की हड्डी को बेहतर बनाने में मददगार है। यह आसन शरीर के संतुलन और आराम के लिए बेहद फायदेमंद है। इसका नियमित अभ्यास श्वसन स्वास्थ्य को सुधारता है और लंबे समय तक बैठे रहने या शारीरिक निष्क्रियता से पैदा हुए मांसपेशियों के तनाव को कम करने में मदद करता है।

गोमुखासन के अभ्यास से शारीरिक व मानसिक फायदे मिलते हैं। इसके अभ्यास से छाती खुलती है, जिससे सांस लेना आसान होता है और अस्थमा जैसी समस्याओं में राहत मिलती है। कंधों और पीठ की अकड़न दूर होती है। कूल्हों और निचले शरीर के जोड़ों की लचक बढ़ती है। रीढ़ की हड्डी सीधी होती है, जिससे पोस्चर सुधरता है। शरीर में तनाव कम होता है और मानसिक शांति मिलती है।

हालांकि, गोमुखासन का अभ्यास सही तरीके से और उचित मार्गदर्शन में करना चाहिए। शुरुआत में अगर कठिनाई हो तो धीरे-धीरे अभ्यास बढ़ाएं।

गर्भवती महिलाएं, घुटने या कंधे की गंभीर समस्या वाले व्यक्ति डॉक्टर या योग विशेषज्ञ की सलाह के बाद ही करें।

अस्थमा में राहत दिलाने में मददगार सूर्य मुद्रा, तनाव को कम कर दिमाग को करती है शांत

नई दिल्ली । आज के समय में बढ़ते प्रदूषण के चलते लोगों में सांस से जुड़ी परेशानियां ज्यादा देखी जा रही हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक कई लोग अस्थमा, एलर्जी, खांसी और सांस फूलने जैसी दिक्कतों से परेशान हैं। ऐसे में दवाइयों के साथ-साथ योग भी मददगार साबित हो सकता है। योग में कई ऐसी मुद्राएं हैं, जो शरीर को अंदर से मजबूत बनाने का काम करती हैं। इन्हीं में से एक है सूर्य मुद्रा, जिसे सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है।

आयुष मंत्रालय के मुताबिक, सूर्य मुद्रा शरीर में ऊर्जा बढ़ाने का काम करती है। यह मुद्रा शरीर के अंदर मौजूद अग्नि तत्व को मजबूत करती है। जब शरीर में यह तत्व सही तरीके से काम करता है, तब पाचन बेहतर होता है, शरीर में ताकत बनी रहती है और सांस लेने की प्रक्रिया भी ठीक रहती है। यही वजह है कि सूर्य मुद्रा को अस्थमा जैसी सांस की बीमारियों में सहायक माना जाता है।

सूर्य मुद्रा करने के लिए अनामिका उंगली को मोड़कर अंगूठे से हल्का दबाया जाता है और बाकी उंगलियों को सीधा रखा जाता है। योग में अनामिका उंगली को पृथ्वी तत्व से जोड़ा जाता है, जबकि अंगूठा अग्नि तत्व का प्रतीक माना जाता है। जब अंगूठा अनामिका पर दबाव बनाता है, तब शरीर में गर्मी बढ़ती है और भारीपन कम होने लगता है।

योग विशेषज्ञों का मानना है कि इससे शरीर में जमा कफ कम करने में मदद मिलती है। अस्थमा की परेशानी में सांस की नलियों में सूजन आ जाती है और कफ जमने लगता है। इसकी वजह से मरीज को सांस लेने में दिक्कत होती है। सूर्य मुद्रा शरीर में गर्मी बढ़ाकर कफ को कम करने में मदद करती है। साथ ही यह शरीर में ऑक्सीजन के बहाव को बेहतर बनाती है। जब फेफड़ों तक सही मात्रा में ऑक्सीजन पहुंचती है, तब सांस लेने में राहत महसूस होती है।

हालांकि डॉक्टरों का कहना है कि अस्थमा में दवाइयां जरूरी हैं और योग को सिर्फ सहायक तरीके के रूप में अपनाना चाहिए।

सूर्य मुद्रा के कई फायदे हैं। यह शरीर की अतिरिक्त चर्बी घटाने में मदद करती है। इसके अलावा, यह पेट से जुड़ी समस्याओं में भी फायदेमंद मानी जाती है।

गूगल सर्च में आई रुकावट, इंटरनल सर्वर एरर बनी वजह

नई दिल्ली। अमेरिकी टेक कंपनी अल्फाबेट के गूगल सर्च में मंगलवार की सुबह वैश्विक स्तर पर यूजर्स को रुकावट (आउटेज) का सामना करना पड़ा। यह भारत के साथ अमेरिका और अन्य रीजन में भी देखने को मिला।

गूगल सर्च लॉग इन करने वाले कई यूजर्स को स्क्रीन पर एक मैसेज दिखाई दिया, जिसमें लिखा था कि हमें खेद है, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि आपके अनुरोध को प्रोसेस करते समय इंटरनल सर्वर एरर आ गई है। हमारे इंजीनियरों को सूचित कर दिया गया है और वे समस्या का समाधान करने के लिए काम कर रहे हैं। कृपया बाद में पुनः प्रयास करें।

गूगल सर्च में रुकावट की ऑनलाइन आउटेज ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया पर यूजर्स ने शिकायत की, अकेले भारत से ही कुछ ही समय में सैकड़ों शिकायतें सामने आईं।

इसके अलावा, इस समस्या को '500 इंटरनल सर्वर एरर' के रूप में पहचाना गया, जो आमतौर पर सर्वर में समस्या की ओर इशारा करता है, न कि यूजर्स के उपकरणों या इंटरनेट कनेक्शन में किसी समस्या को।

यह एरर आमतौर पर तब होती है जब बैकएंड इंफ्रास्ट्रक्चर में तकनीकी समस्याओं के कारण यूजर्स के ब्राउजर और कंपनी के सर्वरों के बीच संचार बाधित हो जाता है।

इसके अलावा, कई उपयोगकर्ताओं ने बताया कि आउटेज की अवधि के दौरान वे बीच-बीच में सर्च करने या रिजल्ट देखने में असमर्थ थे।

इससे पहले, एआई सेवाओं सहित कई टेक्नोलॉजी प्लेटफार्मों में भी आउटेज की समस्या आई थी।

मार्च में, चीन के लोकप्रिय एआई चैटबॉट डीपसीक को अपने इतिहास में सबसे बड़े आउटेज में से एक का सामना करना पड़ा, जिसके चलते प्लेटफार्म कथित तौर पर सात घंटे से अधिक समय तक ऑफलाइन रहा।

इसी तरह, इंस्टाग्राम के यूजर्स ने उसी महीने व्यापक समस्याओं की सूचना दी, जो मुख्य रूप से डायरेक्ट मैसेज (डीएम) तक पहुंच न होने और चैट थीम के गायब होने से संबंधित थीं।

यूजर्नेस इंस्टाग्राम के सबरेडिट और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर भी सर्च सुविधा का उपयोग करने या संपर्क देखने में असमर्थ होने की शिकायतें पोस्ट कीं।

फरवरी में, यूट्यूब में भी ग्लोबल आउटेज हुआ था। प्लेटफार्म ने बाद में पुष्टि की कि सेवाएं बहाल कर दी गई हैं, और टीम यूट्यूब ने एक्स पर पोस्ट किया कि समस्या को पूरे प्लेटफार्म पर ठीक कर दिया गया है।

'विपरीत परिस्थितियों में नई आशा', अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस पर नर्सों की सेवा और समर्पण को नेताओं का नमन

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता समेत कई भाजपा नेताओं ने नर्सों को शुभकामनाएं दीं और उनके योगदान को सराहा। साथ ही, उन्होंने नर्सों को सेवा, संवेदना और समर्पण की मिसाल बताया।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'सेवा, संवेदना और समर्पण की सजीव प्रतिमूर्ति 'नर्सें' स्वास्थ्य व्यवस्था की सशक्त आधारशिला हैं। अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस की सभी नर्सिंग कर्मियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। विपरीत परिस्थितियों में भी आपका सतत प्रयास समाज को नई आशा और संबल प्रदान करता है।'

दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने भी नर्सों के समर्पण, धैर्य और संवेदनशीलता को प्रेरणा स्त्रोत बताया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'निस्वार्थ सेवा और अटूट कर्तव्यनिष्ठा से मानवता की सेवा करने वाली सभी नर्सों को अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। कठिन से कठिन परिस्थितियों में आपकी सेवा, धैर्य और संवेदनशीलता मानवता के लिए प्रेरणास्रोत हैं। समाज आपके इस अमूल्य योगदान का सदैव ऋणी रहेगा।'

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'चिकित्सा क्षेत्र में निस्वार्थ भाव से सेवारत समस्त नर्सिंग कर्मियों को अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! मानव सेवा के प्रति आपका समर्पण प्रत्येक परिस्थिति में समाज को नई आशा और संबल प्रदान करता है। स्वस्थ राजस्थान एवं स्वस्थ भारत के निर्माण में आपकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायी है।'

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'देश में नर्सिंग सेवा से जुड़े सभी कर्मियों व नर्सों को 'अंतरराष्ट्रीय

खुद को कैसे फिट और फाइन रखते हैं अमिताभ बच्चन, प्रशंसकों को खुद बताया सीक्रेट

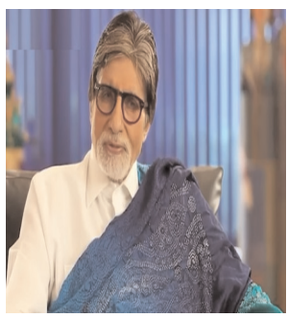

नई दिल्ली। विश्व योग दिवस के करीब आने के साथ ही भारत सरकार का आयुष मंत्रालय योग को जन-जन तक पहुंचाने के लिए लगातार नए प्रयास कर रहा है। मंत्रालय नए योगासनों की विस्तृत जानकारी, उनके फायदे और सही करने की विधि साझा कर आम लोगों को योग के प्रति लगातार प्रेरित कर रहा है। इसी क्रम में मंत्रालय ने अभिनेता अमिताभ बच्चन का एक वीडियो अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया है।

पोस्ट किए पुराने वीडियो में अमिताभ बच्चन आमजन को अपने स्वास्थ्य का राज बताते हुए रोजाना योग करने की सलाह दे रहे हैं। मंत्रालय ने वीडियो के साथ कैप्शन लिखा, 'अमिताभ बच्चन से मिली प्रेरणा, जो आज आपको मैट पर ले आएगी यानी आप योगासन के प्रति उत्सुक होंगे। जब इस दिग्गज हस्ती ने खुद एक समृद्ध जीवन का अपना राज साझा किया था।'

वहीं, वीडियो में अमिताभ बच्चन स्पष्ट शब्दों में कहते नजर आते हैं, 'मैं हर रोज योग करता हूं। इसने मेरे जीवन को संवारा और समृद्ध किया है। योग को अपनाकर जीवन को उसकी पूरी क्षमता के साथ जिया जा सकता है। ध्यान रखें कि योग हमेशा उचित मार्गदर्शन और परामर्श के साथ ही करना चाहिए। आयुष मंत्रालय का यह कदम विश्व योग दिवस (21 जून) की तैयारियों को और मजबूत बनाता है। मंत्रालय पहले भी कई योग गुरुओं, स्वास्थ्य विशेषज्ञों और सेलिब्रिटीज के माध्यम से योग के महत्व पर जागरूकता फैला रहा है। जो न केवल युवा बल्कि बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक के लिए फायदेमंद है।वास्तव में योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि मानसिक शांति और आध्यात्मिक विकास के लिए भी बेहद उपयोगी है। नियमित योगाभ्यास से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, तनाव कम होता है, नींद अच्छी आती है और ऊर्जा का स्तर बना रहता है। आयुष मंत्रालय विभिन्न योगासनों की विधि, सावधानियां और लाभों पर लगातार जानकारी दे रहा है।

आईपीएल 2026: गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 82 रन से हराया

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस (जीटी) ने मंगलवार को सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 56वें मुकाबले को 82 रन से अपने नाम किया। इस जीत के साथ जीटी ने 16 अंकों के साथ शीर्ष स्थान अपने नाम कर लिया है।

गुजरात टाइटंस 12 मुकाबलों में 8 जीत के साथ प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है, जबकि सनराइजर्स हैदराबाद 12 मुकाबलों में पांचवीं हार के बाद तीसरे पायदान पर है। मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स प्लेऑफ की रेस से पहले ही बाहर है।

नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात टाइटंस ने 5 विकेट खोकर 168 रन बनाए। इस टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। जीटी को महज 26 के स्कोर तक दो झटके लग गए थे। इसके बाद साईं सुदर्शन ने निशांत संधु के साथ तीसरे विकेट के लिए 38 रन की साझेदारी की।

संधु 14 गेंदों में 22 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद साईं सुदर्शन ने वॉशिंगटन सुंदर के साथ चौथे विकेट के लिए 41 गेंदों में 60 रन जोड़कर टीम को चुनौतीपूर्ण स्थिति में पहुंचा दिया। सुदर्शन 44 गेंदों में 2 छक्कों और 5 चौकों के साथ 61 रन बनाकर आउट हुए। यहां से वॉशिंगटन ने जेसन होल्डर के साथ पांचवें विकेट के लिए 40 रन जुटाए। वॉशिंगटन 33 गेंदों में 1 छक्के और 7 चौकों के साथ 50 रन बनाकर आउट हुए। विपक्षी खेमे से प्रफुल हिंगे और साकिब हुसैन ने 2-2 विकेट निकाले। पैट कमिंस के नाम 1 विकेट रहा।

इसके जवाब में सनराइजर्स हैदराबाद 14.5 ओवरों में महज 86 रन पर सिमट गई। इस टीम को पारी की चौथी गेंद पर ट्रेविस हेड (0) के रूप में बड़ा झटका लग गया था। उस समय तक टीम का खाता भी नहीं खुल सका था। इसके बाद टीम ने 6 के स्कोर पर अभिषेक शर्मा (6) का विकेट भी गंवा दिया।

यहां से ईशान किशन (11) ने स्मरण रविचंद्रन (9) के साथ तीसरे विकेट के लिए 17 रन जुटाए। हेनरिक क्लासेन (14) ने सलिल अरोड़ा के साथ पांचवें विकेट के लिए 23 गेंदों में 24 रन जोड़े, लेकिन यह साझेदारी टीम को जीत दिलाने के लिए नाकाफी थी। सलिल ने टीम के खाते में 16 रन का योगदान दिया, जबकि पैट कमिंस ने 19 रन जोड़े। विजेता टीम की तरफ से कगिसो रबाडा और जेसन होल्डर ने 3-3 विकेट निकाले। प्रसिद्ध कृष्णा को 2 विकेट हाथ लगे। मोहम्मद सिराज और राशिद खान ने 1-1 विकेट निकाला।

पाकिस्तान के नोमान अली ने रचा इतिहास, टेस्ट क्रिकेट में 100 विकेट लेने वाले सबसे उम्रदराज गेंदबाज बने

ढाका। बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच खेले जा रहे 2 टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट के पांचवें दिन पाकिस्तान के बाएं हाथ के स्पिनर नोमान अली ने इतिहास रचा। नोमान टेस्ट क्रिकेट में 100 विकेट पूरे करने वाले सबसे उम्रदराज गेंदबाज बन गए हैं।

नोमान अली ने पारी में 3 विकेट लिए। इस दौरान दूसरे विकेट के रूप में मेहदी हसन मिराज का विकेट लेते ही टेस्ट क्रिकेट में उनके 100 विकेट पूरे हो गए। नोमान ने 39 साल 217 दिन की उम्र में अपने 100 विकेट पूरे किए और टेस्ट क्रिकेट में इस उपलब्धि को हासिल करने वाले सबसे उम्रदराज गेंदबाज बने। इस मामले में नोमान ने इंग्लैंड के बॉबी पील को पीछे छोड़ा। बॉबी ने 1896 में 39 साल 180 दिन की उम्र में 100 विकेट लिए थे।

टेस्ट क्रिकेट में 100 विकेट लेने वाले सबसे उम्रदराज गेंदबाजों में इंग्लैंड के रे इलिंगवर्थ (39 वर्ष 30 दिन), ऑस्ट्रेलिया के क्लैरी ग्रिमेट (39 वर्ष 22 दिन) और इंग्लैंड के सिडनी बार्न्स (38 साल 310) का नाम भी शामिल है।

नोमान पाकिस्तान की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 100 विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में संयुक्त रूप से चौथे नंबर पर आ गए हैं। नोमान ने 22 मैचों में ये उपलब्धि हासिल की है। फजल महमूद ने भी अपने 100 विकेट 22 मैचों में पूरे किए थे। सबसे तेज 100 विकेट लेने वाले पाकिस्तान गेंदबाजों में यासिर शाह पहले नंबर (17 मैच), सईद अजमल दूसरे नंबर (19 मैच) और वकार युनुस तीसरे नंबर (20 मैच) पर हैं।

न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम पर लगा जुर्माना, इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे से जुड़ा है मामला

दुबई। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेट टीमों के बीच 3 वनडे मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला रविवार को खेला गया था।

मैच के दौरान न्यूजीलैंड की तरफ से ओवर फेंकने की गति धीमी रही। इस वजह से टीम पर जुर्माना लगाया गया है।

समय की छूट को ध्यान में रखने के बाद अमेलिया केर की कप्तानी वाली न्यूजीलैंड एक ओवर पीछे रही थी। इस वजह से टीम पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी की हेलेन पैक ने यह सजा सुनाई।

आईसीसी ने एक बयान में कहा, 'खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायता कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार खिलाड़ियों पर उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

यह हर उस ओवर के लिए जो उनकी टीम निर्धारित समय में नहीं फेंक पाती है।'

न्यूजीलैंड की टीम निर्धारित समय पर एक ओवर पीछे रही थी, इसलिए 5 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

कप्तान केर ने अपराध स्वीकार कर लिया और प्रस्तावित सजा मान ली। इस वजह से किसी औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। ऑन-फील्ड अंपायर जैकलीन विलियम्स और

रोज डोवी, और तीसरे अंपायर सू रेडफर्न ने यह आरोप लगाया था।

मैच की बात करें तो न्यूजीलैंड को हार का सामना करना पड़ा था। न्यूजीलैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 48.4 ओवर में 210 रन पर सिमट गई थी। न्यूजीलैंड के लिए सर्वाधिक 88 रन मैडी ग्रीन ने बनाए थे। कप्तान अमेलिया केर ने 55 रन की पारी खेली थी।

इंग्लैंड ने 48.2 ओवरों में 9 विकेट पर 211 रन बनाकर मैच 1 विकेट से जीता। इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक 59 रन माया बुशियर ने बनाए थे। इसके अलावा, फ्रेया कैंप ने 30 और कप्तान चार्ली डेन ने 31 रन बनाए थे। 2 विकेट लेने और 31 रन बनाने वाली इंग्लैंड की कप्तान चार्ली डेन प्लेयर ऑफ द मैच रहीं।

महिला टी20 विश्व कप 2026: दक्षिण अफ्रीका ने किया टीम का ऐलान, 37 साल की गेंदबाज की संन्यास सें वापसी

नई दिल्ली । महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट का ऐलान हो गया है। 2023 में संन्यास ले चुकीं 37 साल की तेज गेंदबाज शबनीम इस्माइल को विश्व कप की टीम में जगह मिली है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका का यह फैसला चौंकाने वाला है। 15-सदस्यीय टीम की कप्तानी लौरा वोल्वार्ड्ट करेंगी।

113 टी20 मैचों में 123 विकेट ले चुकीं इस्माइल नई गेंद से अपनी पुरानी जोड़ीदार मारिजेन कैप के साथ जुड़ेंगी। कैप बीमारी से उबरकर वापस कर रही हैं। पूर्व कप्तान डेन वैन नीकेर्क ने भी संन्यास से वापसी के बाद से नौ अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उन्हें भी टीम में चुना गया है।टीम की कप्तानी लॉरा वोल्वार्ड मुख्य नामों में ताजमिन ब्रिट्स, सुने लुस, क्लो ट्रायोन और अयाबोंगा खाका शामिल हैं। विस्फोटक फिनिशर और पूर्व अंडर-19 कप्तान कायला रेनेके अपना पहला टी20 विश्व कप खेलेंगी। विकेटकीपर बल्लेबाज कराबो मेसो को भी टीम में जगह मिली है। एनेके बॉश, जिन्होंने पिछले टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका को फाइनल तक पहुंचाया था, इस बार टीम में जगह नहीं बना पाई हैं।क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका की एक प्रेस रिलीज में मुख्य कोच मंडला माशिम्बी ने कहा, 'शबनीम जैसी खिलाड़ी का वापस आना टीम के लिए बहुत मायने रखता है। उनमें अभी भी दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व करने और टीम को कुछ खास उपलब्धि दिलाने में मदद करने की कितनी ललक है। हमें मारिजेन, डेन और कराबो जैसी खिलाड़ियों को टीम में शामिल किए जाने की भी खुशी है।' विश्व कप 12 जून से 5 जुलाई तक इंग्लैंड में खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका ग्रुप 1 में शामिल है। इस ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, भारत, नीदरलैंड, और पाकिस्तान शामिल हैं।

फुटबॉल प्रीमियर लीग: टॉटेनहम हॉटस्पर और लीड्स यूनाइटेड के बीच मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा

लंदन। फुटबॉल प्रीमियर लीग में टॉटेनहम हॉटस्पर और लीड्स यूनाइटेड के बीच खेला गया मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा। इस ड्रॉ के साथ ही टॉटेनहम 38 अंकों के साथ 17वें नंबर पर आ गया है। वहीं, लीड्स यूनाइटेड 14वें स्थान पर है।

प्रीमियर लीग की रिपोर्ट के मुताबिक, फ्रांसीसी फुटबॉलर मैथिस टेल पहले मुकाबले में हीरो बने, लेकिन उन्होंने अपनी गलती से टीम के लिए परेशानी भी खड़ी कर दी। टेल ने मैच के 50वें मिनट में पहला गोल दागा और टॉटेनहम को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, इसके कुछ देर बाद ही उन्होंने अपने ही बॉक्स में गेंद को खतरनाक तरीके से क्लियर करने का प्रयास किया और इसी कोशिश में उनका पैर एथन अमपाडू को लग गया। वीएआर जांच के बाद लीड्स यूनाइटेड को पेनल्टी मिल गई, जिसका पूरा फायदा इंग्लिश फुटबॉलर कैल्वर्ट लेविन ने उठाया। लेविन ने मैच के 74वें मिनट में हाथ आए मौके को भुनाया और स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया।

टॉटेनहम हॉटस्पर ने इसके बाद मुकाबले में वापसी करने का काफी प्रयास किया, लेकिन लीड्स यूनाइटेड की टीम ज्यादा हावी नजर आई। मैच के अंतिम पलों में गोलकीपर किंस्की ने सीन लॉन्गस्टाफ के जबरदस्त शॉट का बेहतरीन बचाव करते हुए टीम की हार को टाला। पहले हाफ के अंत में टॉटेनहम के पास बढ़त बनाने का चांस था। लीड्स के गोलकीपर कार्ल डार्लो ने गेंद को ज्यादा देर तक अपने पास रखा, जिसके कारण स्पर्स को फ्री-किक मिली।

हालांकि, रिचर्डसन और पेड्रो पोरो इस मौके का भी फायदा उठाने में नाकाम रहे। इसके बाद जोआओ पल्हिन्हा गोल करने के काफी करीब पहुंचे, लेकिन उनका शॉट क्रॉसबार के ऊपर से निकल गया। स्टॉपेज टाइम में सीन लॉन्गस्टाफ के पास गोल करने का एक सुनहरा मौका था, लेकिन गोलकीपर किंस्की ने एक बार फिर शानदार बचाव करते हुए लीड्स यूनाइटेड के मैच में बढ़त लेने के अरमानों पर पानी फेर दिया। लुकास नमेचा द्वारा टैकल किए जाने की वजह से गिरने के बाद जेम्स मैडिसन ने भी पेनल्टी की अपील की, लेकिन रेफरी ने उनकी इस अपील को खारिज कर दिया।

डीसी की जीत का मजा हुआ किरकिरा, कप्तान अक्षर पटेल पर लगा 12 लाख का जुर्माना

धर्मशाला । आईपीएल 2026 के 55वें मुकाबले में सोमवार को दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) को 3 विकेट से हराया। इस मैच के बाद डीसी के कप्तान अक्षर पटेल पर 12 लाख का जुर्माना लगाया गया है।

अक्षर पर यह जुर्माना दिल्ली कैपिटल्स द्वारा पंजाब किंग्स के खिलाफ धीमी गति से ओवर फेंकने के कारण लगा है। अक्षर को आईपीएल के कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.22 का दोषी पाया गया है। आईपीएल 2026 में डीसी पहली बार तय समय के अंदर अपने पूरे ओवर फेंकने में नाकाम रही है, जिसके कारण सिर्फ कप्तान पर जुर्माना लगाया गया है।

हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब किंग्स ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 210 रन लगाए।

प्रियांश आर्या ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 33 गेंदों में 56 रनों की दमदार पारी खेली, जबकि कप्तान श्रेयस अय्यर ने 36 गेंदों में नाबाद 59 रन बनाए। वहीं, कूपर कोनोली ने 27 गेंदों में 38 रनों का योगदान दिया।

आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग : चार्ली डीन और अमेलिया केर की लंबी छलांग, मैडी ग्रीन को भी पहुंचा फायदा

दुबई। इंग्लैंड की चार्ली डीन और न्यूजीलैंड की कप्तान अमेलिया केर को वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में शानदार प्रदर्शन का इनाम आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में मिला है।

चोटिल नेट साइवर-ब्रंट की जगह पर इंग्लैंड टीम की कप्तानी संभाल रहीं चार्ली डीन ने पहले वनडे में बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने बल्लेबाजी में 46 गेंदों में 31 रनों की दमदार पारी खेली और वह टीम को जीत दिलाकर लौटीं। वहीं, गेंदबाजी में उन्होंने 7 ओवर के स्पेल में महज 21 रन खर्च करते हुए 2 विकेट चटकाए। गेंदबाजों की रैंकिंग में डीन अब छह पायदान की छलांग लगाकर 10वें नंबर पर आ गई हैं। वहीं, ऑलराउंडर्स की लिस्ट में भी उनको एक पायदान का फायदा पहुंचा है और वह अब 11वें स्थान पर आ गई हैं।

अमेलिया केर और उनकी टीम की साथी खिलाड़ी मैडी ग्रीन ने वनडे में बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई है। पहले वनडे में 88 रनों की पारी खेलने वालीं ग्रीन दो पायदान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर पहुंच गई हैं। वहीं, अर्धशतकीय पारी के बूते केर ने चार पायदान की छलांग लगाई है और वह अब 11वें नंबर पर आ गई हैं।

इंग्लैंड की माइया बाउशियर 11 पायदान ऊपर चढ़कर 51वें स्थान पर पहुंच गई हैं। न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाज रोजमेरी मायर को पहले वनडे में 3 विकेट लेने का फायदा पहुंचा है और वह अब 12 पायदान ऊपर चढ़कर 34वें नंबर पर पहुंच गई हैं। पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम और जिम्बाब्वे के बीच खेली गई सीरीज में दमदार प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों को भी फायदा पहुंचा है। पाकिस्तान की तिकड़ी सदफ शमास (24 पायदान ऊपर 48वें स्थान पर), आलिया रियाज (चार पायदान ऊपर 54वें स्थान पर) और गुल फिरोजा (टॉप 100 से बाहर से 75वें स्थान पर) को वनडे रैंकिंग में सबसे ज्यादा फायदा पहुंचा है। वहीं, कप्तान फातिमा सना गेंदबाजों की रैंकिंग में तीन पायदान ऊपर 23वें स्थान पर आ गई हैं, तो स्पिनर रमीन शमीम 12 पायदान की छलांग के साथ 41वें नंबर पर पहुंच गई हैं।

आईपीएल 2026: इन 5 कारणों के चलते टूटा एलएसजी का प्लेऑफ में खेलने का सपना

नई दिल्ली। ऋषभ पंत की कप्तानी में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) का लगातार दूसरे साल प्लेऑफ में खेलने का सपना टूट गया है। आईपीएल 2026 में एलएसजी का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। आइए आपको वो पांच कारण बताते हैं, जिसके चलते एलएसजी का इस सीजन हुआ बुरा हाल।

नहीं चले मार्करम-पूरन: आईपीएल 2026 की शुरुआत से ही माना जा रहा था कि एलएसजी का बल्लेबाजी क्रम काफी हद तक टीम के टॉप ऑर्डर पर निर्भर करेगा। पिछले सीजन में शानदार रहे एडेन मार्करम से इस साल भी दमदार प्रदर्शन की आस थी। हालांकि, मार्करम ने इस सीजन अपने प्रदर्शन से खासा निराश किया। मार्करम 11 मुकाबलों में 138 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए इस सीजन में सिर्फ 231 रन ही बना सके हैं। वहीं, पूरन का हाल और भी बेहाल रहा। पूरन आईपीएल 2026 में खेले 11 मुकाबलों में 124 के मामूली स्ट्राइक रेट से सिर्फ 184 रन ही बना सके हैं।

पंत ने फिर किया निराश: पिछला सीजन खराब जाने के बाद आईपीएल 2026 में ऋषभ पंत से हर किसी को शानदार प्रदर्शन की आस थी। हालांकि, एलएसजी के कप्तान इस साल भी लय में दिखाई नहीं दिए। 11 मुकाबलों में पंत अब तक 138 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 251 रन ही बना सके हैं। पंत इस सीजन सिर्फ एक ही अर्धशतक लगा सके हैं।

खोखला नजर आया मध्यक्रम: लखनऊ सुपर जायंट्स का मध्यक्रम आईपीएल 2026 में पूरी तरह से खोखला नजर आया। आयुष बदोनी, हिम्मत सिंह, और अब्दुल समद जैसे भारतीय बल्लेबाज अपनी छाप छोड़ने में नाकाम रहे। स्टार खिलाड़ियों से सजे टॉप ऑर्डर के फेल होने के बाद मध्यक्रम टीम की नैया को पार लगाने की जिम्मेदारी नहीं ले सका।

दिग्वेश राठी की नाकामी पड़ी भारी: दिग्वेश राठी पिछले सीजन लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए ट्रंप कार्ड बनकर उभरे थे। हालांकि, आईपीएल 2026 में वह बुरी तरह से फेल रहे। दिग्वेश 8 मुकाबलों में अब तक सिर्फ 5 विकेट निकाल सके हैं और उनका इकोनॉमी रेट 10.00 का रहा है। दिग्वेश के खराब प्रदर्शन की वजह से एलएसजी को एक अच्छे स्पिनर की कमी साफतौर पर खली।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415